फोनः-4103333, 2362400 फैक्सः-0141-2373513 वर्षः 77 संख्याः 26 प्रभात जयपुर, गुरूवार 27 अगस्त, 2026 डाक पं.सं. जयपुर सिटी/001/2021-23 पृष्ठ 8 मूल्य 2.75 रु.

जयपुर • कोटा • बीकानेर • उदयपुर • अजमेर • जालोर • हिण्डौनसिटी • चूरू

राष्ट्रदूत

Rashtradoot

Metro

epaper.rashtradoot.com

ARBiT

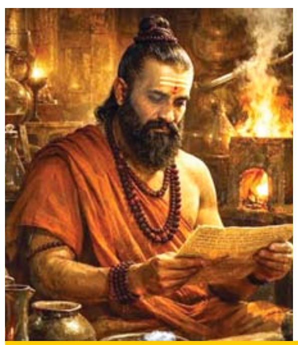

The World's First Chemistry Lab

Nagarjuna's method of refining and polishing gold and silver created a brilliant finish, this process laid the foundation for modern metalworking

The Song That Changed Indian Cinema Forever

The flute player managed somehow, keeping his instrument above water. But the tabla and harmonium players faced a greater challenge

'राजस्थान के कार्यवाहक चीफ जस्टिस एस पी शर्मा को तुरंत हटाया जाए'

सुप्रीम कोर्ट के जस्टिस संदीप मेहता ने सीजेआई सूर्यकांत से इस बारे में आग्रह किया और जस्टिस शर्मा पर पद के दुरुपयोग का आरोप लगाया

-जाल खंबाता-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 26 अगस्त। सुप्रीम कोर्ट के न्यायमूर्ति संदीप मेहता ने भारत के मुख्य न्यायाधीश सूर्यकांत से आग्रह किया है कि राजस्थान हाई कोर्ट के लिए किसी अन्य राज्य से मुख्य न्यायाधीश की नियुक्ति तत्काल प्रभाव से की जाए।

"बार एंड बैंच" के पास उपलब्ध 2 अगस्त, 10 अगस्त और 17 अगस्त को लिखे पत्रों में न्यायमूर्ति मेहता ने कार्यवाहक मुख्य न्यायाधीश संजय प्रकाश शर्मा पर आरोप लगाया है कि वे धनी मुकदमेबाजों के पक्ष में मामलों की सूची (केस लिस्टिंग) में हेरफेर कर रहे हैं और अगले महीने होने वाली अपनी सेवानिवृत्ति से पहले प्रशासनिक शक्तियों का दुरुपयोग कर रहे हैं।

- **2 अगस्त, 10 अगस्त और 17 अगस्त को लिखे पत्र में जस्टिस मेहता ने आरोप लगाया कि जस्टिस शर्मा रसूखदार और संपन्न मुकदमे बाजों के पक्ष में केस लिस्टिंग में हेरफेर कर रहे हैं और प्रशासनिक शक्तियों का दुरुपयोग कर रहे हैं। जस्टिस शर्मा अगले माह रिटायर होने वाले हैं।**
- **जस्टिस मेहता खुद राजस्थान हाई कोर्ट से हैं और 9 नवम्बर 2023 से सुप्रीम कोर्ट में हैं। जस्टिस मेहता ने कहा कि राजस्थान हाई कोर्ट के कई न्यायाधीशों ने मुझ से जस्टिस शर्मा की शिकायत की है कि वे अक्सर अपने साथी जजों को धमकाते हैं और सीजेआई सूर्यकांत से निकटता का दावा करते हैं।**

न्यायमूर्ति मेहता स्वयं राजस्थान हाई कोर्ट से जुड़े रहे हैं। उन्होंने 30 मई 2011 को राजस्थान हाई कोर्ट के न्यायाधीश के रूप में कार्यभार संभाला था। फरवरी 2023 में उन्हें गोंहाटी हाई कोर्ट का मुख्य न्यायाधीश बनाया गया और इसके बाद 9 नवंबर 2023 को सुप्रीम कोर्ट में पदोन्नत किया गया।

न्यायमूर्ति शर्मा को नवंबर 2016 में राजस्थान हाई कोर्ट का न्यायाधीश नियुक्त किया गया था और 2022 में उनका तबादला पटना हाई कोर्ट कर दिया गया।

स्वास्थ्य कारणों का हवाला देते हुए जब उन्होंने राजस्थान वापस भेजे जाने का अनुरोध किया, तब तत्कालीन सीजेआई "डीवाई चंद्रचूड़" की अध्यक्षता वाले कोलीजियम ने मार्च 2023 में उनके अनुरोध को खारिज कर दिया और इसके बजाय, उन्हें पंजाब एवं हरियाणा हाई कोर्ट भेज दिया। मई 2025 में एक नए कोलीजियम प्रस्ताव में उन्हें राजस्थान वापस भेजने की सिफारिश की गई। इसके बाद वे कार्यवाहक मुख्य न्यायाधीश बने। न्यायमूर्ति मेहता के पत्र के अनुसार, वे अब पिछले 10 महीनों से अधिक समय से इस पद पर हैं।

2 अगस्त के अपने पहले पत्र में न्यायमूर्ति मेहता ने लिखा कि राजस्थान के दौरे के दौरान राजस्थान हाई कोर्ट के अनेक न्यायाधीशों ने मुझसे मुलाकात की और न्यायमूर्ति एसपी शर्मा के व्यवहार को लेकर अपनी पीड़ा व्यक्त की। उन्होंने आरोप लगाया कि न्यायमूर्ति शर्मा अक्सर अपने साथी न्यायाधीशों को बदले की कार्रवाई, जिसमें तबादला

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

गुरुग्राम के व्यस्ततम इफ्को चौक की सड़क धँसी

-जाल खंबाता-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 26 अगस्त। क्षेत्र में भारी मानसूनी बारिश के बाद, गुरुग्राम के व्यस्त इफ्को चौक पर एक महत्वपूर्ण सड़क धंस गई, जिससे जमीन के नीचे बने इंफ्रास्ट्रक्चर की लंबे समय से चली आ रही कमजोरियां सामने आ गईं। सड़क धंसने के पीछे गुरुग्राम मेट्रोपॉलिटन डेवलपमेंट अथॉरिटी

- **भारी बारिश के बाद हुए इस हादसे ने सड़क निर्माण की खामियों को उजागर कर दिया है। सड़क धँसने के लिए उसके नीचे से गुज़र रही सीवर लाइन को जिम्मेदार बताया गया है।**

(जीएमडीए) की देखरेख वाली एक बड़ी सीवर लाइन को जिम्मेदार माना जा रहा है।

यातायात पुलिस ने वाहन दुर्घटनाएं रोकने के लिए तुरंत अस्थायी बैरिकेड लगा दिए। क्षतिग्रस्त सीवर लाइन को हुए नुकसान का आकलन करने के लिए नगर निगम के इंजीनियरों को बुलाया गया।

थोड़ी देर की बारिश के बावजूद, शहर का ड्रेनेज सिस्टम तुरंत ठप हो

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

मंत्रिमंडल में फेरबदल की अटकलें कब समाप्त होंगी?

यह भी चर्चा है कि मंत्रिमंडल फेरबदल के साथ ही पार्लियामैंट्री बोर्ड में भी फेरबदल होगा

-जाल खंबाता-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 26 अगस्त। भाजपा के लिए समय तेजी से निकल रहा है। 2027-28 में लगातार होने वाले 16 विधानसभा चुनावों की उलटी गिनती शुरू होने में अब करीब 180 दिन बाकी हैं। अकेले 2027 में ही पार्टी को गुजरात और उत्तर प्रदेश समेत, पांच राज्यों में अपनी सत्ता बचानी है। इसके अलावा उसका लक्ष्य पंजाब में आप और हिमाचल प्रदेश में कांग्रेस को सत्ता से हटाना भी है।

पार्टी के शीर्ष सूत्रों के अनुसार, नेतृत्व मोदी युग के "अब तक के सबसे बड़े रीसेट" की तैयारी में है, जिसमें कई नए लोगों को शामिल करने, कुछ को बाहर करने और संगठन तथा सरकार में व्यापक बदलाव किए जाने की संभावना है।

- **पार्लियामैंट्री बोर्ड में बदलाव के लिए संघ का भी भारी दबाव है। संघ इसमें महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री देवेन्द्र फड़नवीस व यूपी के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ को शामिल करना चाहता है।**
- **अगस्त 2022 में मध्य प्रदेश के तत्कालीन मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान को पार्लियामैंट्री बोर्ड से बाहर करने के साथ ही यह नियम बनाया गया था कि इसमें मुख्यमंत्रियों को शामिल नहीं किया जाएगा। तर्क था कि मुख्यमंत्रियों से जुड़े फैसले मुख्यमंत्री कैसे ले सकते हैं।**
- **पर, अब चूँकि आरएसएस का दबाव है, ऐसे में यह सवाल भी उठ रहा है कि संसदीय बोर्ड से किसे हटाया जाए?**

भाजपा के एक वरिष्ठ नेता ने कहा, "चुनौतियां बढ़ती जा रही हैं। मामला केवल युवाओं या ऊंची जातियों जैसे प्रमुख वोट वर्गों के खिसकने, या महंगाई और भ्रष्टाचार जैसे मुद्दों तक सीमित नहीं है, जो पार्टी को परेशान कर रहे हैं। हिंदुत्व की लहर भी कमज़ोर हुई है। फिलहाल यह धारणा मजबूत होती दिख रही है कि समस्याओं को हल करने के लिए हमारे पास नए विचार नहीं हैं। मामूली कॉस्मेटिक बदलाव काम नहीं करेंगे। बड़े नीतिगत और राजनीतिक प्रयास की तत्काल जरूरत है और उस प्रयास को संभालने के लिए पार्टी तथा सरकार का पुनर्गठन पहला कदम हो सकता है। एक सर्जिकल स्ट्राइक के लिए तैयार रहिए।"

यह लगभग तय माना जा रहा है कि मोदी सरकार के तीसरे कार्यकाल के करीब 27 महीने पूरे होने के बाद, 2014 के बाद पहली बार भाजपा एक साथ कई नकारात्मक धारणाओं और राजनीतिक उथल-पुथल का सामना कर रही है। इस स्थिति में, पार्टी कमज़ोर या अस्पष्ट संकेत भेजने का जोखिम नहीं उठा सकती।

भाजपा अध्यक्ष नितिन नबीन की टीम ने एक सप्ताह पहले संगठन में जो बदलाव किए, उनसे ऐसा संकेत मिला कि "पिक्चर अभी बाकी है।"

यह एक सामान्य संगठनात्मक फेरबदल जैसा था, जिसमें कई पहलू शामिल थे। अच्छे रिकॉर्ड वाले भरोसेमंद नेताओं को बरकरार रखा गया, जबकि सामाजिक-राजनीतिक समीकरणों और चुनौतियों को ध्यान में रखते हुए कुछ पुराने और नए चेहरों को शामिल किया गया। लेकिन सूची में छिपे संकेतों को समझने के लिए उसका इतना बारीकी से विश्लेषण करना पड़ा।

भाजपा के अंदरूनी सूत्रों का कहना है कि पार्टी स्तर पर "संसदीय बोर्ड जैसी

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

अमेरिका ने वीज़ा अपॉइन्टमैंस पर रोक लगाई

वॉशिंगटन से प्राप्त खबर के अनुसार, अमेरिका इतिहास की सबसे बड़ी वीज़ा रद्द करने की कार्यवाही करने जा रहा है

-जाल खंबाता-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 26 अगस्त। अमेरिका में डॉनल्ड ट्रंप प्रशासन ने दुनिया भर में अमेरिकी दूतावासों और वाणिज्य दूतावासों में वीज़ा अपॉइन्टमैंट रोक दिए हैं या उनका समय बदल दिया है। यह कदम वाइट हाउस में रिपब्लिकन नेता के दूसरे कार्यकाल के दौरान जारी इमिग्रेशन पर सख़्ती के बीच उठाया गया है।

अमेरिकी विदेश विभाग के अनुसार, वीज़ा सेवाओं के लिए अपॉइन्टमैंट इसलिए रोके गए हैं ताकि विदेशों में मौजूद सभी राजनयिक केन्द्रों पर ग्लोबल ट्रेनिंग प्रोग्राम चलाया जा सके।

- **अमेरिकी अधिकारियों ने कहा कि एक एग्ज़िक्युटिव ऑर्डर से देश भर में 2 लाख विदेशी नागरिकों के वीज़ा रद्द किए जा सकते हैं।**
- **वीज़ा अपॉइन्मैंट रोकने और उनका समय बदलने का यह कदम ट्रंप सरकार की सख्त इमिग्रेशन नीति के तहत उठाया गया है।**
- **हालांकि अमेरिकी विदेश विभाग के अनुसार, वीज़ा अपॉइन्टमैंट इसलिए रोके गए ताकि विदेशों में मौजूद सभी राजनयिक केन्द्रों पर ग्लोबल ट्रेनिंग कार्यक्रम चलाया जा सके।**

वॉशिंगटन से एक बड़ी खबर आ रही है कि प्रशासन अमेरिका के इतिहास में सबसे बड़े पैमाने पर वीज़ा रद्द करने की सबसे बड़ी कार्रवाई शुरू करने की तैयारी कर रहा है। अधिकारियों ने पुष्टि की है कि एक एग्ज़िक्यूटिव ऑर्डर के तहत देशभर में 2 लाख तक विदेशी नागरिकों के वीज़ा रद्द किए जा सकते हैं।

कोटा में एक और कोचिंग छात्रा ने आत्महत्या की

कोटा, 26 अगस्त (निसं)। कोटा में एक कोचिंग छात्रा की आत्महत्या का मामला सामने आया है। घटना कुन्हाड़ी इलाके की है, छात्रा अपनी बहन के साथ फ्लैट में रहती थी।

घटना की सूचना मिलने के तत्काल बाद पुलिस मौके पर पहुंची और उसके फ्लैट को सीज़ कर दिया। छात्रा के शव को एमबीएस अस्पताल की

- **छात्रा कुन्हाड़ी में अपनी बहन के साथ फ्लैट में रह रही थी तथा मैडिकल प्रवेश परीक्षा नीट की तैयारी कर रही थी।**

मोर्चरी में रखवा दिया। उसके परिजन भी कोटा पहुंच गए। छात्रा मूल रूप से मध्यप्रदेश के छतरपुर की निवासी थी।

कुन्हाड़ी थाना अधिकारी देवेश भारद्वाज ने बताया कि 20 वर्षीय छात्रा नीट की तैयारी कर रही थी तथा उसकी छोटी बहन उसके साथ ही रहकर इंजीनियरिंग प्रवेश परीक्षा जेईई की

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

नेपाल में अचानक आई बाढ़ में 105 भारतीय पर्यटक लापता

भारत ने बाढ़ दुखांतिका के लिए नेपाल को हरसंभव सहायता देने का वादा किया

-डॉ. सतीश मिश्रा-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 26 अगस्त। नेपाल के कुछ हिस्सों में भीषण बाढ़ आने के बाद प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने अपने नेपाली समकक्ष बालेन्द्र शाह से बात की और भारत की ओर से नेपाल को हरसंभव मानवीय सहायता उपलब्ध कराने का आश्वासन दिया।

मोदी ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर एक पोस्ट में कहा, प्रधानमंत्री बालेन्द्र शाह से बात की और नेपाल में बाढ़ के कारण हुई जनहानि पर अपनी संवेदना व्यक्त की। इस कठिन समय में भारत के लोग नेपाल के अपने बहन-भाइयों के साथ पूरी एकजुटता से खड़े हैं। उन्होंने कहा कि भारत बचाव और राहत अभियानों के लिए नेपाल के साथ निकटता से समन्वय कर रहा है।

बुधवार को तिब्बत की सीमा से लगे नेपाल के रसुवा जिले में अचानक आई बाढ़ से कम से कम आठ लोगों की मौत हो गई, जबकि मृतकों की संख्या बढ़ने की आशंका है। सीमा के दूसरी ओर तिब्बत में भी बड़ी संख्या में लोगों के हताहत होने की खबर है। चीन की सरकारी समाचार एजेंसी शिन्हुआ के अनुसार, नेपाल-चीन सीमा के एक क्रॉसिंग पर भूस्खलन के बाद पड़ोसी काउंटी जिरोंग में कुछ लोग लापता हैं।

- **भारत के प्रधानमंत्री मोदी ने नेपाल के प्रधानमंत्री बालेंद्र शाह से फोन पर बात की। बाढ़ से हुई जानमाल की हानि पर खेद जताया।**
- **नेपाल पर्यटन विभाग के अनुसार, लद्दाख के समीप भोटे कोशी नदी में अचानक आई बाढ़ से कई लोग लापता हैं, इनमें 291 पर्यटक और 93 नेपाली हैं। 291 यात्रियों में से 105 भारतीय, 37 एनआरआई हैं। शेष अमेरिका, मलेशिया, यूके, साउथ अफ्रीका, ऑस्ट्रेलिया व नीदरलैंड्स के हैं।**

बुधवार को तिब्बत सीमा से लगे रसुवा जिले में आई विनाशकारी बाढ़ के बाद लापता करीब 400 लोगों में कम से कम 105 भारतीय शामिल हैं। इनमें से अधिकांश लोग तिब्बत में होने वाली कैलाश मानसरोवर यात्रा के लिए जा रहे थे।

अधिकारियों के अनुसार, बुधवार सुबह करीब 9 बजे (स्थानीय समय) तिब्बत की ओर से आने वाली भोटे कोशी नदी में अचानक बाढ़ आ गई। इससे ति ब्बत की सीमा से लगे रसुवा और धादिंग जिलों, तथा काठमांडू के दक्षिण-पश्चिम में स्थित नुवाकोट जिले में भारी नुकसान हुआ।

"नेपाल पर्यटन बोर्ड" के एक बयान के अनुसार, रसुवा में आई बाढ़ के कारण कुल 384 यात्री लापता हैं। इनमें 291 विदेशी और 93 नेपाली नागरिक शामिल हैं।

लापता यात्रियों में 105 भारतीय पर्यटक और 37 एनआरआई शामिल हैं। बाकी पर्यटक अमेरिका, मलेशिया, ब्रिटेन, दक्षिण अफ्रीका, ऑस्ट्रेलिया और नीदरलैंड्स से हैं।

बुधवार को भारतीय रक्षा मंत्रालय के सूत्रों ने कहा, भारतीय वायुसेना को हाई अलर्ट पर रखा गया है और वह नेपाल में किसी भी राहत एवं बचाव अभियान के लिए पूरी तरह तैयार है। सूत्रों के अनुसार विनाशकारी बाढ़ के

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

तृतीय श्रेणी शिक्षक भर्ती के नियुक्ति पत्र जारी करने पर रोक दो सप्ताह बढ़ी

जयपुर, 26 अगस्त। राजस्थान हाईकोर्ट ने तृतीय श्रेणी शिक्षक भर्ती-2025 लेवल वन में विवादित प्रश्न-उत्तर मामले में अभ्यर्थियों के नियुक्ति पत्र जारी करने पर लगाई अंतरिम रोक को दो सप्ताह के लिए बढ़ा दिया है।

- **विवादित प्रश्न-उत्तर मामले में हाई कोर्ट ने कर्मचारी चयन बोर्ड को जवाब पेश करने के लिए समय दिया।**

इसके साथ ही अदालत ने मामले में जवाब पेश करने के लिए कर्मचारी चयन बोर्ड को समय दिया है। जस्टिस समीर जैन ने ये आदेश महेन्द्र कुमार व अन्य की याचिका पर दिए। अदालत ने करीब एक माह पहले बोर्ड को अभ्यर्थियों के दस्तावेज सत्यापन की प्रक्रिया को जारी रखने की छूट देते हुए, नियुक्ति पत्र जारी

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

सभी प्रयासों के बाद भी ग्रोथ उस गति से क्यों नहीं बढ़ रही, जैसी उम्मीद की जाती है

इन्फ्रास्ट्रक्चर पर सरकार का व्यय कभी भी निजी निवेश का स्थान नहीं ले सकता?

-सुकुमार साह-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 26 अगस्त। भारतीय अर्थव्यवस्था की विकास दर अप्रैल-जून तिमाही में धीमी होकर 7.1 प्रतिशत रहने की संभावना है, लेकिन इस आंकड़े के पीछे बड़ी चिंता यह है कि निजी कंपनियां नए निवेश के लिए अभी भी बड़े पैमाने पर आगे आने से हिचक रही हैं।

समस्या केवल कंपनियों के पास नकदी की कमी की नहीं है। कंपनियां इसलिए भी सावधानी बरत रही हैं क्योंकि उन्हें भविष्य की मांग को लेकर पर्याप्त भरोसा नहीं है। इसके अलावा, भू-राजनीतिक (जिओपोलिटिकल) अनिश्चितता, कच्चे माल की कीमतों में उतार-चढ़ाव, व्यापार से जुड़े जोखिम और सस्ते इम्पोर्ट से कॉम्पिटिशन नए निवेश से मिलने वाले रिटर्न पर असर डाल रहे है।

"रॉयटर्स" के 58 अर्थशास्त्रियों के एक सर्वेक्षण के अनुसार, वित्त वर्ष 2026-27 की पहली तिमाही में जीडीपी की विकास दर 7.1 प्रतिशत रहने की संभावना है, जो जनवरी-मार्च तिमाही की 7.8 प्रतिशत दर से कम है। आधिकारिक आंकड़े 31 अगस्त को जारी होने हैं। इस दर के बावजूद, भारत दुनिया की सबसे तेजी से बढ़ने वाली प्रमुख अर्थव्यवस्था बना रहेगा। हालांकि, अर्थशास्त्रियों का अनुमान है कि मौजूदा तिमाही में विकास दर और घटकर 6.6 प्रतिशत और उसके बाद की तिमाही में 6.5 प्रतिशत रह सकती है।

मुख्य कमज़ोरी प्राइवेट कैपिटल इन्वैस्टमैंट साइकल का व्यापक न होना है। अर्थशास्त्रियों का कहना है कि पिछले साल की दूसरी छमाही से निजी निवेश में शुरुआती सुधार दिखाई दिया है,

- **जब निजी निवेश होता है तो वह वाकई में ग्रोथ का संकेत माना जाता है, क्योंकि उद्योगपति इन्वैस्टमैंट तब करता है, जब उसे लगता है कि मार्केट बढ़ रहा है और उसे महसूस होता है कि बढ़ती माँग की पूर्ति के लिए उसे और फैक्ट्री लगानी पड़ेगी।**
- **इन्फ्रास्ट्रक्चर का विकास ग्रोथ का संकेत नहीं होता, निजी उद्योग लगाना अवश्य ग्रोथ का संकेत होता है।**
- **निजी कंपनियाँ नए इन्वैस्टमैंट से हिचक रही हैं, इसका कारण यह नहीं है कि उनके पास पूँजी का अभाव है, असल में उन्हें भविष्य की माँग को लेकर पर्याप्त भरोसा नहीं है।**

लेकिन अभी तक यह इतना मजबूत, टिकाऊ और व्यापक नहीं हुआ है कि इसे निवेश में बड़ी और स्थायी तेजी कहा जा सके।

कंपनियां पीछे क्यों हट रही हैं? पहली बड़ी बाधा डिमांड के बारे में साफ जानकारी न होना है। कंपनियां तभी निवेश करती है, जब उन्हें भरोसा होता है कि अतिरिक्त कारखाने, मशीनरी या उत्पादन क्षमता कई वर्षों तक पर्याप्त लाभ देगी। हालांकि उपभोक्ता मांग अभी भी मजबूत बनी हुई है, लेकिन अलग-अलग आय वर्गों और क्षेत्रों में मांग एक जैसी नहीं है। इससे कंपनियां बड़े और ऐसे निवेश करने में हिचक रही हैं, जिन्हें बदला न जा सके, और जो इस धारणा पर आधारित हों कि आज की डिमांड आगे भी इसी तरह बनी रहेगी।

यह बात खास तौर पर उन उद्योगों के लिए महत्वपूर्ण है, जो सीधे उपभोक्ताओं पर निर्भर हैं। अगर कंपनियों को यह भरोसा नहीं है कि परिवार आगे भी मौजूदा स्तर पर खर्च करना जारी रखेंगे, तो वे नए कारखाने बनाने के बजाय मौजूदा कारखानों का इस्तेमाल बढ़ा सकती हैं। कॉरपोरेट निवेश के हालिया विश्लेषणों से यह भी पता चला है कि नए प्रोजेक्ट डिजिटल इन्फ्रास्ट्रक्चर, एनर्जी और मैटल्स जैसे क्षेत्रों में केन्द्रित है, जबकि उपभोक्ता वस्तुओं से जुड़े मैन्युफैक्चरिंग क्षेत्रों में व्यापक विस्तार नहीं हो रहा है।

दूसरी समस्या ग्लोबल और जिआपोलिटिकल अनिश्चितता है। अमेरिका-ईरान संघर्ष के कारण तेल की कीमतें 90 डॉलर प्रति बैरल से ऊपर चली गई हैं। इससे ऐसी अर्थव्यवस्था के लिए ट्रांसपोर्ट और प्रोडक्शन कॉस्ट

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

मोहन भागवत न्यूयॉर्क पहुँचे

न्यूयॉर्क (अमेरिका), 26 अगस्त। राष्ट्रीय स्वंयसेवक संघ (आरएसएस) के सरसंघचालक डॉ. मोहन भागवत मंगलवार को अपनी तीन देशों की यात्रा के पहले चरण में यहां पहुंचे। न्यूयॉर्क के जॉन एफ. कैनेडी अंतरराष्ट्रीय एयरपोर्ट पर भारतीय समुदाय ने डॉ. भागवत का स्वागत किया। संघ प्रमुख की यह यात्रा आरएसएस के शताब्दी वर्ष के वैश्विक संपर्क कार्यक्रम का हिस्सा है।

- **मैडिकल स्क्वायर गार्डन में सभा को संबोधित किया**

संघ प्रमुख भागवत के कार्यक्रम की मेजबानी अहेड फोरम (अमेरिकन हिंदूज फार एंगेजमेंट एंड डायलाग फोरम) कर रहा है। अहेड फोरम ने एक्स पर कहा, "इस कार्यक्रम का संदेश शाश्वत और सार्वभौमिक है कि दुनिया एक परिवार है। यह हमें बनावटी विभाजनों और मतभेदों से ऊपर उठने, मानवता को जोड़ने वाले बंधनों को पहचानने और आपसी सम्मान, सद्भाव व एकता की भावना को अपनाने का

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

विचार बिन्दु

जब पैसा बोलता है तब सत्य मौन रहता है। –कहावत

क्यों नहीं महाराणा प्रताप कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय को बंद कर दिया जाए?

महाराणा प्रताप कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय, उदयपुर की स्थापना का उद्देश्य राजस्थान के किसानों को आधुनिक कृषि तकनीक, वैज्ञानिक ज्ञान और गुणवत्तापूर्ण कृषि शिक्षा उपलब्ध कराना था। कृषि प्रधान राजस्थान में ऐसे विश्वविद्यालयों की भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण है। लेकिन आज विश्वविद्यालय की स्थिति को देखते हुए एक असहज सवाल उठना स्वाभाविक है–क्या जिस विश्वविद्यालय के पास अपने मूल दायित्वों को निभाने के लिए पर्याप्त शिक्षक और कर्मचारी ही नहीं हैं, उसे इसी रूप में चलाते रहना चाहिए?

हाल में प्रकाशित एक समाचार के अनुसार विश्वविद्यालय में कुलशैक्षनैतर के कुल 1,586 स्वीकृत पदों में से केवल 481 पदों पर कर्मचारी कार्यरत हैं, जबकि 1,105 पद रिक्त हैं। अर्थात लगभग 70 प्रतिशत पद खाली पड़े हैं। स्थिति की गंभीरता का अंदाजा इसी बात से लगाया जा सकता है कि शिक्षकों के 435 स्वीकृत पदों में केवल 91 पद भरे हुए हैं यानि कि 80 प्रतिशत पद रिक्त है ।राजस्थान का सबसे पुराना डेयरी एवं खाद्य प्रौद्योगिकी को मात्र दो सहायक प्रोफेसर चला रहे है।

सबसे चिंताजनक स्थिति प्रोफेसरों की है। प्रोफेसर के 38 स्वीकृत पदों में एक भी प्रोफेसर कार्यरत नहीं है। एसोसिएट प्रोफेसर के 100 पदों में केवल 8 तथा असिस्टेंट प्रोफेसर के 297 पदों में केवल 83 पद भरे हैं। जिन शिक्षकों पर उच्च शिक्षा, अनुसंधान और कृषि विस्तार का नेतृत्व करने की जिम्मेदारी है, उन्हीं का विश्वविद्यालय में इतना भारी अभाव है।

ऐसे में सवाल उठता है–क्या केवल भवन, कार्यालय, प्रयोगशालाएं और विश्वविद्यालय का नाम ही किसी संस्था को विश्वविद्यालय बना देते हैं?

कृषि शिक्षा केवल किताबों और परीक्षाओं तक सीमित नहीं हो सकती। इसके लिए प्रयोगशालाएं, खेतों में प्रयोग, अनुसंधान, प्रायोगिक प्रशिक्षण, वैज्ञानिक मार्गदर्शन और किसानों से सीधा संवाद आवश्यक है। जब शिक्षकों के अधिकांश पद खाली हों तो गुणवत्तापूर्ण शिक्षा की कल्पना कैसे की जा सकती है? विद्यार्थी किससे सीखेंगे, शोध कौन करेगा और किसानों तक नई तकनीक कौन पहुंचाएगा?

एमपीयूएटी का मूल दायित्व केवल विद्यार्थियों को डिग्रियां प्रदान करना नहीं है। कृषि विश्वविद्यालय की सफलता का वास्तविक पैमाना यह होना चाहिए कि उसने किसानों की समस्याओं के समाधान के लिए क्या नया किया। क्या उसने राजस्थान की जलवायु और मिट्टी के अनुरूप नई एवं बेहतर किस्में विकसित कीं? क्या उसने किसानों की उत्पादन लागत कम करने वाली तकनीकें विकसित कीं? क्या उसने पानी की कमी, मिट्टी की गिरती उर्वरता, जलवायु परिवर्तन और बदलते कृषि बाजार जैसी चुनौतियों के समाधान खोजे? क्या विश्वविद्यालय में किया जा रहा अनुसंधान खेत तक पहुंच रहा है?

इन प्रश्नों का उत्तर केवल शोधपत्रों और पुस्तकों में नहीं, बल्कि किसान के खेत में दिखाई देना चाहिए।

किसानों की दशा सुधारने वाला विश्वविद्यालय स्वयं संकट में

किसानों की आय, उत्पादन और जीवन–स्तर सुधारने के उद्देश्य से स्थापित कृषि विश्वविद्यालय यदि स्वयं गंभीर मानव संसाधन संकट से जूझ रहा हो, तो यह केवल एक प्रशासनिक समस्या नहीं है। यह कृषि शिक्षा, अनुसंधान और राज्य के किसानों के भविष्य से जुड़ा प्रश्न है।

विश्वविद्यालय के गैर–शैक्षिणक संवर्ग में भी बड़ी संख्या में पद रिक्त होने की बात सामने आई है। इसका सीधा असर विश्वविद्यालय की प्रशासनिक और तकनीकी कार्यप्रणाली पर पड़ना स्वाभाविक है। यदि शिक्षण संस्थान में शिक्षक नहीं हैं और प्रशासनिक व्यवस्था में भी पर्याप्त कर्मचारी नहीं हैं, तो संस्था से उत्कृष्ट परिणामों की अपेक्षा करना कठिन है।

यह स्थिति सरकार और विश्वविद्यालय प्रशासन दोनों के लिए गंभीर आत्ममंथन का विषय होनी चाहिए।

बंद करने का सवाल क्यों?

यहां विश्वविद्यालय को बंद करने का प्रश्न किसी कर्मचारी, शिक्षक या अधिकारी के विरुद्ध नहीं है। यहव्यवस्था को आईना दिखाने वाला प्रश्नहै।

यदि सरकार के पास विश्वविद्यालय को आवश्यक शिक्षक, वैज्ञानिक और तकनीकी कर्मचारी उपलब्ध कराने के लिए संसाधन नहीं हैं; यदि वर्षों तक हजारों पद खाली पड़े रहते हैं; यदि शिक्षा और अनुसंधान प्रभावित हो रहे हैं; और यदि विश्वविद्यालय अपने मूल उद्देश्यों को प्रभावी ढंग से पूरा नहीं कर पा रहा है, तो सरकार को ईमानदारी से यह तय करना चाहिए कि इस व्यवस्था को इसी रूप में जारी रखने का औचित्य क्या है।

हालांकि विश्वविद्यालय को बंद करना पहला विकल्प नहीं होना चाहिए। उससे पहले व्यापक पुनर्गठन और सुधार का गंभीर प्रयास होना चाहिए। अनावश्यक प्रशासनिक ढांचे को कम करके संसाधनों को शिक्षण, अनुसंधान और कृषि विस्तार पर लगाया जा सकता है। समान प्रकृति के महाविद्यालयों और संस्थानों का पुनर्गठन किया जा सकता है। रिक्त पदों को समयबद्ध तरीके से भरा जा सकता है और प्रत्येक विभाग के लिए स्पष्ट लक्ष्य तथा जवाबदेही निर्धारित की जा सकती है।

किसी विश्वविद्यालय को केवल इसलिए जीवित रखना उचित नहीं है कि वह दशकों से अस्तित्व में है। उसे इसलिए जीवित रहना चाहिए क्योंकि वह समाज, विद्यार्थियों और किसानों के लिए उपयोगी है।

किसानों की आय, उत्पादन और जीवन-स्तर सुधारने के उद्देश्य से स्थापित कृषि विश्वविद्यालय यदि स्वयं गंभीर मानव संसाधन संकट से जूझ रहा हो, तो यह केवल एक प्रशासनिक समस्या नहीं है। यह कृषि शिक्षा, अनुसंधान और राज्य के किसानों के भविष्य से जुड़ा प्रश्न है।

सरकार को देना चाहिए समयबद्ध सुधार का अवसर

एमपीयूएटी को बंद करने की बात अंतिम विकल्प होनी चाहिए, पहला नहीं। सरकार को विश्वविद्यालय को सुधारने का स्पष्ट और समयबद्ध अवसर देना चाहिए।

अगले एक वर्ष में सभी आवश्यक शिक्षकीय पदों को भरने की प्रक्रिया पूरी की जाए। प्रत्येक महाविद्यालय में शिक्षक–विद्यार्थी अनुपात को निर्धारित मानकों के अनुरूप लाया जाए। अनुसंधान की गुणवत्ता और उसके खेत तक पहुंचने का स्वतंत्र मूल्यांकन कराया जाए। कृषि प्रसार कार्यक्रमों की प्रभावशीलता की समीक्षा हो तथा विश्वविद्यालय के व्यय और उपलब्धियों का सार्वजनिक मूल्यांकन किया जाए।

इसके साथ यह भी देखा जाना चाहिए कि विश्वविद्यालय पर होने वाला प्रत्येक व्यय किसानों और विद्यार्थियों के हित में कितना उपयोगी साबित हो रहा है। यदि प्रशासनिक खर्च बढ़ता रहे और शिक्षा, अनुसंधान तथा कृषि विस्तार कमजोर होते जाएं, तो व्यवस्था में सुधार के बजाय केवल बजट बढ़ाने का कोई अर्थ नहीं है।

यदि निर्धारित अवधि में ठोस सुधार नहीं होता, तो विश्वविद्यालय के वर्तमान स्वरूप पर पुनर्विचार किया जाना चाहिए। आवश्यकता पड़ने पर इसके महाविद्यालयों और संस्थानों का किसी अन्य कृषि विश्वविद्यालय के साथ विलय अथवा व्यापक पुनर्गठन भी किया जा सकता है।

उच्च शिक्षा और पेंशन–सरकारी प्राथमिकताओं पर सवाल

एमपीयूएटी की समस्या को राज्य की उच्च शिक्षा व्यवस्था और विश्वविद्यालयों के कर्मचारियों एवं पेंशनरों की समस्याओं से अलग करके नहीं देखा जा सकता। एक ओर विश्वविद्यालयों में हजारों पद वर्षों से रिक्त पड़े हैं, वहीं दूसरी ओर सेवानिवृत्त कर्मचारियों और पेंशनरों को भी समय पर उनके वैधानिक लाभ प्राप्त करने के लिए संघर्ष करना पड़ता है।

पेंशन किसी सरकार की कृपा नहीं, बल्कि सेवानिवृत्त कर्मचारी की दीर्घकालीन सेवा के बदले प्राप्त वैधानिक अधिकार है। इसलिए पेंशन का भुगतान समय पर होना और सेवानिवृत्ति लाभों का निर्धारित समय में निपटारा होना प्रशासन की जिम्मेदारी है।

दुर्भाग्य से जब पेंशन, महंगाई भत्ते अथवा अन्य सेवानिवृत्ति लाभों के लिए पेंशनरों को बार–बार ज्ञापन देना पड़े, अधिकारियों से मिलना पड़े और न्यायालय की शरण तक लेनी पड़े, तो यह व्यवस्था की संवेदनशीलता पर प्रश्न खड़ा करता है। जीवन के अंतिम पड़ाव में पहुंचे पेंशनरों को अपने ही अधिकारों के लिए संघर्ष करना पड़े, यह किसी भी कल्याणकारी शासन के लिए संतोषजनक स्थिति नहीं कही जा सकती।

उच्च शिक्षा में रिक्त पद और विश्वविद्यालयों के पेंशनरों की लंबित समस्याएं एक ही बड़ी तस्वीर की ओर संकेत करती हैं–क्या सरकार उच्च शिक्षा संस्थानों को उनकी वास्तविक आवश्यकता के अनुरूप संसाधन, मानव शक्ति और प्रशासनिक प्राथमिकता दे रही है?

सरकार के लिए यह आवश्यक है कि वह केवल घोषणाओं और आश्वासनों तक सीमित न रहे, बल्कि निर्णयों का समयबद्ध क्रियान्वयन सुनिश्चित करे। विश्वविद्यालयों में खाली पद और पेंशनरों की लंबित समस्याएं दोनों ही प्रशासनिक जवाबदेही की परीक्षा हैं।

विश्वविद्यालय किसानों के लिए है, किसानों पर बोझ बनने के लिए नहीं

एमपीयूएटी जैसी संस्था का महत्व केवल उदयपुर या मेवाड़ तक सीमित नहीं है। राजस्थान जैसे कृषि प्रधान राज्य में कृषि विश्वविद्यालयों की भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण है। लेकिन किसी संस्था का महत्व जितना अधिक होता है, उससे अपेक्षाएं और जवाबदेही भी उतनी ही अधिक होती हैं।

आज सबसे बड़ा प्रश्न यही है–क्या एमपीयूएटी किसानों की बदलती जरूरतों के अनुरूप ज्ञान, तकनीक और समाधान उपलब्ध करा रहा है?

यदि उत्तर हां है, तो उसे और अधिक मजबूत किया जाना चाहिए। सरकार को पर्याप्त शिक्षक, वैज्ञानिक और तकनीकी कर्मचारी उपलब्ध कराने चाहिए तथा विश्वविद्यालय को उत्कृष्ट कृषि शिक्षा और अनुसंधान का केंद्र बनाना चाहिए।

यदि उत्तर संतोषजनक नहीं है, तो केवल परंपरा के नाम पर वर्तमान व्यवस्था को ढोते रहने का औचित्य क्या है?

इसलिए लेख के शीर्षक में पूछा गया सवाल वास्तव में विश्वविद्यालय को बंद करने की मांग से अधिक सरकार और विश्वविद्यालय प्रशासन को जगाने वाली चेतावनी है–

क्यों नहीं महाराणा प्रताप कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय को बंद कर दिया जाए?

इस प्रश्न का बेहतर उत्तर यही होना चाहिए–

बंद नहीं, पहले इसे पूरी क्षमता के साथ चलाकर दिखाइए। यदि सरकार इसे आवश्यक संसाधन, शिक्षक और वैज्ञानिक उपलब्ध कराकर उत्कृष्ट संस्था नहीं बना सकती, तो फिर इसके वर्तमान स्वरूप को बनाए रखने का औचित्य भी स्पष्ट कीजिए।

किसानों के हित में स्थापित विश्वविद्यालय यदि स्वयं मानव संसाधन और प्रशासनिक संकट से जूझता रहे, तो यह केवल एक विश्वविद्यालय की समस्या नहीं है। यह राजस्थान की कृषि शिक्षा, अनुसंधान, विद्यार्थियों, वैज्ञानिकों और लाखों किसानों के भविष्य से जुड़ा प्रश्न है।

अब समय आ गया है कि सरकार इस प्रश्न से बचने के बजाय इसका स्पष्ट उत्तर दे–या तो विश्वविद्यालय को उसकी पूरी क्षमता के साथ चलाइए, या फिर उसके वर्तमान स्वरूप पर पुनर्विचार कीजिए।

–अतिथि सम्पादक,
प्रोफेसर (डा.) पी. सी. कंठालिया
पूर्व विभागाध्यक्ष (मृदा विज्ञान) एवं मुख्य वैज्ञानिक
महाराणा प्रताप कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय, उदयपुर

कुंभ बनाम शिक्षा का सवाल : क्या आस्था और विकास को आमने-सामने खड़ा करना उचित है?

विनोद पाठक

सुप्रीम कोर्ट के न्यायमूर्ति प्रसन्ना बी. वराले की एक टिप्पणी ने कुंभ और शिक्षा को लेकर बहस छेड़ दी है। नासिक में एक कार्यक्रम के दौरान उन्होंने मराठी माध्यम के स्कूलों की खराब होती स्थिति पर चिंता जताई और कहा कि नासिक कुंभ के लिए निर्धारित करीब 32 हजार करोड़ रुपए में से केवल 0.1 प्रतिशत राशि भी खर्च की जाती तो 100 से अधिक मराठी स्कूलों को बचाया जा सकता है। शिक्षा की स्थिति को लेकर न्यायमूर्ति वराले की चिंता अपनी जगह बिल्कुल जायज है। स्कूलों की हालत खराब हो, बच्चे सुविधाओं से वंचित हों और शिक्षक तथा संसाधनों की कमी हो तो सरकार से सवाल पूछा ही जाना चाहिए।

आखिर शिक्षा किसी भी समाज के भविष्य का आधार है, लेकिन इसी के साथ एक बड़ा सवाल यह भी है कि क्या शिक्षा की समस्या का समाधान कुंभ के बजट में ही तलाशना चाहिए? क्या एक धार्मिक और सांस्कृतिक आयोजन पर होने वाला खर्च स्वाभाविक रूप से शिक्षा के लिए संभावित नुकसान है? अगर किसी राज्य के स्कूलों को तत्काल धन की जरूरत है तो क्या उसके लिए सरकार के पास कुंभ के अलावा कोई दूसरा बजट नहीं है? यहीं से इस बहस को थोड़ा व्यापक बनाने की जरूरत महसूस होती है।

अब प्रयागराज महाकुंभ–2025 को लें। इस आयोजन के लिए करीब 7,000 करोड़ रुपए उत्तर प्रदेश व केंद्र सरकार ने विकास और आयोजन संबंधी कार्यों पर खर्च किए, लेकिन महाकुंभ ने आस्था के साथ अर्थव्यवस्था को भी बड़ा बूस्ट दिया। एक अनुमान के अनुसार इससे करीब 2 लाख करोड़ रुपए की आर्थिक गतिविधि हुईं। व्यापारिक संगठनों के आकलन 3.25 लाख करोड़ तक का है। महाकुंभ ने पर्यटन, परिवहन, होटल, व्यापार और सेवा क्षेत्र को गति दी। लाखों लोगों की आजीविका को सहारा मिला। हालांकि, कुंभ भारत की कोई नई बनाई गई परंपरा नहीं है। कुंभ को केवल एक सरकारी कार्यक्रम की तरह देखना शायद उचित नहीं होगा। सरकार आयोजन की व्यवस्था करती है, लेकिन कुंभ की असली ताकत करोड़ों श्रद्धालुओं की भागीदारी है।

बड़ा सवाल यह है कि क्या आस्था और शिक्षा एक–दूसरे के विरोधी हैं? यह शायद इस बहस का सबसे महत्वपूर्ण सवाल है। भारत में मंदिर और धार्मिक संस्थाएं केवल पूजा–पाठ तक सीमित नहीं रही हैं। अनेक मंदिर और धार्मिक ट्रस्ट शिक्षा, स्वास्थ्य और सामाजिक सेवा के क्षेत्र में भी काम करते हैं। तिरुमला तिरुपति देवस्थानम इसका बड़ा उदाहरण है। वह स्कूलों, कॉलेजों, संस्कृत एवं प्राच्य शिक्षा संस्थानों, अन्य शैक्षणिक संस्थाओं के संचालन और सहयोग से जुड़ा है। देश के अलग–अलग हिस्सों में मंदिरों, मठों और धार्मिक संस्थाओं द्वारा गुरुकुल, छात्रावास, विद्यालय, संस्कृत पाठशालाएं और आधुनिक शिक्षण संस्थान चलाए जाते हैं।

फिर सवाल यह क्यों न हो कि धार्मिक संस्थाओं को शिक्षा व स्वास्थ्य में और अधिक योगदान के लिए कैसे प्रेरित किया जाए? अगर मंदिर शिक्षा में पैसा लगाता है तो उसका स्वागत होना चाहिए। अगर कोई धार्मिक संस्था अस्पताल बनाती है तो उसका स्वागत होना चाहिए। उसी तरह सरकार यदि किसी बड़े धार्मिक आयोजन के दौरान सड़क, पुल, सीवेज, अस्पताल और सार्वजनिक सुविधाओं का निर्माण करती है तो उसका भी मूल्यांकन उसके परिणामों के आधार पर होना चाहिए।

स्कूलों की हालत खराब है तो जिम्मेदारी किसकी है? यह सवाल सरकार से पूछा जाना चाहिए। अगर किसी जिले में स्कूल जर्जर हैं तो उनके लिए शिक्षा विभाग का बजट क्या कर रहा है? अगर शिक्षक नहीं हैं तो नियुक्तियां क्यों नहीं हो रही हैं? अगर भवन की जरूरत है तो निर्माण के लिए धन क्यों नहीं है? अगर बच्चों को अच्छी शिक्षा नहीं मिल रही तो उसकी जवाबदेही किसकी है? क्या इन समस्याओं का समाधान केवल कुंभ का बजट घटाकर किया जा सकता है? उत्तर होगा– बिल्कुल नहीं। कुंभ का बजट एक विशेष आयोजन और उससे जुड़े बुनियादी ढांचे के लिए है। शिक्षा का बजट अलग है। केंद्र और राज्य सरकारों के पास शिक्षा के लिए अलग–अलग योजनाएं और नियमित बजट हैं। इसलिए यह तर्क कि कुंभ पर खर्च हुआ पैसा सीधे स्कूलों में लगा दिया जाता तो शिक्षा की समस्या हल हो जाती, अपने आप में बहुत सरल निष्कर्ष होगा।

जरा, नासिक कुंभ के लिए निर्धारित 32,000 करोड़ रुपए का उदाहरण लें। यदि इसका 0.1 प्रतिशत निकाला जाए तो राशि 32 करोड़ रुपए होती है। सवाल यह है कि यदि 32 करोड़ से 100 स्कूलों की समस्या हल हो सकती है तो क्या सरकार के पास शिक्षा के लिए 32 करोड़ रुपए उपलब्ध नहीं होने चाहिए? अगर नहीं हैं तो समस्या कुंभ नहीं, बजट प्राथमिकताओं और प्रशासनिक व्यवस्था की है। एक और सवाल यह भी उठता है। क्या भारत में धार्मिक आयोजनों को देखने का हमारा नजरिया समान है? कुंभ हिंदू आस्था का बड़ा आयोजन है। इसलिए उसके खर्च पर सवाल उठना स्वाभाविक रूप से गलत नहीं है। सार्वजनिक धन है तो उसका हिसाब होना चाहिए, लेकिन यही कसौटी हर बड़े धार्मिक, सांस्कृतिक और सामाजिक आयोजन पर लागू होनी चाहिए। सवाल कुंभ के खिलाफ नहीं होना चाहिए। सवाल सार्वजनिक धन के इस्तेमाल की पारदर्शिता पर होना चाहिए। कुंभ पर कितना खर्च हुआ? किस मद में हुआ? उसमें से कितना स्थायी इंफ्रास्ट्रेक्चर बना? उसका उपयोग अगले दस या बीस साल तक स्थानीय लोगों को कैसे मिलेगा? कुंभ से स्थानीय कारोबार को कितना लाभ हुआ? कितने लोगों को रोजगार मिला? इन सवालों के जवाब सार्वजनिक होने चाहिए। यही स्वस्थ लोकतांत्रिक बहस होगी। भारत को शिक्षा भी चाहिए और संस्कृति भी। आधुनिक इंफ्रास्ट्रेक्चर भी चाहिए और अपनी सभ्यतागत पहचान भी। इनमें से किसी एक को चुनना जरूरी नहीं है। एक बच्चा अच्छा स्कूल पाए, यह भी जरूरी है। एक तीर्थस्थल पर आने वाले श्रद्धालु को सुरक्षित सड़क और स्वच्छ पानी मिले, यह भी जरूरी है। किसी गांव के बच्चे को छात्रवृत्ति मिले, यह भी जरूरी है। किसी प्राचीन सांस्कृतिक आयोजन की व्यवस्था आधुनिक बने, यह भी जरूरी है। विकास का अर्थ किसी एक आवश्यकता को दूसरी आवश्यकता के विरुद्ध खड़ा करना नहीं है।

– विनोद पाठक,
वरिष्ठ पत्रकार

पारस्परिक प्रेम, सोहार्द व स्नेह का अटूट बंधन राखी

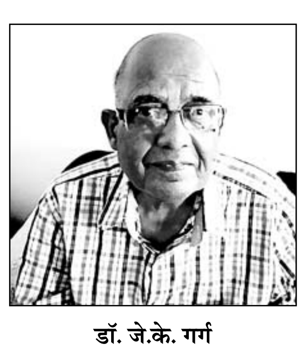

डॉ. जे.के. गर्ग

रक्षाबंधन का अर्थ है–किसी को अपनी रक्षा के लिए बांध लेना। इसीलिए इस पर्व पर राखी बांधते समय बहन कहती है हे भैया ! मैं तुम्हारी शरण में हूँ, मेरी सब प्रकार से रक्षा करना। फलस्वरूप भाई भी अपनी बहन को जीवन पर्यन्त रक्षा करने का वचन देते हैं। भारतीय परम्परा में विश्वास का बन्धन ही प्रमुख है और रक्षाबंधन इसी विश्वास का बन्धन है। इस पर्व पर बहिन के राखी बांधने पर मात्र रक्षा का वचन ही नहीं देता वरन् प्रेम, समर्पण, निष्ठा व संकल्प के जरिए हृदयों को बाँधने का भी वचन देता है। पहले रक्षाबंधन बहन–भाई तक ही सीमित नहीं था, अपितु आपत्ति आने पर अपनी रक्षा के लिए अथवा किसी की आयु और आरोग्य की वृद्धि के लिये किसी को भी रक्षा–सूत्र बांधा या भेजा जाता था। भगवान कृष्ण ने भी गीता में कहा है कि– ''मयि सर्वमिदं प्रोतं सूत्रे मणिगणा इव''– अर्थात 'सूत्र' अविच्छिन्नता का प्रतीक है, क्योंकि रक्षा के बिखरे हुए मोतियों को अपने में पिरोकर एक माला के रूप में एकाकार बनाता है। माला के मणियों की तरह रक्षा–सूत्र भी लोगों को जोड़ता है।

गीता में भी लिखा गया है कि जब संसार में नैतिक मूल्यों में कमी आने लगती है, तब ज्योतिर्लिंग भगवान शिव प्रजापति ब्रह्मा द्वारा धरती पर पवित्र धागे भेजते हैं, जिन्हें बहनें मंगलकामना करते हुए भाइयों की कलाई पर बाँधती हैं और भगवान शिव उन्हें नकारात्मक विचारों से दूर रखते हुए दु:ख और पीड़ा से निजात दिलाते हैं। जन्मों का ये बंधन है, स्नेह और विश्वास का..और भी गहरा हो जाता है ये रिश्ता..जब बंधता है धागा रक्लोग पिछली कडुवाहटों को भूलकर आपसी प्रेम को महत्त्व देने लगते हैं।

रक्षा बंधन को जन चेतना सामाजिक सद्भाव और सामाजिक क्रांति के माध्यम के रूप में मनाये। भौतिकवाद टीवी मोबाइल सोशियल मीडिया के अत्याधिक उपयोग या दुरुपयोग के माहोल के अंदर समूचे देश के अंदर बलात्कार, अपहरण, योनाचार एवं स्त्री सुरक्षा–अस्मिता को बनाये रकने के लिये कठोर कानून भी बनाये गये और उनमें म्रत्यु दंड तक की सजा भी रखी गयी। इन सब कोशिशों के बावजूद बलात्कार, अपहरण जैसी नारकीय घटनाओं में कोई कमी नहीं आई वरन ऐसी घटनायें दिन प्रतिदिन बढ़ती ही रही। सच्चाई यही है कि ऐसी अमानवीय घटनाओं को कानून, पुलिस या सरकार के माध्यम से हल नहीं किया जा सकता है। हमारे देश के लिये कलंक बन चुकी इन विभत्स घटनाओं को रोकने का एकमात्र रास्ता जन जागृति,जन अभियान,जन चेतना और सामाजिक चेतना ही है। समाज के युवाओं को रोजगार देने के साथ साथ उनमें उनमें नैतिकता के संस्कार में वृद्धि करने की जरूरत है।

समाज में व्याप्त नारी की असहजता एवं असुरक्षा को देखते हुए क्या यह तर्क संगत नहीं होगा कि राखी के पावन उत्सव पर बहन जब अपने भाई की कलाई पर राखी बांधे तो वह अपने भाई से यह शपथ और वचन लेकर राखी बांधे कि भैया, जैसे आप मुझे पवित्र और स्नेहपूर्ण दृष्टि से देखते हैं एवं मेरी रक्षा का संकल्प लेते हैं वैसे ही आप इस राखी को मुझ से बंधवाते समय अपने सच्चे मन में यह प्रतिज्ञा करो कि आप केवल मेरी ही नहीं किन्तु भारत की प्रत्येक नारी एवं युवती को बहन की तरह निर्मल, पवित्र और स्नेह पूर्ण दृष्टि से ही देखोगे। अगर आप मुझसे यह वादा करते हो तब ही में आपकी कलाई पर राखी बांधूगी। मुझे यह वचन दें कि आप नारी की अस्मिता के रक्षा करेगें। रक्षा बंधन को जन चेतना सामाजिक सद्भाव और सामाजिक क्रांति का माध्यम के रूप में मनाये जाने पर भारतियों के मन के अंदर धीमें ही सही एक न एक दिन नारीयों के लिये सम्मान की भावना पनपेगी।

रक्षा बंधन को बहन बेटियों के सुरक्षा दिवस के रूप में मनाये जाने पर उनके अंदर की अमानुषिक भावनाये भी धीमें–धीमें खत्म हो जायेगी इससे देश के अंदर सामाजिक जन क्रांति जरुर आयेगी। कुछ समय बाद हम देखेगें कि भारत के पुरुष समाज में बहन–बेटी, महिला में अपनी सगी बहन को छवी को देखेगा तब उसके मन में उपजी कलुषित विचार और सोच नष्ट ओ जायेगी। जब हर बहन अपने भाई से ऐसी ही प्रतिज्ञा करवायेगी तो अवश्य ही वो समय धीमें–धीमें ही सही निसंदेह आयेगा यह सोच कानून से ज्यादा प्रभावी होगी। एक समय अवश्य आयेगा जब आदमी के दिल में दानवी कलुषित अमानुषिक विचारों की जगह राम राज्य स्थापित होगा जिसके फलस्वरूप देश की हर माता–बहनें एवं बेटियां सुरक्षित रहेगीं एवँ देश को बलात्कार अपहरण योनाचार जैसी अमानवीय घटनाओं से छुटकारा मिल जायेया। वो दिन बहुत दूर नहीं होगा जब भविष्य में अपहरण, यौनाचार एवं युवतियों से अमानवीय व्यवहार की हृदय विदारक दुखद घटनायें घटित ही नहीं होगीं। देश के अंदर राखी को सामाजिक क्रांति का माध्यम बनाने के लिये हम सभी का पुनीत कर्तव्य है कि इन भावनाओं को अपने स्तर पर फेसबुक..., ट्विटर, सोशल मीडिया..., प्रिंट एवं इलेक्ट्रॉनिक संचार माध्यम..., लोकल चेनल्स..., स्वयं सेवी संस्थाओं, स्कूलों, कॉलेजों, धार्मिक आयोजनों, सामाजिक आयोजनों पर प्रचारित और प्रसारित करें। धार्मिक नेताओं साधू संतों से भी अनुरोध करें कि वे भी इसका प्रसार करें। इस संदेश का ऑडियो बनाये, वीडियो बनाकर यूट्यूब पर अपलोड करें, पारस्परिक वार्तालाप करें। स्थानीय प्रशासन से सहयोग लें। राज्य सरकारों और केन्सेद्रीय सरकार से भी अनुरोध करें कि वे सभी शिक्षण संस्थाओं में परिपत्र भेज कर इस वर्ष 28 अगस्त 2026 को मनाये जाने वाले रक्षा बंधन पर्व पर बहन–बेटियों के सुरक्षा दिवस के रूप में मनायें।

रक्षाबंधन को मनाएं बुजर्गों के सुरक्षा कवच के रूप में

गुरु शिष्य को रक्षासूत्र बाँधता है तो शिष्य गुरु को। भारत में प्राचीन काल में जब स्नातक अपनी शिक्षा पूर्ण करने के पश्चात गुरुकुल से विदा लेता था तो वह आचार्य का आशीर्वाद प्राप्त करने के लिए उसे रक्षासूत्र बाँधता था जबकि आचार्य अपने विद्यार्थी को इस कामना के साथ रक्षासूत्र बाँधता था कि उसने जो ज्ञान प्राप्त किया है वह अपने भावी जीवन में उसका समुचित ढंग से प्रयोग करे ताकि वह अपने ज्ञान के साथ–साथ आचार्य की गरिमा की रक्षा करने में भी सफल हो। राखी को मनाये बुजुर्गों के सम्मान एवं के सुरक्षा दिवस के रूप में पिछले कई सालों मे हमरे देश, में जब हम समृद्ध परिवार बुजुर्ग माताओं–पिताओं को अपना शेष जीवन जीने के लिये वृद्ध आश्रम जाते हुए देखते हैं तो उस समय हम सभी के दिल में दु:ख और विषाद उत्पन्न होता है एवं हृदय कराह उठता है। इस समस्या का समाधान करने और माता–पिता के बुढ़ापे को सुखद बनाने हेतु हम रक्षा बंधन के पर्व का बेहतरीन तरीके से उपयोग कर सकते हैं। रक्षा बंधन के दिन प्रत्येक पुत्र–पुत्री, परिवार के सभी अनुज परिजन अपने अपने माता–पिता, नाना नानी, दादा दादी, अंकल आंटी और समस्त गुरुजनों आचार्यों और अग्रजो की कलाई पर राखी बांध कर यह शपथ लें कि वें अपने माता पिता और परिवार के सभी बड़े–बूढ़े यथा माता–पिता, दादा–दादी, नाना–नानी आदि की सभी तरह से देखभाल करेगें, उनकी समस्त सुख सुविधाओं का ख्याल रखेंगे एवं उनके प्रति हर प्रकार के दायित्वों का निर्वाह निष्ठा पूर्वक करते हुए उनकी सेवा सुश्रुषा करेगें जिससे उनका शेष जीवन निर्विघ्न एवं सुखद बनें। यही शपथ एवं प्रण परिवार के बुजेगों का सुरक्षा कवच बनेगा। राखी पर उनको भरोसा दें कि उनके बुढ़ापे में वे उनकी पूरी तरह से देखभाल और सेवा करेगें एवँ कभी भी उनको अकेला नहीं छोढ़ेगें। अत: आइये इस रक्षाबन्धन के पर्व पर बुजर्गों को सुरक्षा कवच प्रदान करेगें।

आईये हम सभी एक–दूसरे को रक्षा सूत्र में बांधे एवं राष्ट्र निर्माण तथा राष्ट्र कल्याण हेतु कार्य करने का संकल्प भी करें। यदि आप इन विचारों से सहमति रखते हैं तो अपने आस पास के सभी लोगों तक इस मैसेज को पहुंचायें। रक्षा बंधन को सामाजी जन कान्ति के रूप में मनाने की शपथ ले।

– डॉ. जे. के. गर्ग,
पूर्व संयुक्त निदेशक
कालेज शिक्षा।

चूरू में ईद मिलादुन्नबी पर जुलूस निकाला

चूरू, (निसं)। जिला मुख्यालय पर बुधवार को पैगंबर हजरत मोहम्मद साहब के जन्मदिवस पर ईद मिलादुन्नबी के अवसर पर जुलूस ए मोहम्मदी निकाला गया। शहर के तेलियों की मस्जिद के पास स्थित मदरसा दारूम से शहर इमाम मो. अनवार नदीम उल कादरी के नेतृत्व में निकाले गए जुलूस को विधायक हरलाल सहारण, राजस्थान प्रदेश कांग्रेस कमेटी के उपाध्यक्ष रफीक मंडेलिया, भाजपा जिलाध्यक्ष बसंत शर्मा और मोहम्मद अबरार अहमद कादरी ने रवाना किया। इस दौरान विधायक हरलाल सहारण और रफीक मंडेलिया एक ही गाड़ी में सवार होकर जुलूस में शामिल हुए। जुलूस के दौरान शहर में आपसी भाईचारे और सामाजिक सद्भाव की मिसाल देखने को मिली। नई सड़क स्थित 8 नंबर स्कूल के पास कॉम काजियान कमेटी के सदर संजय भाटी ने शहर इमाम अनवार अहमद कादरी और रफीक मंडेलिया का साफा व माला पहनाकर स्वागत किया। जुलूस का जगह–जगह लोगों ने पुष्प वर्षा कर स्वागत किया। जुलूस का चूरू शहर के 36 कौमों के लोगों ने पुष्प वर्षा कर स्वागत किया। जुलूस में विभिन्न राजनीतिक दलों और सामाजिक संगठनों के प्रतिनिधि भी शामिल हुए। कांग्रेस से विधानसभा प्रभारी भीमराज जाखड़, पूर्व सभापति गोविंद महनसरिया, नारायण बालाण, शहर ब्लॉक अध्यक्ष असलम खोखर, पंचायत समिति प्रतिपक्ष नेता धर्मेंद्र बुडानिया, मोहम्मद हुसैन निर्बाण, जमील चौहान, रमजान खान, शिवकुमार शर्मा, गोकुल शर्मा, विमल शर्मा सहित बड़ी संख्या में शहर के गणमान्य जन मौजूद रहे।

राशिफल गुरूवार 27 अगस्त, 2026

पंडित अनिल शर्मा

सावन मास, शुक्ल पक्ष, चतुरदशी तिथि, गुरूवार, विक्रम संवत 2083, धनिष्ठा नक्षत्र रात्रि 2:16 तक, शोभन योग प्रात: 7:55 तक, वणिज करण प्रात: 9:09 तक, चन्द्रमा आज दिन 1:36 से कुम्भ राशि में संचार करेगा।

ग्रह स्थिति: सूर्य–सिंह, चन्द्रमा–मकर, मंगल–मिथुन, बुध–सिंह, गुरू–कर्क, शुक्र–कन्या, शनि–मीन राहु–कुम्भ, केतु–सिंह

आज भद्रा प्रात: 9:09 से रात्रि 9:28 तक है। आज शुक्ल यजुर्वेदी अर्थववेदी उपाकर्म, चान्द पूर्णिमा व्रत, नारेली पूर्णिमा, ध्यग्रीव जयन्ती है। पंचक दिन 1:36 से आरम्भ होंगे।

श्रेष्ठ चौघड़िया: शुभ सूर्योदय से 7:43 तक, चर 10:53 से 12:29 तक, लाभ–अमृत 12:28 से 3:39 तक, शुभ 5:14 से सूर्यास्त तक।

राहूकाल: 1:30 से 3:00 तक। सूर्योदय 6:08, सूर्यास्त 6:49

मेष

व्यावसायिक कार्यों पर ध्यान देना ठीक रहेगा। व्यावसायिक कार्यों में प्रगति होगी। व्यावसायिक आय में वृद्धि होगी। संभावित स्त्रोत से धन प्राप्त होगा। घर–परिवार में अतिथियों का आगमन रहेगा।

वृष

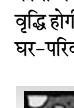

व्यावसायिक कार्यों के संबंध में सकारात्मक आश्वासन प्राप्त होंगे। अटके हुए कार्य बनने लगेंगे। दिन के मध्यान्ह पश्चात व्यावसायिक परेशानियां दूर होने लगेगी।

मिथुन

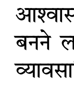

अपनी कार्य योजना को सीमित रखें। चन्द्रमा अष्टम भाव में शुभ नहीं है। शुभ कार्यों में व्यवधान हो सकता है। आज दिन के मध्यान्ह पश्चात अटके हुए कार्य बनने लगेंगे।

कर्क

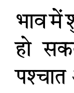

परिवार में आपसी सहयोग–समन्वय बना रहेगा, उत्सव जैसा माहौल रहेगा। धार्मिक–सामाजिक समारोह सम्पन्न हो सकते हैं। दिन के मध्यान्ह पश्चात अष्टम चन्द्रमा शुभ नहीं है।

सिंह

विवादित मामलों से राहत मिल सकती है। अस्त–व्यस्त दिनचर्या में सुधार होगा। घर–परिवार में सुख–सुविधाएं बढ़ेगी। व्यावसायिक/आर्थिक स्थिति ठीक रहेगी।

कन्या

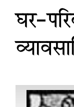

व्यावसायिक कार्यों के संबंध में सकारात्मक आश्वासन प्राप्त होंगे। अटके हुए कार्य बनने लगेंगे। आर्थिक स्थिति ठीक रहेगी। आय में वृद्धि होगी। परिवार में उत्सव जैसा माहौल रहेगा।

तुला

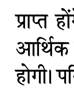

घर–परिवार में अतिथियों का आगमन रहेगा। परिवार में उत्सव जैसा माहौल रहेगा। परिवार में शुभ–मांगलिक कार्य सम्पन्न हो सकते हैं। व्यावसायिक सफलता से मनोबल बढ़ेगा।

वृश्चिक

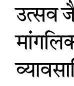

परिवार में मन को प्रसन्न करने वाले संदेश प्राप्त होंगे। परिजनों के सहयोग से वर्तमान समस्या का समाधान हो सकता है। व्यावसायिक कार्यों के लिए दिन अच्छा रहेगा। चलते कार्यों में प्रगति होगी।

धनु

आर्थिक कारणों से अटके हुए कार्य बनने लगेंगे। अटका हुआ धन प्राप्त होगा। व्यावसायिक कार्यों के संबंध में शुभ संदेश प्राप्त होंगे। आज पारिवारिक/व्यक्तिगत कार्यों के कारण भागदौड़ रहेगी।

मकर

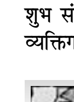

व्यावसायिक कार्यों के संबंध में सकारात्मक आश्वासन प्राप्त होंगे। अटके हुए कार्य बनने लगेंगे। आर्थिक स्थिति में सुधार होगा।

कुंभ

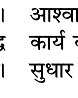

घर–गृहस्थी के खर्चों में अनावश्यक वृद्धि हो सकती है। पारिवारिक कार्यों के कारण भागदौड़ रहेगी। खान–पान के कारण स्वास्थ्य खराब हो सकता है।

मीन

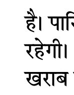

आर्थिक स्थिति में सुधार होगा। आय में वृद्धि होगी। व्यावसायिक कार्य योजना का क्रियान्वयन हो सकता है। चलते कार्यों में प्रगति होगी। परिवार में मांगलिक कार्य सम्पन्न हो सकते हैं।

शादी का झांसा देकर दुष्कर्म करने वाले युवक को सजा

जयपुर। महिला उत्पीडन मामलों की विशेष अदालत महानगर द्वितीय ने युवती को शादी का झांसा देकर उसके साथ कई बार दुष्कर्म करने वाले अभियुक्त राहुल को दस साल की सजा सुनाई है। इसके साथ ही अदालत ने 21 साल के इस अभियुक्त पर बीस हजार रुपए का जुर्माना भी लगाया है। पीठासीन अधिकारी रीतु चौधरी ने अपने आदेश में कहा कि प्रकरण में अभियुक्त की ओर से कई बार पीडिता से दुष्कर्म करने का अपराध साबित हुआ है। ऐसे में उसके साथ नरमी का रुख नहीं अपनाया जा सकता। अभियोजन पक्ष की ओर से विशेष लोक अभियोजक मनोज जांगिड ने अदालत को बताया कि पीडिता ने 4 फरवरी, 2020 को सदर थाने में रिपोर्ट दर्ज कराई थी। जिसमें कहा गया कि वह अपने मामा के आती-जाती थी। इस दौरान अभियुक्त ने उससे बातचीत आरंभ कर दी। अभियुक्त उसे बहला फुसलाकर होटल ले गया और उसके साथ संबंध बनाए। इस दौरान अभियुक्त ने उसके अश्लील वीडियो भी बना लिए। जब पीडिता ने इसका विरोध किया तो अभियुक्त ने उसके साथ शादी करने का आश्वासन दिया। वहीं 9 जुलाई, 2019 को अभियुक्त उसे अंबाला और चंडीगढ़ ले गया। जहां उसने कई बार उससे संबंध बनाए। इस दौरान उसे पता चला कि अभियुक्त पहले से ही विवाहित है। इसके बाद भी अभियुक्त ने पहली पत्नी को जल्दी तलाक देने का भरोसा देकर उसके साथ कई बार संबंध बनाए। आखिर में तंग आकर उसने रिपोर्ट दर्ज कराई है। रिपोर्ट पर कार्रवाई करते हुए पुलिस ने अभियुक्त को गिरफतार कर अदालत में आरोप पत्र पेश किया।

बंधक बनाकर 5 लाख नकद और लाखों रु. के जेवर लूटने वाली नेपाली गैंग का पर्दाफाश

जवाहर सर्किल पुलिस ने 3 आरोपियों को उत्तरप्रदेश-नेपाल की सीमा के पास से दबोचा

-कार्यालय संवाददाता-

जयपुर। जवाहर सर्किल थाना पुलिस ने श्री विहार कॉलोनी दुर्गापुरा में व्यापारी के बेटे को बंधक बनाकर 5 लाख रुपए नकद और लाखों रुपए के जेवरात लूटने की वारदात का खुलासा किया है। पुलिस ने वारदात में शामिल कुख्यात नेपाली गैंग के सदस्यों की मदद करने, रेकी करने और उन्हें शरण देने वाले तीन आरोपियों को उत्तर प्रदेश-नेपाल सीमा पर बहराइच से गिरफ्तार किया है। पुलिस ने आरोपियों के कब्जे से वारदात में इस्तेमाल कार भी जब्त की है। पुलिस टीम ने आरोपियों तक पहुंचने के लिए दिल्ली, उत्तर प्रदेश, मुरादाबाद, बहराइच, गौरीफंटा और बेंगलुरु तक करीब 10 हजार किलोमीटर का सफर तय किया। इस दौरान करीब 300 सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगाली गई।

पुलिस उपायुक्त जयपुर पूर्व रंजीता शर्मा ने बताया कि 29 जुलाई 2026 को श्री विहार कॉलोनी निवासी आशीष गुप्ता पुत्र रामकिशोर गुप्ता ने जवाहर सर्किल थाने में मामला दर्ज कराया था। घटना के समय आशीष गुप्ता अपनी पत्नी के साथ उत्तराखंड घूमने गए हुए थे। इसी दौरान 29 जुलाई की सुबह करीब 4 बजे तीन बदमाश घर में घुसे और उनके बेटे राघव गुप्ता को बंधक बना लिया।

बदमाश घर से 5 लाख रुपए नकद, कार्टियर कंपनी की दो महंगी घड़ियां, सोने-हीरे की 12 अंगूठियां, 8 ब्रेसलेट, 6 पेंडेंट, सोने की दो गिन्नियां और 10 से 15 चांदी के सिक्के लूटकर फरार हो गए। वारदात के समय बदमाशों ने पैंट-शर्ट, पायजामा और खेल के जूते पहन रखे थे। मामला दर्ज होने के बाद पुलिस ने आरोपियों की

जवाहर सर्किल पुलिस ने जयपुर के दुर्गापुरा में व्यापारी के बेटे को बंधक बनाकर 5 लाख रुपए नकद और लाखों रुपए के जेवरात लूटने वाली नेपाली गैंग को गिरफ्तार किया।

तलाश शुरू की। वहीं इस वारदात की गंभीरता को देखते हुए जवाहर सर्किल थानाधिकारी महेश चंद्र गुर्जर के नेतृत्व में चार विशेष टीमों का गठन किया गया। पहली टीम में उप निरीक्षक गोपाल लाल, कांस्टेबल लोकेंद्र सिंह और कांस्टेबल अनिल कुमार शामिल रहे। दूसरी टीम में उप निरीक्षक श्याम प्रकाश, कांस्टेबल पप्पू लाल चेची और कांस्टेबल आशीष कटारा रहे। तीसरी टीम में हेड कांस्टेबल हरदयाल, कांस्टेबल शैलेंद्र और कांस्टेबल निरंजन ने विशेष भूमिका निभाई। चौथी टीम में पुलिस उपायुक्त कार्यालय के हेड कांस्टेबल संजय राहड और हेड कांस्टेबल गौरव शामिल रहे। पुलिस ने मामले में तीन आरोपियों को गिरफ्तार किया है। इनमें सतवीर सिंह (28) पुत्र निर्मल सिंह, निवासी ग्राम टेंडवा, बसंतापुर, थाना देहात कोतवाली, बहराइच; मनबहादुर (20) पुत्र शोभाराम, निवासी निबिया, तहसील नानपारा, थाना रुपईडीहा, बहराइच तथा प्रदीप कुमार यादव (24) पुत्र बिहारी लाल, निवासी ग्राम तिगड़ा, थाना रुपईडीहा, बहराइच शामिल हैं। पुलिस की जांच में सामने आया कि गैंग वारदात से करीब 15 से 20 दिन पहले लक्षित

- पुलिस ने आरोपियों के कब्जे से वारदात में इस्तेमाल कार भी जब्त की है
- इस वारदात के खुलासे और बदमाशों की धरपकड़ के लिए पुलिस ने 10 हजार कि.मी. का सफर करके 300 सीसीटीवी कैमरे खंगाले

मकान या उसके आसपास के इलाके में घरेलू काम की तलाश के बहाने पहुंचता है। इसके बाद मकान और परिवार की गतिविधियों की पूरी जानकारी जुटाई जाती है।

गैंग के सदस्य उत्तर प्रदेश-नेपाल सीमा क्षेत्र में स्थानीय लोगों से संपर्क कर उन्हें लालच देकर अपने साथ जोड़ते हैं। आसपास के घरों में काम तलाश कर वहां के घरेलू नौकरों और चौकीदारों से दोस्ती की जाती है और उनके जरिए मकान, परिवार तथा सुरक्षा व्यवस्था से जुड़ी गोपनीय जानकारी जुटाई जाती है। मकान सूना मिलने पर गैंग के अन्य सदस्यों को बुलाकर वारदात को अंजाम दिया जाता है। आरोपी ठहरने के लिए फर्जी पहचान पत्रों का इस्तेमाल करते हैं और वारदात के तुरंत बाद अलग-अलग रास्तों तथा परिवहन साधनों से फरार हो जाते हैं। पुलिस गिरफ्तार आरोपियों से गहन पूछताछ कर रही है। पुलिस का कहना है कि पूछताछ के आधार पर गैंग के अन्य मुख्य सदस्यों की गिरफ्तारी तथा लूटे गए नकद, जेवरात और अन्य सामान की बरामदगी के प्रयास जारी हैं।

देश के 7 हाई-डेंसिटी रेल रूट्स को 4 लेन करने में जुटी केन्द्र सरकार

नई दिल्ली । रेल, सूचना एवं प्रसारण तथा इलेक्ट्रॉनिकी एवं सूचना प्रौद्योगिकी मंत्री अश्विनी वैष्णव ने बताया कि देश के 7 हाई-डेंसिटी रेल रूट्स को फोर-लेन करने की दिशा में महत्वपूर्ण कार्य किया जा रहा है। करीब 11 हजार किलोमीटर में फैले ये 7 हाई-डेंसिटी रेल रूट्स देश के कुल रेल यातायात का लगभग 41 प्रतिशत संभालते हैं, जबकि पूरे रेल नेटवर्क में इनकी हिस्सेदारी करीब 16 प्रतिशत है।

इन प्रमुख हाई-डेंसिटी रेल रूट्स में दिल्ली-हावड़ा, हावड़ा-चेन्नई, चेन्नई-मुंबई, मुंबई-दिल्ली, दिल्ली-चेन्नई, मुंबई-हावड़ा और दिल्ली-गुवाहाटी शामिल हैं।

अश्विनी वैष्णव ने बताया कि इन महत्वपूर्ण रेल मार्गों को फोर-लेन करने से व्यस्त रूट्स पर अतिरिक्त क्षमता विकसित होगी। इससे बढ़ते यात्री एवं माल परिवहन को बेहतर तरीके से संभालने में मदद मिलेगी और रेल नेटवर्क अधिक सक्षम एवं सुगम बनेगा। उन्होंने कहा कि इस

रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव।

विस्तार से परिवहन क्षमता बढ़ने के साथ परिवहन लागत कम करने में भी मदद मिलेगी। साथ ही अधिक कुशल, तेज और पर्यावरण अनुकूल रेल परिवहन को बढ़ावा मिलेगा। हाई-डेंसिटी रूट्स की क्षमता बढ़ने से देश के प्रमुख औद्योगिक एवं वाणिज्यिक क्षेत्रों के बीच रेल संपर्क भी और मजबूत होगा।

रामलाल शर्मा ने किया डोटासरा पर पलटवार

जयपुर। भाजपा के मुख्य प्रवक्ता रामलाल शर्मा ने कांग्रेस प्रदेशाध्यक्ष गोविंद सिंह डोटासरा के स्थानीय निकाय चुनावों को लेकर दिए बयान पर पलटवार किया। उन्होंने आरोप लगाया कि कांग्रेस ने अपने शासनकाल में सरकार बचाने और चलाने के लिए प्रशासनिक तंत्र का दुरुपयोग किया तथा अब उसी अनुभव के आधार पर भाजपा पर मनगढ़ंत और बेबुनियाद आरोप लगाए जा रहे हैं। रामलाल शर्मा ने कहा कि मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के नेतृत्व वाली भाजपा सरकार लोकतांत्रिक व्यवस्था, पारदर्शिता और कानून के अनुसार काम कर रही है। सरकार जनसेवा को प्राथमिकता देते हुए कांग्रेस शासन की तुलना में अधिक पट्टे जारी कर चुकी है तथा जनकल्याणकारी शिविरों के माध्यम से आमजन को राहत पहुंचाई गई है। उन्होंने कहा कि प्रदेश की जनता सरकार के कार्यों से संतुष्ट है और आगामी स्थानीय निकाय एवं पंचायत चुनावों में भाजपा के पक्ष में मतदान कर कमल खिलाने का काम करेगी।

6000 रुपए की रिश्वत लेते पटवारी गिरफ्तार

जयपुर। भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो (एसीबी) ने बुधवार को प्रतापगढ़ जिले में कार्रवाई करते हुए पटवारी मदन लाल को 6 हजार रुपए की रिश्वत लेते गिरफ्तार किया। आरोपी पटवार हल्का केलामला में पदस्थापित है और ग्राम पंचायत रोहणिया, तहसील पीपलखूंट का अतिरिक्त चार्ज भी संभाल रहा था।

एसीबी महानिदेशक पुलिस गोविन्द गुप्ता के अनुसार प्रतापगढ़ एसीबी चौकी पर परिवादी ने शिकायत दी थी कि पटवारी मदन लाल उसके गांव के लोगों, परिवादी और उसके परिवार के सदस्यों से पट्टे ऑनलाइन करने और मौका देखने की एवज में प्रति पट्टा 2 हजार रुपए की रिश्वत मांग रहा है। परिवादी के परिवार के तीन पट्टे होने के कारण आरोपी ने कुल 6 हजार रुपए की मांग की थी। शिकायत के बाद

आरोपी पटवारी मदन लाल।

एसीबी ने रिश्वत की मांग का सत्यापन कराया। इसमें आरोपी पटवारी द्वारा तीनों पट्टों को ऑनलाइन करने और मौका देखने के लिए प्रति पट्टा 2 हजार रुपए के हिसाब से कुल 6 हजार रुपए की रिश्वत मांगना प्रमाणित हुआ।

- पट्टे ऑनलाइन करने के नाम पर मांगी थी घूस

इसके बाद एसीबी ने ट्रैप कार्रवाई की योजना बनाई। एसीबी अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक प्रतापगढ़ विक्रम सिंह के नेतृत्व में टीम ने बुधवार को कार्रवाई करते हुए टीम ने आरोपी मदन लाल को परिवादी से 6 हजार रुपए की रिश्वत लेते रंगे हाथ गिरफ्तार कर लिया। ट्रैप कार्रवाई के बाद एसीबी टीम ने आरोपी की तलाशी ली। उसके पास से 25,068 रुपए मिले। एसीबी के अनुसार आरोपी इस राशि के संबंध में संतोषजनक जवाब नहीं दे सका। रकम के स्त्रोत और अन्य पहलुओं की भी जांच की जा रही है।

निकाय चुनाव में लोगों का भाजपा के प्रति उत्साह : बगड़ी

जयपुर। भारतीय जनता पार्टी की संभागवार बैठ्कें 27, 28 और 29 अगस्त को जयपुर में आयोजित होंगी। प्रदेश महामंत्री श्रवण सिंह बगड़ी ने बताया कि आगामी निकाय चुनावों की तैयारियों और रणनीति पर चर्चा के लिए सात संभागों की बैठ्कें होंगी। उन्होंने बताया कि 27 अगस्त को अजमेर, उदयपुर और बीकानेर संभाग, 28 अगस्त को भरतपुर और कोटा तथा 29 अगस्त को जोधपुर और जयपुर संभाग की बैठ्कें होंगी। इनमें संभाग प्रभारी, सह प्रभारी, निगम चुनाव प्रभारी, निकाय चुनाव संचालन समिति, जिला अध्यक्ष, संगठ्न प्रभारी, सांसद, 2024 के लोकसभा प्रत्याशी, विधायक और 2023 के विधानसभा प्रत्याशी शामिल होंगे।

रक्षाबंधन पर सजे जयपुर के बाजार, 500 से अधिक तरह की राखियों की धूम

4 साल बाद भद्रा का व्यवधान नहीं, 28 अगस्त को मनेगा रक्षाबंधन

-कार्यालय संवाददाता-

जयपुर। भाई-बहन के प्रेम, स्नेह और विश्वास का पर्व रक्षाबंधन इस बार 28 अगस्त शुक्रवार को मनाया जाएगा। सावन पूर्णिमा की तिथि दो दिन होने के कारण पर्व की तारीख को लेकर असमंजस रहा, लेकिन पंचांग गणना के अनुसार 28 अगस्त को रक्षाबंधन मनाया जाएगा। खास बात यह है कि इस बार राखी बांधने के समय भद्रा का व्यवधान नहीं रहेगा।

रक्षाबंधन को लेकर जयपुर के जौहरी बाजार, बापू बाजार, त्रिपोलिया बाजार, नाहरगढ़ रोड, कटला, राजा पार्क, वैशाली नगर, मानसरोवर और टोंक रोड सहित प्रमुख बाजारों में रौनक बढ़ गई है। दुकानों पर 500 से अधिक तरह की राखियां बिक्री के लिए उपलब्ध हैं। जयपुर के अलावा कोलकाता, मुंबई और गुजरात से भी डिजाइनर एवं रंग-बिरंगी राखियां मंगाई गई हैं।

दुकानदार नरेश अग्रवाल ने बताया कि बच्चों के लिए मोटू-पतलू, सुपरहीरो, कार्टून पात्र, जानवरों, गाड़ियों, लॉलीपॉप और कैंडी डिजाइन की राखियां पसंद की जा रही हैं। कई राखियों में खिलौने, रोशनी और चॉकलेट भी शामिल हैं। युवाओं में कंगननुमा और आधुनिक डिजाइन की राखियों के साथ नाम, फोटो और संदेश वाली व्यक्तिगत

रक्षाबंधन के त्यौहार के लिए बाजारों में राखियां खरीदती महिलाएं।

राखियों की मांग है। क्यूआर कोड और एनएफसी तकनीक वाली डिजिटल राखियां भी आकर्षण का केंद्र बनी हुई हैं।

सुहागिन महिलाओं एवं भाभियों के लिए चूड़ा राखियों और लुंबा के नए डिजाइन भी बाजार में आए हैं। कुंदन, मोती, पत्थर जडाई, शीशा जडाई, लटकन और जरी वाली राखियां पसंद की जा रही हैं। चांदी, क्रिस्टल और अन्य महंगी सामग्री से बनी राखियों के अलावा हनुमान चालीसा, नजर रक्षा और धार्मिक प्रतीकों वाली राखियों की भी मांग है।

राखियों के साथ मिठाई, कपडे, उपहार और सूखे मेवों की दुकानों पर भी खरीदारी बढ़ गई है। दूर रहने वाले भाई-बहनों के लिए ऑनलाइन राखी एवं उपहार भेजने का चलन भी बढ़ रहा है।

महिलाओं को रोडवेज में निःशुल्क यात्रा : रक्षाबंधन पर

- बाजार में कार्टून कैरेक्टर्स से लेकर डिजिटल राखियों तक आकर्षण

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने महिलाओं और बालिकाओं को राजस्थान रोडवेज की साधारण एवं एक्सप्रेस बसों में राजस्थान की सीमा के भीतर दो दिन निःशुल्क यात्रा की सुविधा दी है। यह सुविधा 27 अगस्त की मध्यरात्रि से 30 अगस्त की मध्यरात्रि तक लागू रहेगी। वातानुकूलित, वॉल्वो एवं अखिल भारतीय अनुज्ञा पत्र वाली बसों में यह सुविधा लागू नहीं होगी। राजस्थान से बाहर की यात्रा के लिए निर्धारित किराया देना होगा।

चार साल बाद भद्रा से राहत : पिछले वर्षों में भद्रा के कारण रक्षाबंधन पर राखी बांधने के समय को लेकर असमंजस रहा। 2022, 2023, 2024 और 2025 में अलग-अलग समय पर भद्रा का प्रभाव रहा। इस बार चार साल बाद रक्षाबंधन भद्रा के व्यवधान से मुक्त रहेगा। ऐसे में बाजारों की रौनक के बीच 28 अगस्त को बहनें शुभ समय में भाई की कलाई पर रक्षा सूत्र बांधकर प्रेम और स्नेह का पर्व मनाएंगी।

पिता की मौत के समय था ढाई साल का, अब मिलेगी अनुकंपा नियुक्ति

जयपुर । राजस्थान हाईकोर्ट के सेन्ट्रल इलेक्ट्रोनिक्स इंजीनियरिंग रिसर्च इंस्टीट्यूट, पिलानी को आदेश दिए हैं कि कर्मचारी की 21 साल पहले मौत होने पर अब उसके बेटे को उचित पद पर तत्काल अनुकंपा नियुक्ति दे। एक्टिंग सीजे एसपी शर्मा और जस्टिस चन्द्रशेखर शर्मा की खंडपीठ ने यह आदेश उमेश सिंह की अपील पर दिए।

अदालत ने कहा कि तकनीकी कारणों को अनुकंपा नियुक्ति से इनकार करने का आधार नहीं बनाया जा सकता। ऐसा करने से इस तरह की योजना का मूल उद्देश्य ही खत्म हो जाएगा, विशेष रूप से जब परिवार की अत्यधिक गरीबी साफ दिखाई दे रही हो। यह स्पष्ट है कि अपीलार्थी ने नौकरी के लिए योग्य होते ही तुरंत अनुकंपा नियुक्ति के लिए आवेदन कर दिया था। परिवार में अन्य योग्य सदस्यों की मौजूदगी को अयोग्यता का आधार नहीं माना जा सकता। यह भी पूरी तरह स्पष्ट है कि अपीलार्थी के परिवार का आर्थिक संकट अभी तक समाप्त नहीं हुआ है। अपील में अधिवक्ता अधिवक्ता रोहित चौधरी ने अदालत को बताया कि याचिकाकर्ता के पिता संस्थान में तकनीशियन के पद पर थे। नौकरी में रहने के दौरान 3 मार्च, 2005 को उनकी मौत हो गई। उस समय अपीलार्थी ढाई साल का बच्चा था। ऐसे में पूरे परिवार की जिम्मेदारी उसे दादा-दादी पर आ गई। वहीं बाद में दादा का भी निधन हो गया। अपीलार्थी के बालिग होने पर उसने तुरंत 27 जुलाई, 2020 को अनुकंपा नियुक्ति के लिए आवेदन किया, लेकिन संस्थान ने उसका आवेदन देरी के आधार पर खारिज कर दिया। अपील में कहा गया कि संस्थान के अधिकारियों ने मौखिक रूप से आश्वासन दिया था कि बालिग होने पर उसे नौकरी देने पर विचार किया जाएगा। परिवार में पांच बहनों में से दो का विवाह हो चुका है और एक बहन दिव्यांग हैं। बहनों ने अपीलार्थी के लिए स्वयं नौकरी लेने से मना कर दिया था। ऐसे में उसे अनुकंपा नियुक्ति दिलाई जाए। जिसका विरोध करते हुए संस्थान के वकील ने कहा कि पन्द्रह साल बीतने के बाद अनुकंपा नौकरी पर विचार नहीं किया जा सकता। परिवार की आर्थिक स्थिति ठीक है और उन्हें पेंशन व ग्रेच्युटी भी मिली है। कर्मचारी की मौत के समय तीन बहने नौकरी के लिए योग्य थी, लेकिन उन्होंने आवेदन नहीं किया दोनों पक्षों को सुनने के बाद अदालत ने अपीलार्थी को अनुकंपा नियुक्ति देने के आदेश दिए हैं।

निकाय चुनाव से अवैध नकदी-शराब और हथियारों की पुलिस की नजर

संवेदनशील और क्रिटिकल मतदान केंद्रों पर तैनात होगा अतिरिक्त जाब्ता

-कार्यालय संवाददाता-

जयपुर। राजस्थान में नगरीय निकाय चुनाव को लेकर पुलिस ने भी कमर कस ली है। चुनाव में धनबल और बाहुबल के इस्तेमाल को रोकने के लिए पुलिस की संदिग्ध गतिविधियों पर विशेष नजर है। संदिग्ध नकदी के परिवहन के साथ शराब, मादक पदार्थ और अवैध हथियारों की तस्करी रोकने के लिए विशेष नाकाबंदी और धरपकड अभियान चलाया जा रहा है। संवेदनशील और क्रिटिकल मतदान केंद्रों पर अतिरिक्त पुलिस जाब्ता तैनात किया जाएगा।

पुलिस ने पिछली बार निकाय चुनाव के दौरान जिन मतदान केंद्रों पर विवाद या चुनावी घटनाक्रम हुआ था। उन्हें विशेष निगरानी के दायरे में लिया है। ऐसे मतदान केंद्रों की जानकारी सभी जिलों के पुलिस अधीक्षकों से मांगी गई है। पिछली बार चुनाव के दौरान दर्ज आपराधिक मुकदमों की वर्तमान स्थिति की भी समीक्षा की जा रही है।

जयपुर रेंज आईजी राहुल प्रकाश ने बताया कि निकाय चुनाव को लेकर राज्य निर्वाचन आयोग और पुलिस मुख्यालय से विस्तृत निर्देश मिले हैं। रेंज के सभी

- पुराने चुनावी विवादों के मुकदमों की भी होगी समीक्षा

जिलों में क्षेत्र वर्चस्व अभियान चलाया जा रहा है। आर्म्स एक्ट, आबकारी अधिनियम और एनडीपीएस अधिनियम के तहत कार्रवाई तेज कर दी गई है। वारंटियों की धरपकड भी की जा रही है।

उन्होंने बताया कि क्रिटिकल मतदान केंद्रों को चिह्नित करने की प्रक्रिया शुरू हो गई है। पिछले चुनाव में जिन मतदान केंद्रों पर विवाद हुआ था या चुनाव से संबंधित मुकदमे दर्ज हुए थे, उनकी जानकारी जुटाई जा रही है। इन मामलों में वर्तमान में क्या स्थिति है, इसकी भी जांच की जा रही है।

चुनाव के दौरान उपद्रव की आशंका वाले असामाजिक तत्वों को पाबंद किया जा रहा है और सूची में नए नाम भी जोड़े जा रहे हैं। रेंज के जयपुर ग्रामीण, अलवर, दौसा, भिवाड़ी, कोटपूतली-बहरोड़, सीकर, खैरथल-तिजारा और झुंझुनूं के पुलिस अधीक्षकों को जयपुर बुलाया गया है। बैठक में निकाय चुनाव की तैयारियों और कानून-व्यवस्था की स्थिति की समीक्षा की जाएगी।

आईजी ने बताया कि जिन स्थानों पर निकाय चुनाव के साथ धार्मिक आयोजन या मेले भी प्रस्तावित हैं, वहां अतिरिक्त पुलिस जाब्ता तैनात करने को लेकर भी मंथन किया जा रहा है। उद्देश्य यह है कि चुनाव और अन्य आयोजनों के दौरान कानून-व्यवस्था की स्थिति बनी रहे। इधर जयपुर दक्षिण के डीसीपी राजर्षि राज ने बताया कि शहर में नियमित नाकाबंदी की जा रही है और असामाजिक तत्वों के खिलाफ कार्रवाई जारी है। उपद्रव फैलाने वाले लोगों को पाबंद कराया जा रहा है। लाइसेंसी हथियारों को थानों में जमा कराने की प्रक्रिया शुरू कर दी गई है। अवैध हथियार रखने और उनकी खरीद-फरोख्त करने वालों के खिलाफ भी कार्रवाई की जा रही है। गैर-जमानती वारंटों का प्राथमिकता से निस्तारण किया जा रहा है। संवेदनशील और क्रिटिकल क्षेत्रों को चिह्नित कर विशेष निगरानी रखी जा रही है। नगरीय निकाय चुनाव से पहले राजस्थान पुलिस ने अपराधियों और संदिग्ध गतिविधियों के खिलाफ प्रदेशभर में एक साथ अभियान शुरू किया है। डीजीपी राजीव कुमार शर्मा के निर्देशन में विशेष नाकाबंदी कर संदिग्ध वाहनों और लोगों की जांच की जा रही है। डीजीपी ने कहा कि चुनाव प्रक्रिया शांतिपूर्ण और निष्पक्ष वातावरण में संपन्न हो तथा आमजन में सुरक्षा का विश्वास और मजबूत हो, इसी उद्देश्य से लगातार कार्रवाई की जा रही है। अपराध और कानून-व्यवस्था के मामले में राजस्थान पुलिस की शून्य सहनशीलता की नीति आगे भी जारी रहेगी। एडीजी कानून एवं व्यवस्था वीके सिंह ने बताया कि नाकाबंदी के दौरान वाहनों के चालक के ड्राइविंग लाइसेंस, वाहन दस्तावेज और नंबर प्लेट की जांच की जा रही है। संदिग्ध लोगों की पहचान की तस्दीक भी कराई जा रही है।

पुलिस का फोकस केवल यातायात नियमों का उल्लंघन करने वालों तक सीमित नहीं है, बल्कि चोरी के वाहन, अवैध हथियार, मादक पदार्थ और अन्य आपराधिक गतिविधियों में शामिल लोगों पर विशेष नजर रखी जा रही है। चुनाव को प्रभावित करने के लिए अवैध रूप से नकदी और शराब ले जाने वालों की भी जांच की जा रही है। पुलिस का उद्देश्य चुनाव के दौरान किसी भी तरह के धनबल, बाहुबल या अवैध गतिविधि को प्रभावी ढंग से रोकना है।

अरावली कमेटी की रिपोर्ट की समय सीमा बढ़े : जूली

जयपुर। नेता प्रतिपक्ष टीकाराम जूली ने अरावली पर्वतमाला के संरक्षण और सर्वेक्षण के लिए सुप्रीम कोर्ट द्वारा गठित हाई पावर्ड कमेटी को पत्र भेजकर उसके राजस्थान दौरे की कार्यप्रणाली पर सवाल उठाए हैं। उन्होंने मांग की कि कमेटी की रिपोर्ट जमा करने की 31 अगस्त की समय सीमा बढ़ाई जाए और राजस्थान समेत दिल्ली, हरियाणा, उत्तर प्रदेश व गुजरात के सभी 64 अरावली जिलों तथा मथुरा के प्रभावित क्षेत्रों के स्थानीय निवासियों से सार्थक संवाद के बाद ही कोई अंतिम फैसला लिया जाए।

जूली ने कहा कि राजस्थान के करीब 88 प्रतिशत हिस्से में अरावली का विस्तार होने के बावजूद कमेटी ने कई महत्वपूर्ण जिलों का दौरा नहीं किया। उन्होंने चित्तौड़गढ़, सवाई माधोपुर, भरतपुर, डीग, बूंदी, बारां, झालावाड़, कोटा, करौली और धौलपुर जैसे क्षेत्रों को रिपोर्ट में पर्याप्त रूप से शामिल नहीं किए जाने पर सवाल उठाया। उन्होंने कमेटी से प्रत्येक अरावली जिले में जाकर वास्तविक और धरातलीय परिस्थितियों का आकलन करने की मांग की। नेता प्रतिपक्ष ने आरोप लगाया कि जनसुनवाई की जानकारी व्यापक स्तर पर सार्वजनिक नहीं की गई और प्रतिनिधियों को अपनी बात रखने के लिए केवल दो मिनट का समय दिया गया। उन्होंने कहा कि खनन और स्टोन क्रशिंग से प्रभावित ग्रामीणों एवं आदिवासियों की समस्याओं को समझे बिना अरावली संरक्षण की रिपोर्ट अधूरी रहेगी।

गोविंददेवजी मंदिर में भगदड़ की मॉक ड्रिल

जयपुर। जयपुर के आराध्य देव गोविंद देवजी मंदिर परिसर में अचानक भगदड की सूचना से अफरा-तफरी मच गई। पुलिस, एंबुलेंस, फायर ब्रिगेड और राहत-बचाव दल मौके पर पहुंच गए। करीब 45 मिनट तक विभिन्न विभागों की टीमें मंदिर परिसर में मोर्चा संभाले रहीं। बाद में श्रद्धालुओं को पता चला कि यह पूरी कार्रवाई मॉकड्रिल थी। हालांकि, मॉकड्रिल के दौरान मंदिर की आपातकालीन व्यवस्थाओं में कई खामियां सामने आईं।

मॉकड्रिल की शुरुआत राजभोग की झांकी के दौरान टेंट गिरने और श्रद्धालुओं के घायल होने की स्थिति बनाकर की गई। सूचना मिलते ही संबंधित विभागों को अलर्ट किया गया और उनके रिस्पॉन्स टाइम की जांच की गई। पुलिस, चिकित्सा, नागरिक सुरक्षा और फायर ब्रिगेड की टीमें मौके पर पहुंचीं और राहत-बचाव कार्य शुरू किया।

मॉकड्रिल के दौरान फायर फाइटिंग सिस्टम की तैयारियों की भी जांच की गई। हाइड्रेंट के वॉल्व खोलने पर पानी का पर्याप्त प्रेशर नहीं बन पाया। जांच में पंप हाउस भी बंद मिला। ऐसे में यदि वास्तव में आग लगने जैसी आपात स्थिति होती तो शुरुआती स्तर पर अग्निशमन व्यवस्था को लेकर परेशानी खड़ी हो सकती थी।

आपात स्थिति में श्रद्धालुओं को

गोविंददेवजी मंदिर में राजभोग की झांकी के दौरान टैंट गिरने और श्रद्धालुओं के घायल होने की स्थिति में राहत की मॉकड्रिल की गई।

अलर्ट करने के लिए लगाए गए सायरन और अनाउंसमेंट सिस्टम की भी स्थिति संतोषजनक नहीं मिली। चार हूटर में से केवल तीन ही चालू पाए गए, जबकि अनाउंसमेंट सिस्टम भी काम नहीं कर रहा था। ऐसे में भगदड या अन्य आपात स्थिति में बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं तक तत्काल सूचना पहुंचाना चुनौतीपूर्ण हो सकता है।

मॉकड्रिल के दौरान पुलिस, चिकित्सा, नागरिक सुरक्षा और फायर ब्रिगेड के बीच समन्वय की भी जांच की गई। इस दौरान विभिन्न विभागों के बीच आपसी तालमेल में कमी सामने आई। मॉकड्रिल का उद्देश्य ऐसे ही बिंदुओं को चिन्हित कर वास्तविक आपदा की स्थिति में व्यवस्था को बेहतर बनाना था।

थाना अधिकारी राकेश ख्यालिया ने बताया कि कलेक्टर के निर्देश पर मॉकड्रिल आयोजित की गई। इसका उद्देश्य मंदिर में भगदड जैसी आपात स्थिति उत्पन्न होने पर पुलिस, बचाव दल और अन्य संबंधित विभागों की तैयारियों को परखना था। सभी टीमों के मौके पर पहुंचने और राहत कार्य शुरू करने के समय को भी नोट किया गया।

एडीएम साउथ युगांतर शर्मा ने बताया कि मॉकड्रिल में सामने आई कमियों को देखते हुए मंदिर प्रबंधन को आवश्यक व्यवस्थाएं दुरुस्त करने के निर्देश दिए गए हैं। मंदिर प्रबंधन की ओर से प्रस्तुत नक्शे और मॉकड्रिल के निष्कर्षों पर पुलिस के साथ चर्चा की जाएगी। इसके बाद मंदिर के लिए आपदा प्रबंधन और आपातकालीन निकासी का अंतिम प्लान तैयार किया जाएगा।

श्रीनगर सेंट्रल जेल से फरार दो अभियुक्त राजगढ़ से गिरफ्तार

दोनों युवक पॉक्सो एक्ट प्रकरण में सेंट्रल जेल श्रीनगर जम्मू-कश्मीर में बंद थे

सादुलपुर, (निसं)। श्रीनगर जम्मू-कश्मीर सेंट्रल जेल तोड़कर फरार दो अभियुक्तों को राजगढ़ में पुलिस ने गिरफ्तार किया है। वहीं मामले में जम्मू कश्मीर पुलिस को सूचित किया गया है।

जिला पुलिस अधीक्षक निश्चय प्रसाद एम ने बताया कि 26 अगस्त को अलसुबह थानाधिकारी पुलिस थाना राजगढ़ को सूचना मिली कि कस्बा राजगढ़ के पास ही दो युवक संदिग्ध परिस्थितियों में घूम रहे हैं, चोर हो सकते हैं। जिस पर पुलिस ने तत्परता दिखाते हुए हिसार फाटक बाईपास राजगढ़ के पास दोनों युवकों को काबू कर लिया। नाम-पता पूछने पर अपने नाम फरमान खान पुत्र गन्नी खां लीलगर निवासी वार्ड नं. 19 राजगढ़ पुलिस थाना राजगढ़ तथा मुख्तयार अहमद गुर्जर पुत्र मोहम्मद रफीक गुर्जर निवासी छतरगुल तहसील सांगरा जिला अनंतनाग श्रीनगर होना बताया। गहनता से पूछताछ करने पर दोनों युवक पॉक्सो एक्ट प्रकरण में सेंट्रल जेल श्रीनगर जम्मू-कश्मीर से न्यायिक अभिरक्षा से पुलिस को चकमा देकर फरार होना मालूम हुआ। दोनों से पूछताछ की जाकर दोनों अभियुक्तों को डिटेन कर गिरफ्तार किया गया।

- **दोनों 23 अगस्त की सुबह बैरिक से बाहर आये तथा जेल का मैनगेट खुला देखकर जेल की दूसरी चार दीवारी को फांदकर फरार हो गये थे**

आरोपी फरमान खान पुत्र गन्नी खां लीलगर करीब 8-10 साल से जम्मू-कश्मीर में अलग-अलग जगह रहकर मजदूरी करता था। इसी दौरान फरमान खान की जानकारी स्थानीय नाबालिग लड़की के साथ होने पर उसे बहला फुसलाकर 6 जून को अपने साथ राजगढ़ लेकर आया था। फरमान के खिलाफ पुलिस थाना लार जिला गांदरवाल कश्मीर में पॉक्सो एक्ट में मुकदमा दर्ज हुआ, जिसमें जम्मू-कश्मीर पुलिस ने आरोपी फरमान को दस अगस्त को गिरफ्तार किया था, जिसमें मुल्जिम फरमान सेंट्रल जेल श्रीनगर में न्यायिक अभिरक्षा में चल रहा था।

आरोपी मुख्तार अहमद गुर्जर पुत्र मोहम्मद रफीक गुर्जर निवासी छतरगुल तहसील सांगरा जिला अनंतनाग श्रीनगर भी पोक्सो एक्ट के प्रकरण में सेंट्रल जेल श्रीनगर में न्यायिक अभिरक्षा में चल रहा था। इसी दौरान जेल में ही दोनों की दोस्ती हुई थी तथा दोनों ने मिलकर 15 अगस्त के आस पास जेल से फरार होने का प्लान बनाया था। 23 अगस्त की सुबह समय करीब 6 बजे जेल की बैरिक खुलते ही दोनों आरोपी बैरिक से बाहर आये तथा जेल का मैनगेट खुला देखकर पुलिस को चकमा देकर जेल से बाहर निकले तथा जेल की दूसरी चार दीवारी को फांदकर फरार हो गये। श्रीनगर जेल से फरार होने के बाद दोनों आरोपियों के पास पैसे नहीं होने के कारण श्रीनगर में ही एक राहगीर महिला की बैग छीन ली, जिसमें करीब 8000 रूपये थे।

उसके बाद दोनों आरोपी श्रीनगर से जम्मू तक किराये की गाड़ी से तथा जम्मू से अम्बाला ट्रेन से पहुंचे। अम्बाला से हिसार तक बस में उसके बाद हिसार से राजगढ़ बस से आये थे जो 25 अगस्त की रात्रि बाइपास राजगढ़ पर उतरे तथा कस्बा राजगढ़ के बाहर खेतों में सो गये थे। जिसके संबंध में पुलिस को सूचना मिलने पर पुलिस थाना राजगढ़ पर अन्तर्गत धारा 170 बी.एन.एस.एस. में गिरफ्तार किये गये हैं। जम्मू कश्मीर पुलिस को सूचित किया गया है।

कहासुनी को लेकर विवाद, छात्र पर चाकू से हमला

कोटा, (निसं)। जवाहर नगर थाना इलाके के महावीर नगर प्रथम क्षेत्र में युवकों द्वारा एक नाबालिग 17 वर्षीय छात्र पर चाकू से हमला करने का मामला सामने आया है।

जानकारी के अनुसार मामले मे सामने आया कि छात्र की पास में रहने वाले कुछ युवकों से किसी बात को लेकर कहासुनी हो गई और विवाद इतना बढ़ गया कि मंगलवार रात्रि को युवकों ने नाबालिग छात्र पर चाकू से हमला कर छात्र को घायल कर दिया। हमले में छात्र के शरीर पर दो-तीन घाव आये हैं। घायल छात्र को उपचार के लिये अस्पताल में भर्ती कराया गया। हमले में घायल छात्र मूल रूप से भरतपुर निवासी है जो महावीर नगर प्रथम में रहकर नीट की तैयारी कर रहा है। जवाहर नगर थानाधिकारी मुकेश मीणा ने बताया कि मूल रूप से भरतपुर हाल महावीर नगर प्रथम निवासी 17 वर्षीय छात्र का पास में रहने वाले युवकों से किसी बात को लेकर कहासुनी हो गई, विवाद बढ़ने पर युवकों ने छात्र पर चाकू से हमला कर दिया। थानाधिकारी ने बताया कि घटना की सूचना मिलते ही पुलिस टीम मौके पर पहुंची और छात्र को उपचार के लिये अस्पताल में भर्ती कराया गया, छात्र की शिकायत पर मामला दर्ज कर हमलावरों की तलाश की जा रही है।

वंदे भारत के बाद जोधपुर को एक और हाई स्पीड ट्रेन मिलेगी

जोधपुर से मऊ के बीच चलेगी अमृत भारत एक्सप्रेस, दिवाली से पहले संचालन की तैयारी

जोधपुर, (कासं)। जोधपुर से अमृत भारत एक्सप्रेस 3.0 की तैयारी हो रही है। इसके लिए मंगलवार रात को चेन्नई से एक रैक पहुंच गया है। इस ट्रेन का संचालन जोधपुर से मऊ के बीच वीकली स्पेशल के रूप में किया जाएगा। एक रैक और अगले दिनों में जोधपुर पहुंचेगा। इस रैक में 22 कोच हैं। वंदे भारत के बाद जोधपुर के लोगों को अमृत भारत एक्सप्रेस के रूप में हाई स्पीड ट्रेन मिलेगी। फिलहाल दो मार्गों पर वंदे भारत का संचालन हो रहा है।

जानकारी के अनुसार ट्रेन का संचालन दिवाली से पहले किया जाएगा। रेलवे बोर्ड ने इस वर्ष मार्च में ही जोधपुर से मऊ के बीच चलने वाली ट्रेन को अमृत भारत में परिवर्तित कर वीकली स्पेशल के रूप में चलाने की मंजूरी दी थी। यह ट्रेन जोधपुर से जयपुर, कानपुर होते हुए चलेगी। इसका नंबर 14809 और 14810 होगा। इसमें 10 एसी कोच होंगे। दो साल पहले जोधपुर से गोरखपुर के लिए अमृत भारत ट्रेन चलाने की घोषणा हुई थी, जो नहीं चली थी।

यहां होगा ठहराव :-आते और जाते समय यह ट्रेन पीपाड़ रोड, गोटन, मेड़ता रोड, रेन, डेगाना, मकराना, कुचामन सिटी, नावा सिटी, फुलेरा, जयपुर, गांधीनगर, बांदीकुई, मंडावर महवा रोड, खेड़ली, नदबई, भरतपुर, मथुरा, हाथरस सिटी, कासगंज, फर्रुखाबाद, कन्नौज, कानपुर सेंट्रल, लखनऊ, अयोध्या, अयोध्या कैंट, शाहगंज, खुरासान रोड, आजमगढ़ और मुहम्मदाबाद में रुकेगी।

यह सुविधाएं होंगी :-अमृत भारत 3.0 में झटके कम लगेंगे, इसके लिए सेमी-कपल्ड और सस्पेंशन तकनीक का उपयोग किया गया है। इससे ट्रेन के रुकने या चलने पर झटके महसूस नहीं होंगे। हर कोच में मोबाइल चार्जिंग पॉइंट, फोल्डेबल स्नैक टेबल, बोतल होल्डर और आरामदायक सीटें व बर्थ हैं। इंटीरियर आकर्षक है। स्वच्छ बायो-वैक्यूम शौचालय हैं। सुरक्षा के लिए हर डिब्बे में सीसीटीवी है, गार्ड कोच में सुरक्षा निगरानी प्रणाली है। दिव्यांगजनों के लिए विशेष टॉयलेट और चौड़े दरवाजे दिए गए हैं। स्पीड के लिए आगे-पीछे इंजन लगेंगे।

उदयपुर के उमरड़ा में पैंथर के हमले में चार जने घायल

पैंथर ने तीन जगह पर पैदल जा रहे लोगों पर घात लगाकर हमला किया

उदयपुर, (कासं)। उदयपुर शहर से सटे उमरड़ा क्षेत्र में पैंथर की दहशत बढ़ गई है। पिछले करीब 12 घंटों में पैंथर ने अलग-अलग घटनाओं में एक महिला सहित चार ग्रामीणों पर हमला कर उन्हें गंभीर घायल कर दिया। हमले के दौरान ग्रामीणों और पैंथर के बीच काफी संघर्ष हुआ। शोर सुनकर आसपास के लोग मौके पर पहुंचे तो पैंथर जंगल पहाड़ी की ओर भाग गया। हमले में गंभीर घायल चारों लोगों का हॉस्पिटल में उपचार चल रहा है। घटना की सूचना मिलने पर वन विभाग की टीम और हिरणमगरी थाना पुलिस मौके पर पहुंची। पुलिस ने ग्रामीणों को शांत किया, जबकि वन विभाग ने पैंथर की संभावित गतिविधियों वाले इलाकों में 4-5 पिंजरे लगाए हैं। लगातार हो रहे हमलों के बाद उमरडा और आसपास के ग्रामीण इलाकों में दहशत का माहौल है। लोग अकेले घर से बाहर निकलने में भी डर रहे हैं। पैंथर हमले में उमरडा निवासी कालूलाल मीणा, लोगर मीणा, जग्गाजी और एक महिला घायल हुए हैं।

- **हमले के दौरान ग्रामीणों और पैंथर के बीच संघर्ष हुआ, शोर सुनकर लोग मौके पर पहुंचे तो पैंथर जंगल की ओर भाग गया**

पहला हमला मंगलवार शाम हुआ। उमरडा क्षेत्र की नाल में कुछ मकान बने हुए हैं और वहां से मुख्य सड़क तक पहुंचने के लिए कच्चा रास्ता है। इसी दौरान एक पैंथर गाय का पीछा कर रहा था। गाय को बचाने के लिए एक ग्रामीण शोर मचाते हुए पैंथर के पीछे दौड़ा। ग्रामीण के पीछा करने पर पैंथर ने गाय को छोड़कर उसी पर हमला कर दिया। ग्रामीण और पैंथर के बीच संघर्ष हुआ, जिसमें ग्रामीण गंभीर रूप से घायल हो गया। बाद में उसे उपचार के लिए अस्पताल पहुंचाया, जहां उसका इलाज जारी है।

दूसरा हमला बुधवार सुबह हुआ। इसी क्षेत्र में दो ग्रामीण नाल से सड़क की ओर पैदल जा रहे थे। बताया जा रहा है कि रास्ते में घात लगाए बैठे पैंथर ने अचानक दोनों पर हमला कर दिया। पैंथर से बचने के लिए ग्रामीणों ने काफी संघर्ष किया। उनकी चीख पुकार और शोर सुनकर आसपास के लोग मौके की ओर दौड़े। लोगों को आता देखकर पैंथर जंगल और पहाड़ी की तरफ भाग गया। तीसरा हमला बुधवार दोपहर हुआ। पैंथर ने महिला पर अटैक कर उसे गंभीर घायल कर दिया। लगातार हमलों के बाद ग्रामीणों में वन्यजीव को लेकर भय का माहौल है। ग्रामीणों का कहना है कि पैंथर अब घात लगाकर इंसानों पर हमला कर रहा है। ऐसे में नाल क्षेत्र में बने कच्चे-पक्के मकानों में रहने वाले लोगों को घर से बाहर निकलने के साथ साथ घर के अंदर भी सुरक्षा की चिंता सताने लगी है। ग्रामीणों ने वन विभाग से पैंथर को जल्द पकड़ने और क्षेत्र में सुरक्षा व्यवस्था बढ़ाने की मांग की है। फिलहाल वन विभाग की टीम पैंथर की गतिविधियों पर नजर बनाए हुए हैं और संभावित स्थानों पर लगाए गए पिंजरों के जरिए उसे पकड़ने का प्रयास किया जा रहा है।

भरतपुर में एटीएम काटते दो बदमाशों को रंगे हाथों पकड़ा

भरतपुर, (निसं)। मथुरा गेट थाना पुलिस ने बड़ी कार्रवाई करते हुए बैंक ऑफ बड़ौदा के एटीएम को काटकर लूटने की कोशिश कर रहे दो बदमाशों को रंगे हाथ गिरफ्तार किया है। दोनों बदमाश एमएसजे कॉलेज के सामने स्थित एटीएम को काट रहे थे। इसी दौरान गश्त कर रहे कांस्टेबल की नजर बदमाशों पर पड़ गई। कांस्टेबल ने सूझबूझ दिखाते हुए एटीएम वाली दुकान का शटर बाहर से बंद कर दिया, जिससे दोनों बदमाश अंदर ही फंस गए। सूचना मिलने के बाद मथुरा गेट थाना पुलिस मौके पर पहुंची और दोनों आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया। पुलिस ने मौके से एटीएम काटने में इस्तेमाल किए जा रहे कई औजार और एक बुलेट बाइक भी जब्त की है। बाइक की नंबर प्लेट पर टेप लगा हुआ था।

- **गश्त कर रहे कांस्टेबल ने एटीएम वाली दुकान का शटर बाहर से बंद कर दिया, जिससे दोनों बदमाश अंदर ही फंस गए**

सारस चौकी के कॉन्स्टेबल उदय सिंह ने बताया कि में रात को गश्त कर रहा था। देर रात एमएसजे कॉलेज के सामने बैंक ऑफ बड़ौदा के एटीएम को दो बदमाश काट रहे थे। उसने एटीएम के अंदर दोनों बदमाशों को मशीन काटते हुए देख लिया। कांस्टेबल ने बिना कोई जोखिम उठाए तुरंत एटीएम वाली दुकान का शटर बाहर से बंद कर दिया और थाने में सूचना दी। शटर बंद होने के बाद दोनों बदमाश अंदर ही फंस गए। कॉन्स्टेबल उदय सिंह ने बताया कि, एमएसजे काटने वाले दोनों बदमाशों का एक साथी बाहर से उनकी गतिविधियों पर नजर रख रहा था। जैसे ही पुलिस के पहुंचने की भनक लगी, वे मौके से फरार हो गए। आरोपियों ने पूछताछ में बताया कि उनके साथी एक गाड़ी में आसपास घूम रहे थे। बदमाशों की योजना एटीएम मशीन काटने के बाद उसे गाड़ी में डालकर ले जाने की थी। हालांकि, पुलिस के समय पर पहुंच जाने से उनकी योजना नाकाम हो गई।

पुलिस पूछताछ में गिरफ्तार आरोपियों की पहचान अजय चौधरी निवासी अभोर्रा, थाना कुम्हेर, जिला डीग और कुलदीप निवासी इगलास, जिला अलीगढ़ के रूप में हुई है। पुलिस ने मौके से एक कटर मशीन, एक हथौड़ा समेत एटीएम काटने के लिए इस्तेमाल किए जा रहे कई औजार बरामद किए हैं। इसके अलावा एक बुलेट बाइक भी जब्त की गई है। बाइक की नंबर प्लेट पर टेप लगा हुआ मिला, जिससे पुलिस को आशंका है कि पहचान छिपाने के लिए नंबर प्लेट से छेड़छाड़ की गई थी। पुलिस अब वारदात में शामिल फरार आरोपियों की तलाश कर रही है। पकड़े गए दोनों आरोपियों से पूछताछ की जा रही है और पुलिस यह पता लगाने में जुटी है कि गिरोह ने इससे पहले भी एटीएम काटने या लूट की कोई वारदात की है या नहीं। फिलहाल मथुरा गेट थाना पुलिस ने मामले की जांच शुरू कर दी है।

पिलानी में हथियार के साथ एक आरोपी गिरफ्त में

पिलानी, (निसं)अवैध हथियारों पर शिकंजा कसने के अभियान में पिलानी पुलिस ने बड़ी कार्रवाई करते हुए थाना क्षेत्र के सक्रिय हिस्ट्रीशीटर दीपू उर्फ दिगपाल (39) को अवैध पिस्टल, मैगजीन और चार जिंदा कारतूस के साथ गिरफ्तार किया है। पुलिस के अनुसार आरोपी राजगढ़-लुहारू हाइवे स्थित पाथड़िया स्टैण्ड पर मौजूद था और किसी गंभीर वारदात को अंजाम देने के बाद वहां से भागने की फिराक में था। पुलिस ने घेराबंदी कर उसे दबोच लिया। पिलानी पुलिस की अवैध हथियारों के खिलाफ यह लगातार तीसरी कार्रवाई बताई गई है। थानाधिकारी अलका विश्नोई पुलिस के नेतृत्व में पुलिस टीम ने यह कार्रवाई की।

जानकारी के अनुसार पुलिस को मुखबिर से सूचना मिली कि पिलानी थाने का सक्रिय हिस्ट्रीशीटर दीपू उर्फ दिगपाल पाथड़िया स्टैण्ड पर मौजूद है। सूचना मिलते ही पुलिस टीम ने तत्काल मौके पर पहुंचकर घेराबंदी की। पुलिस जाप्ते को देखते ही आरोपी ने भागने का प्रयास किया, लेकिन पुलिस टीम ने पीछा कर उसे डिटेन कर लिया। तलाशी के दौरान उसके कब्जे से एक अवैध पिस्टल मय मैगजीन और चार जिंदा कारतूस बरामद हुए। पुलिस के अनुसार आरोपी हथियार रखने के संबंध में कोई वैध लाइसेंस अथवा दस्तावेज प्रस्तुत नहीं कर सका। इसके बाद पुलिस ने अवैध हथियार और कारतूस जब्त कर आरोपी को गिरफ्तार कर लिया। उसके खिलाफ आर्म्स एक्ट और बीएनएस की संबंधित धाराओं में प्रकरण दर्ज किया गया है। पुलिस आरोपी से हथियार की खरीद-फरोख्त, सप्लाई के स्त्रोत और अन्य आपराधिक गतिविधियों को लेकर पूछताछ कर रही है। गिरफ्तार आरोपी दीपू उर्फ दिगपाल पुत्र योगेन्द्र सिंह निवासी झेरली, थाना पिलानी पिलानी थाने का सक्रिय हिस्ट्रीशीटर है। पुलिस रिकॉर्ड के अनुसार उसके खिलाफ हत्या, हत्या का प्रयास, डकैती, डकैती की योजना, आर्म्स एक्ट और जानलेवा हमले सहित कुल 20 आपराधिक प्रकरण दर्ज हैं। पुलिस अब यह भी खंगाल रही है कि आरोपी हथियार कहां से लेकर आया था और उसका इस्तेमाल किस आपराधिक गतिविधि में किया जाना था।

आतिशबाजी के दौरान पटाखा फटा, युवक की मौत

उदयपुर, (कासं)। शहर के खेमपुरा क्षेत्र में बुधवार को मिलादुन्नबी जुलूस के दौरान एक दर्दनाक हादसा हो गया। जुलूस में आतिशबाजी के दौरान पटाखा फटने से एक युवक की मौत हो गई। मृतक की पहचान रेलवे कालोनी निवासी सलमान(22)पुत्र अनवर के रूप में हुई है।

जानकारी के अनुसार जुलूस के दौरान सलमान आतिशबाजी कर रहा था। इसी दौरान पटाखा फटने से वह गंभीर रूप से घायल हो गया। सलमान,ज ाे पांच भाई-बहनों में अपने परिवार का सहारा था, टेंपो चलाकर घर की जिम्मेदारियां उठाता था। जुलूस में शामिल होकर वह भी जश्न मना रहा था, लेकिन मिनी स्टील गन में रखकर फोड़े. जा रहे आलू बम के अत्यधिक दबाव ने उस लोहे के पाइप का पिछला ढक्कन उड़ा दिया। वह लोहे का टुकड़ा सीधे सलमान की गर्दन में जा धंसा। पलक झपकते ही खून का फव्वारा फूटा और नौजवान जमीन पर गिरकर अचेत हो गया। अस्पताल में डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। हादसे की सूचना मिलने पर पुलिस भी मौके पर पहुंची और घटनाक्रम की जानकारी जुटाई। घटना के बाद इलाके में शोक का माहौल है।

ट्रेन की चपेट से ट्रैकमैन की मौत

जोधपुर, (कासं)। ट्रेन की चपेट में आने से एक ट्रैकमैन की मौत हो गई। घटना फलोदी जिले के बापिणी सरहद के पास की है। हादसा सुबह रेलवे ट्रैक का निरीक्षण करते समय साबरमती एक्सप्रेस से हुआ।

जानकारी के अनुसार कल्याणपुरा आमला निवासी मेघाराम (28) रेलवे पटरी की जांच कर रहे थे, तभी पीछे से जोधपुर से जैसलमेर की ओर जा रही ट्रेन संख्या 20492 साबरमती एक्सप्रेस आ गई। ट्रेन की चपेट में आने से मेघाराम की मौके पर ही मौत हो गई। हादसे की सूचना मिलते ही जीआरपीएफ, रेलवे अधिकारी और फलोदी पुलिस मौके पर पहुंची। घटनास्थल का मुआयना करने के बाद पुलिस ने शव को फलोदी जिला अस्पताल की मोर्चरी में रखवाया, जहां पोस्टमॉर्टम करवाकर परिजनों को सौंप दिया गया। परिजनों के अनुसार, मेघाराम पिछले करीब 10 वर्षों से ट्रैकमैन के पद पर कार्यरत थे और शैतानसिंह नगर में ड्यूटी कर रहे थे।

दिल्ली में ब्लैक में बिकी वॉयल में कैंसररोधी दवा नहीं, जानलेवा बैक्टीरिया मिले

यह खुलासा ड्रग विभाग की ओर से कराई गई जर्मनी की लैब जांच से हुआ

बीकानेर, (निसं)। कैंसर से जिंदगी की जंग लड़ रहे बेबस मरीजों के लिए जो इंजेक्शन जान बचाने का जरिया था, दवा माफियाओं ने उसे ही 'जहर' बना डाला। बीकानेर के कैंसर अस्पताल से गायब कर दिल्ली के ब्लैक मार्केट में बेचे गए एक-एक लाख रुपए के जिस इंजेक्शन (एवालुमैब) को मरीज खरीद रहे थे, उसमें जानलेवा बैक्टीरिया पाए गए हैं। यह खुलासा ड्रग विभाग की ओर से कराई गई जर्मनी की लैब जांच से हुआ है।

- **जब्त सैंपल में कैंसर से लड़ने वाला मूल एक्टिव इंग्रीडिएंट लगभग नगण्य था, वहीं, बांझपन की जांच में काम आने वाली दवाएं भी असुरक्षित पाई गई हैं**
- **उसमें इंसानी शरीर में गंभीर इन्फेक्शन फैलाने वाला घातक ई-कोलाई और बैक्टीरिया मिला है**
- **जर्मन फॉरेंसिक विशेषज्ञों के अनुसार, शीशी के रबर स्टॉपर में 1.2 का पंचर (छेद) था, इसके अलावा एल्युमीनियम कैप पर कई खरोंचें थीं**

रिपोर्ट के अनुसार जब्त सैंपल में कैंसर से लड़ने वाला मूल एक्टिव इंग्रीडिएंट लगभग नगण्य था। वहीं, बांझपन की जांच में काम आने वाली दवाएं भी असुरक्षित पाई गई हैं। उसमें इंसानी शरीर में गंभीर इन्फेक्शन फैलाने वाला घातक ई-कोलाई और बैक्टीरिया मिला है। दिल्ली ड्रग कंट्रोलर ने दवा निर्माता कंपनी के जरिए जर्मनी की मर्क लैब से जांच कराई थी। उधर आरएमएससीएल ने बीकानेर, जोधपुर, जयपुर और उदयपुर मेडिकल कॉलेज की जांच रिपोर्ट राज्य सरकार को सौंप दी है। गौरतलब है कि अस्पतालों से इंजेक्शन और उसके वॉयल चोरी होने और दिल्ली में बेचे जाने के रैकेट का खुलासा किया था।

जर्मन फॉरेंसिक विशेषज्ञों के अनुसार, शीशी के रबर स्टॉपर में 1.2 का पंचर (छेद) था। इसके अलावा एल्युमीनियम कैप पर कई खरोंचें थीं। गिरोह बीकानेर के कैंसर अस्पताल में आरएमएससीएल से सप्लाई किए गए असली इंजेक्शनों में से सीरिंज के जरिए असली दवा निकालकर दिल्ली के ब्लैक मार्केट में ऊंचे दामों पर बेच देता था। इसके बाद खाली शीशी में मिलावटी लिक्विड भरकर दोबारा सील कर देता था। असली दवा में मैनिटोल 8.2 प्रतिशत और एसिटिक एसिड 0.092 प्रतिशत होता है, जबकि जब्त नकली शीशी में यह मात्र 1.3प्रतिशत और 0.013 प्रतिशत पाया गया।

दिल्ली के ब्लैक मार्केट में पकड़े गए आचार्य तुलसी रीजनल कैंसर इंस्टीट्यूट में गरीब मरीजों के लिए निशुल्क सप्लाई होने वाले एवालुमैब इंजेक्शनों का पर्दाफाश दिल्ली क्राइम ब्रांच इंटर स्टेट सेल ने किया था। क्राइम ब्रांच के अधिकारियों का कहना है कि आरोपी अस्पतालों से दवाओं की चोरी और सरकारी सप्लाई का डायवर्जन करते थे। उसके बाद अपने ठिकानों पर खाली वॉयल में पानी और अन्य बैक्टीरिया मिलाकर दवाओं की रीफिलिंग किया करते थे। इस कार्रवाई के बाद नकली दवा बेचने का कारोबार करने वाले दवा विक्रेता भूमिगत हो चुके हैं। पुखराज सैन एमडी ने बताया कि दिल्ली में पकड़ी गई कैंसर की दवा नकली मिली है। ड्रग कंट्रोलर दिल्ली ने इसकी जांच जर्मन लैब से करवाई है, जिसकी रिपोर्ट आ गई है। फिलहाल, आगे की जांच करा रहे हैं।

कमल यादव, इन्वेस्टिगेशन ऑफिसर दिल्ली क्राइम ब्रांच, इंटर स्टेट सेल का कहना है कि हमने काफी दवाएं पकड़ी थीं, जिनमें से कुछ की रिपोर्ट आई है। उनमें से काफी दवाएं नकली मिली हैं। बीकानेर कैंसर अस्पताल की दवा के मामले में जांच चल रही है।

एक ही रात में चोरी हुई तीन पावर बाइक का खुलासा

एक शातिर वाहन चोर गिरफ्तार, बालक को निरूद्ध किया

जोधपुर, (कासं)। कमिश्नरेट के जिला पश्चिम में राजीव गांधी नगर थाना क्षेत्र में 13 अगस्त की रात को एक साथ तीन बाइक चोरी होने का प्रकरण दर्ज किया गया था। पुलिस ने करीब 500-600 किलोमीटर तक पीछा कर 300-350 सीसीटीवी कैमरों के फुटेज चेक कर वाहन चोरों की पहचान करते हुए अब उन्हें पकड़ा है। एक शातिर वाहन चोर सहित बालक को निरूद्ध किया गया है। इनके पास से तीन पावर बाइक को जब्त किया गया है। कार्रवाई में स्पेशल टीम और राजीव गांधी नगर पुलिस द्वारा की गई।

पुलिस ने बताया कि भट्टी की बावड़ी मॉडन टाउन हाल मां वैष्णव विहार संस्कृति फ्लैट के पास डालीबाई चौराहा निवासी विरेन्द्रसिंह पुत्र गुमानसिंह चौहान ने रिपोर्ट दी कि 13 अगस्त की रात को उसकी गली में तीन बाइक चोरी हो गई थी, जोकि पावर बाइक थी। मामले में पुलिस थाना राजीव गांधी नगर थानाधिकारी रविन्द्रपाल सिंह के नेतृत्व में टीम का गठन किया गया। पुलिस की विशेष टीम द्वारा 500-600 किलोमीटर तक पीछा कर करीब 300-350 सीसीटीवी कैमरो का अवलोकन कर तकनीकी साक्ष्यों का विश्लेषण करते हुए वाहन चोरों की पहचान की गई। अब पुलिस ने एक आरोपी लोहावट स्थित भोजाकोर मस्जिद की ढाणी निवासी सागर पुत्र नसरूदीन को पकड़ा। इसके साथ में एक बालक को भी निरूद्ध किया गया। इनके पास से तीन पावर बाइक को जब्त किया गया है।

- **आरोपी अपनी पहचान छुपाकर रात्रि में जोधपुर शहर में आते थे**

पुलिस पूछताछ में पता लगा कि आरोपी अपनी पहचान छुपाकर रात्रि में जोधपुर शहर में आते एवं शहर के विभिन्न इलाकों में घूम फिर कर गली/मौहल्ले में खड़े दुपहिया वाहनों को चोरी करके ग्रामीण क्षेत्र की और कूच करते हैं तथा अवसर पाकर दूर-दराज के क्षेत्रों में बेच देते हैं।

2019 में लॉटरी से तय हुई थी छबड़ा पालिका की सत्ता, अब महिला अध्यक्ष के लिए होगा घमासान

छबड़ा, (निसं)। नगर पालिका चुनाव को लेकर छबड़ा में सियासी हलचल तेज हो गई है। अध्यक्ष पद सामान्य महिला के लिए आरक्षित होने के बाद राजनीतिक दलों की नजरें अब मजबूत महिला चेहरों पर टिक गई हैं। वार्डों में संभावित प्रत्याशियों की सक्रियता बढ़ गई है। ऐसे में वर्ष 2019 के नगर पालिका चुनाव के नतीजे और अध्यक्ष पद का वह फैसला एक बार फिर राजनीतिक चर्चाओं के केंद्र में है।

वर्ष 2019 में 35 वार्डों वाली छबड़ा नगर पालिका के चुनाव में कांग्रेस ने 15, भाजपा ने 8, बसपा ने 2 और निर्दलीय प्रत्याशियों ने 10 सीटों पर जीत दर्ज की थी। आंकड़ों में कांग्रेस सबसे बड़े दल के रूप में सामने आई थी, लेकिन अध्यक्ष पद के चुनाव में समीकरण पूरी तरह बदल गए और अंततः भाजपा का बोर्ड बना। अध्यक्ष पद के लिए भाजपा के केसी जैन और कांग्रेस की आराधना शर्मा आमने-सामने थे।

- **35 वार्डों वाली नगर पालिका में इस बार अध्यक्ष पद सामान्य महिला के लिए आरक्षित, 2019 में 17-17 मतों पर लॉटरी से फैसला हुआ था**
- **अध्यक्ष पद सामान्य महिला के लिए आरक्षित होने के बाद राजनीतिक दलों की नजरें अब मजबूत महिला चेहरों पर टिकी**

दोनों प्रत्याशियों को 17-17 मत मिले, जबकि बसपा के बिट्ठलदास गुप्ता को एक मत प्राप्त हुआ। बराबरी के बाद अध्यक्ष पद का फैसला लॉटरी से करने की नौबत आई।

अध्यक्ष पद के लिए हुई लॉटरी में भाजपा के केसी जैन के नाम की पर्ची निकली। इसके बाद निर्वाचन अधिकारी ने उन्हें विजयी घोषित किया। इस तरह 35 सदस्यीय नगर पालिका में 17-17 मतों की बराबरी के बाद एक पर्ची ने अध्यक्ष की कुर्सी का फैसला कर दिया। 2019 का यह घटनाक्रम छबड़ा की चुनावी राजनीति में आज भी एक महत्वपूर्ण उदाहरण माना जाता है। चुनावी आंकड़ों में कांग्रेस आगे थी, लेकिन अध्यक्ष पद के अंतिम फैसले ने नगर पालिका की सत्ता भाजपा के हाथों में पहुंचा दी।

अब आगामी चुनाव में अध्यक्ष पद सामान्य महिला के लिए आरक्षित होने से राजनीतिक दलों की रणनीति बदलना तय माना जा रहा है। राजनीतिक दलों में महिला दावेदारों को लेकर चर्चाएं तेज हैं। इस बार चुनाव में सिर्फ वार्ड जीतना ही राजनीतिक दलों की चुनौती नहीं होगी, बल्कि अध्यक्ष पद के लिए ऐसा चेहरा सामने लाना भी अहम होगा, जिसके पक्ष में पर्याप्त पार्षदों का समर्थन जुटाया जा सके। 2019 का अनुभव बताता है कि बहुमत का गणित आखिरी समय में करवट ले सकता है।

2019 में कांग्रेस की 15 सीटों के बावजूद भाजपा का बोर्ड बना और अध्यक्ष पद का फैसला 17-17 मतों के बाद लॉटरी से हुआ था। अब 2026 में आरक्षण की बदली तस्वीर के बीच चुनावी मुकाबला नए चेहरों और नए समीकरणों के साथ होगा।

550 पेटी अवैध शराब से भरा ट्रेलर पकड़ा, चालक गिरफ्तार

जोधपुर, (कासं)। जिले के ग्रामीण पुलिस ने अवैध शराब के खिलाफ बड़ी कार्रवाई करते हुए नेशनल हाईवे पर अवैध शराब से भरा ट्रेलर जब्त कर चालक को गिरफ्तार किया है। ट्रेलर में चाइना क्ले मिट्टी की आड़ में 550 पेटी अवैध शराब व बीयर भरी हुई थी। पुलिस अब चालक से पूछताछ में जुटी है।

एएसपी रामेश्वर लाल जोधपुर ग्रामीण के सुपरविजन में तथा उपाधीक्षक भोपालगढ़ गुलाबराम के निकट सुपरविजन में खेड़ापा थानाधिकारी लाखाराम के नेतृत्व में टीम द्वारा थाना परिसर के सामने नाकाबंदी कर संदिग्ध वाहनों की चेकिंग की जा रही थी। तब सूचना मिली कि नागौर की तरफ से नेशनल हाईवे संख्या 62 पर एक 22 चक्का ट्रेलर में चाइना क्ले मिट्टी के नीचे भारी मात्रा में अवैध अंग्रेजी शराब छिपाकर लाई जा रही है। इस सूचना पर पुलिस टीम ने नाकाबंदी कर ट्रेलर को रुकवाया। ट्रेलर चालक से पूछताछ करने पर उसने अपना नाम रामचन्द्र पुत्र दलाराम वैष्णव निवासी निम्बलकोट, पुलिस थाना आरजीटी नगर बालोतरा बताया। प्रारम्भ में चालक द्वारा ट्रेलर में मिट्टी भरी होना बताया गया, लेकिन गहन पूछताछ में उसने मिट्टी के नीचे अवैध अंग्रेजी शराब के कार्टन छिपाकर परिवहन करना स्वीकार किया। पुलिस को मिट्टी के नीचे प्लास्टिक के मैटिंग/शीट से ढके हुए अंग्रेजी शराब तथा बियर के 550 कार्टन मिले। इस पर शराब के परिवहन संबंधी वैध अनुज्ञापत्र/लाइसेंस भी चालक के पास नहीं मिले। इस पर चालक को गिरफ्तार किए जाने के साथ शराब को जब्त कर लिया गया।

पुलिस ने बताया कि आरोपी से प्रारम्भिक पूछताछ में पता लगा कि अवैध शराब मनीष चौधरी पुत्र मानाराम निवासी चूरू द्वारा ट्रेलर में भरवाकर उसे गुजरात के मोरबी ले जाने के लिए सुपुर्द की गई थी। मामले में अवैध शराब की सप्लाई एवं तस्करी से जुड़े अन्य व्यक्तियों की भूमिका के संबंध में अग्रिम अनुसंधान जारी है।

जयपुर में तेज हवा के साथ बरसे मेघ

शहर में बुधवार को एक इंच बारिश दर्ज की गई, तापमान में गिरावट आई

-कार्यालय संवाददाता-

जयपुर। प्रदेश में आगामी समय में अब बारिश की गतिविधियों में कमी देखने को मिलेगी। प्रदेश में बुधवार को जयपुर सहित करीब 15 शहरों में हल्की से मध्यम बारिश दर्ज की गई। सबसे ज्यादा बारिश करौली के सपोटरा में 47 मिमी दर्ज की गई। पश्चिम राजस्थान में बारिश की बेरुखी के चलते श्रीगंगानगर और बीकानेर का पारा 40 डिग्री के पार दर्ज किया गया। जयपुर की लाइफलाइन बीसलपुर बांध का वर्तमान जलस्तर 314.09 आरएल मीटर दर्ज किया गया, बांध में बीते 24 घंटे में 4 सेंटीमीटर पानी की आवक देखने को मिली हैं। त्रिवेणी में लगातार पानी की आवक हो रही है।

जयपुर में दोपहर बाद तेज हवा के साथ बारिश हुई। करीब एक घंटे से अधिक समय तक चले बारिश के इस दौर के बाद सड़कों पर पानी भर गया। इससे वाहन चालकों को परेशानी का सामना करना पड़ा और कुछ जगहों पर जाम के हालात नजर आए। जयपुर में करीब 25 मिमी बारिश रिकॉर्ड की गई। सांगानेर में 21 और चाकसू में 6 मिमी बारिश दर्ज की गई। बादल छाए रहने के कारण जयपुर के दिन तापमान में तीन डिग्री का उछाल दर्ज किया गया। बारिश के बाद तापमान में करीब 2 डिग्री की गिरावट दर्ज की गई। जयपुर का अधिकतम तापमान 34.1 और न्यूनतम तापमान 26.6 डिग्री दर्ज किया गया। मौसम विभाग के अनुसार बुधवार को जयपुर, बांसवाड़ा, बांरा, भरतपुर, डीग, धौलपुर, झालावाड़, करौली, कोटा, प्रतापगढ़, माउंट आबू, सवाईमाधोपुर और दौसा सहित कुछ अन्य जगहों पर हल्की से मध्यम बारिश हुई। प्रदेश में बुधवार को श्रीगंगानगर सबसे गर्म शहर रहा। यहां का अधिकतम तापमान 41.4 और न्यूनतम तापमान 30.2 डिग्री दर्ज किया गया। कोटा के इटावा में नोनेरा-ऐबरा बांध के 3 गेट 5 मीटर तक खोल दिए गए हैं। इनसे 32 हजार क्यूसेक पानी छोड़ा जा रहा है।

बुधवार दोपहर बारिश से मुरलीपुरा इलाके में केडिया पैलेस रोड पर पानी भर गया।

■ **मौसम विभाग का कहना है कि अब आगामी एक सप्ताह तक मानसून का दौर कमजोर रहेगा**

मौसम विज्ञान केंद्र जयपुर के निदेशक राधेश्याम शर्मा ने बताया कि 27 अगस्त से 2 सितंबर के दौरान पूर्वी राजस्थान में भी पुनः बारिश की गतिविधियों में कमी होने की संभावना है। हालांकि, कोटा संभाग के कुछ भागों में 27-28 अगस्त को हल्की मध्यम बारिश होने की संभावना है। पश्चिमी राजस्थान के जोधपुर, बीकानेर संभाग के अधिकांश भागों में आगामी एक सप्ताह कमजोर मानसून परिस्थितियां जारी रहने की संभावना है। मंगलवार को राज्य के पश्चिमी भाग मे कहीं-कहीं हल्की वर्षा दर्ज की गई तथा पूर्वी भाग में मेघगर्जन के साथ कुछ स्थानों पर मध्यम से भारी वर्षा दर्ज की गई। सर्वाधिक बारिश तालेड़ा (बूंदी), सावर(अजमेर) में 73 मिलीमीटर दर्ज की गई।

नगरीय निकाय चुनाव के लिए नामांकन आज से शुरू होंगे

-कार्यालय संवाददाता-

जयपुर। प्रदेश में नगरीय निकाय चुनावों को लेकर राजनीतिक गतिविधियां तेज हो गई हैं। नगरीय निकायों-नगर निगम, नगर परिषद और नगर पालिकाओं-के चुनाव के लिए लोकसूचना जारी होने के साथ ही गुरुवार से नामांकन पत्र भरने की प्रक्रिया शुरू होगी। जिला निर्वाचन अधिकारियों ने नामांकन को लेकर आवश्यक तैयारियां पूरी कर ली हैं।

आयोग की ओर से 27 से 31 अगस्त तक नामांकन का कार्यक्रम निर्धारित किया गया है। हालांकि, इस अवधि में 28 अगस्त को रक्षाबंधन और 30 अगस्त को रविवार होने के कारण नामांकन पत्र केवल 27, 29 और 31 अगस्त को ही दाखिल किए जा सकेंगे। ऐसे में प्रत्याशियों के पास नामांकन प्रक्रिया पूरी करने के लिए प्रभावी रूप से तीन दिन का समय रहेगा।

इस बीच चुनावी मैदान में उतरने की तैयारी कर रहे दावेदारों ने नगर निगम से अनापत्ति प्रमाण पत्र (एनओसी) और नो ड्यूज लेने की प्रक्रिया तेज कर दी है। अब तक जयपुर नगर निगम से 153 पूर्व पार्षदों सहित अन्य जनप्रतिनिधियों और दावेदारों ने नो ड्यूज प्राप्त कर लिया है।

■ **चुनावी मैदान में उतरने की तैयारी कर रहे दावेदारों ने नगर निगम से अनापत्ति प्रमाण पत्र और नो ड्यूज लेने की प्रक्रिया तेज की**

वहीं, निगम के विभिन्न जोन कार्यालयों में चुनाव लड़ने के इच्छुक करीब 7000 से अधिक लोगों ने नो ड्यूज के लिए आवेदन किया है। इनमें से बड़ी संख्या में आवेदकों को नो ड्यूज प्रमाण पत्र जारी भी किए जा चुके हैं। नो ड्यूज लेने वालों की बढ़ती संख्या से साफ है कि आगामी निकाय चुनावों को लेकर दावेदारों में खासा उत्साह है और राजनीतिक सरगर्मी लगातार बढ़ रही है।

नगर निगम से नो ड्यूज लेने वालों में पूर्व महापौर, उपमहापौर और अन्य प्रमुख पदाधिकारी भी शामिल हैं। प्राप्त जानकारी के अनुसार पूर्व महापौर कुसुम यादव, पूर्व उपमहापौर पुनीत कर्णावत, नेता प्रतिपक्ष राजीव चौधरी सहित कई पूर्व पार्षदों ने चुनावी मैदान में उतरने की तैयारी शुरू कर दी है। इनके अलावा पार्षद उमरदराज, असलम फारुखी, नीरज अग्रवाल, विमल अग्रवाल, कैलाश खारड़ा और मनीष पारीक सहित अन्य नेताओं ने भी निगम से नो ड्यूज लिया है।

नो ड्यूज लेने की प्रक्रिया पूरी होने के बाद अब दावेदारों का पूरा फोकस नामांकन दाखिल करने पर रहेगा। राजनीतिक दलों के साथ ही बड़ी संख्या में निर्दलीय दावेदार भी चुनावी तैयारी में जुटे हुए हैं।

जयपुर नगर निगम चुनाव के लिए जिला निर्वाचन शाखा ने नामांकन प्रक्रिया को सुचारु रूप से संचालित करने के लिए 15 रिटर्निंग ऑफिसर (आरओ) कार्यालय बनाए हैं। नगर निगम के 150 वार्डों को ध्यान में रखते हुए प्रत्येक 10 वार्ड पर एक आरओ कार्यालय निर्धारित किया गया है।

इन कार्यालयों में संबंधित वार्डों से चुनाव लड़ने वाले प्रत्याशी अपना नामांकन पत्र दाखिल कर सकेंगे। प्रशासन की ओर से नामांकन के दौरान कानून-व्यवस्था और व्यवस्थाओं को मजबूत किया गया है।

विद्याधर नगर में साड़ी की दुकान में भीषण आग लगी

मंगलवार-बुधवार की मध्यरात्रि में हुआ हादसा

-कार्यालय संवाददाता-

जयपुर। विद्याधर नगर इलाके में मंगलवार-बुधवार की मध्यरात्रि साड़ी की दुकान में भीषण आग लगने से हड़कंप मच गया। आग इतनी विकराल थी कि इसकी लपटें और धुआं करीब दो किलोमीटर दूर तक दिखाई दिया। आग की सूचना मिलते ही दमकल और पुलिस की टीमें मौके पर पहुंचीं और राहत एवं बचाव कार्य शुरू किया।

प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार दुकान के ग्राउंड फ्लोर से शुरू हुई आग देखते ही देखते फर्स्ट फ्लोर तक फैल गई। कपड़े और अन्य ज्वलनशील सामान होने के कारण आग ने कुछ ही देर में विकराल रूप ले लिया। आसपास के लोगों में अफरा-तफरी मच गई और बड़ी संख्या में लोग मौके पर जमा हो गए। आग की भयावहता को देखते हुए मौके पर सात दमकल गाड़ियां भेजी गईं। दमकलकर्मियों ने लगातार पानी की बौछार कर आग पर काबू पाने का प्रयास किया। करीब पांच घंटे की कड़ी मशक्कत के बाद आग को नियंत्रित किया जा सका। देर रात तक दमकलकर्मी मौके पर मौजूद रहे और पूरी तरह आग बुझाने में जुटे रहे।

■ **करीब 5 घंटे की कड़ी मशक्कत के बाद आग पर काबू पा सकीं दमकलें**

घटना की सूचना पर पुलिस भी मौके पर पहुंची और भीड़ को नियंत्रित करते हुए क्षेत्र में व्यवस्था संभाली। फिलहाल आग लगने के कारणों का पता नहीं चल पाया है। दमकल और पुलिस की ओर से आग के कारणों की जांच के साथ दुकान में हुए नुकसान का आंकलन किया जा रहा है।

'काम के आधार पर वोट मांगकर दिखाए भाजपा'

जयपुर। नेता प्रतिपक्ष टीकाराम जूली ने आगामी नगरीय निकाय चुनावों को लेकर भाजपा सरकार पर निशाना साधते हुए कहा कि भाजपा काम के आधार पर वोट मांगने का साहस नहीं रखती और चुनाव के समय हिंदू-मुस्लिम की राजनीति का सहारा लेती है।

उन्होंने चुनौती दी कि यदि सरकार ने वास्तव में विकास कार्य किए हैं तो भाजपा नेता अपने काम के आधार पर जनता से वोट मांगकर दिखाएं। जूली ने कहा कि प्रदेश में शिक्षा और स्वास्थ्य जैसी बुनियादी सुविधाएं बदहाल हैं। सरकारी अस्पतालों की व्यवस्थाएं प्रभावित हैं, शिक्षण संस्थानों की स्थिति खराब है और बेरोजगार युवाओं को कई महीनों से भत्ता नहीं मिल रहा है। उन्होंने आरोप लगाया कि पहले जनता को आसानी से मिलने वाली लोककल्याणकारी सुविधाएं भी प्रशासनिक अनदेखी के कारण प्रभावित हुई हैं। नेता प्रतिपक्ष ने कहा कि चुनाव नजदीक आते ही भाजपा नेता जनता के बीच दिखाई देने लगे हैं।

दो माह से दवा उपलब्ध नहीं कराने वाली 215 निजी फार्मेसियों का टीएमएस अस्थायी रूप से बंद

आर.जी.एच.एस. में दवा वितरण की लापरवाही पर सरकार ने दिखाई सख्ती

-कार्यालय संवाददाता-

जयपुर। राजस्थान गवर्नमेंट हेल्थ स्कीम (आरजीएचएस) के लाभार्थियों को समय पर दवाइयां उपलब्ध नहीं कराने पर राज्य सरकार ने सख्त कार्रवाई की है। करीब दो माह से आरजीएचएस के तहत कार्य नहीं करने वाली प्रदेश की 215 निजी फार्मेसियों का टीएमएस अस्थायी रूप से बंद किया गया है। इनमें जयपुर की सर्वाधिक 39 फार्मेसियां शामिल हैं।

प्रमुख शासन सचिव चिकित्सा एवं स्वास्थ्य गायत्री राठौड़ ने बताया कि दवा वितरण व्यवस्था की लगातार निगरानी की जा रही है। लंबे समय से दवा उपलब्ध नहीं कराने वाली फार्मेसियों को स्पष्टीकरण का अवसर दिया गया था। असंतोषजनक जवाब मिलने अथवा कारण बताओ नोटिस का उत्तर नहीं देने पर संबंधित फार्मेसियों का टीएमएस निलंबित किया गया है।

परियोजना अधिकारी, आरजीएचएस डॉ. निधि पटेल ने बताया कि अलवर एवं सीकर में 20-20, भरतपुर, चूरू एवं दौसा में 10-10, अजमेर में 9, झुंझुनूं एवं श्रीगंगानगर में 8-8, जोधपुर एवं कोटा में 7-7, हनुमानगढ़ एवं पाली में 6-6 तथा अन्य जिलों में भी निर्धारित संख्या में फार्मेसियों पर कार्रवाई की गई है।

■ **चिकित्सा विभाग के मुताबिक जयपुर में सर्वाधिक 39 फार्मेसियों पर कार्रवाई की गई है।**

राजस्थान से बाहर दिल्ली एवं गुरुग्राम की एक-एक फार्मेसी का टीएमएस भी अस्थायी रूप से बंद किया गया है। उन्होंने कहा कि आरजीएचएस का उद्देश्य पात्र लाभार्थियों को आवश्यक दवाइयां समय पर उपलब्ध कराना है। दवा वितरण में लापरवाही या अनावश्यक देरी को गंभीरता से लिया जा रहा है। डॉ. पटेल ने बताया कि संबंधित फार्मेसियों से प्राप्त स्पष्टीकरण और अभिलेखों की जांच के बाद नियमानुसार आगामी कार्रवाई की जाएगी।

आरक्षण लागू होने तक विद्या संबल योजना की चयन प्रक्रिया स्थगित रखने की मांग

जयपुर (कासं)। राजस्थान शिक्षक संघ (अम्बेडकर) ने विद्या संबल योजना के तहत गेस्ट फैकल्टी के चयन में संविधानसम्मत आरक्षण, जिला स्तर पर कैडरवार रोस्टर एवं पारदर्शी चयन प्रक्रिया लागू होने तक वर्तमान चयन प्रक्रिया स्थगित रखने की मांग की है। प्रदेश अध्यक्ष कृष्ण बारूपाल ने मुख्यमंत्री एवं शिक्षा मंत्री को भेजे ज्ञापन में यह मांग रखी।

संगठन ने कहा कि 18 अगस्त 2026 को जारी दिशा-निर्देशों के तहत राजकीय विद्यालयों में शिक्षकों के रिक्त पदों पर विद्या संबल योजना से गेस्ट फैकल्टी लगाने का निर्णय लिया गया है। संगठन विद्यार्थियों की शैक्षिणक आवश्यकता के लिए अस्थायी व्यवस्था के पक्ष में है, लेकिन चयन में आरक्षण एवं पारदर्शिता के स्पष्ट प्रावधान नहीं होने पर चिंता जताई है।

ज्ञापन में अनुच्छेद 14 एवं 16 के अनुरूप समान अवसर और आरक्षण की पालना सुनिश्चित करने तथा प्रत्येक जिले में कैडरवार रिक्तियों के आधार पर रोस्टर लागू करने की मांग की गई। संगठन ने कहा कि विद्या संबल योजना को नियमित सरकारी सेवा में प्रवेश का 'बैक डोर' माध्यम नहीं बनाया जाना चाहिए और संविदा अनुभव को नियमित नियुक्ति का आधार नहीं बनाया जाए।

'कोटपूतली-किशनगढ़ एक्सप्रेसवे के विरोध में 2 सितंबर को विधानसभा घेरेंगे किसान'

जयपुर (कासं)। कोटपूतली-किशनगढ़ ग्रीनफील्ड एक्सप्रेसवे को निरस्त करने की मांग को लेकर किसान महापंचायत ने आंदोलन तेज करने का ऐलान किया है। सरकार के साथ तीसरे चरण की वार्ता के तहत बुधवार को जयपुर कलक्ट्री सभागार में निर्माण कंपनी की ओर से प्रजेंटेशन दिया गया, लेकिन किसान प्रतिनिधि इससे संतुष्ट नहीं हुए। बैठक में जयपुर जिला कलक्टर संदेश नायक, सार्वजनिक निर्माण विभाग के अधिकारी और निर्माण कंपनी के प्रतिनिधि मौजूद रहे।

किसान महापंचायत के अनुसार करीब 209.5 किलोमीटर लंबे एक्सप्रेसवे से 45,174 परिवारों के करीब ढाई लाख किसान प्रभावित होंगे। सरकार के सामाजिक प्रभाव आकलन में जयपुर, सीकर, अजमेर और कोटपूतली-बहरोड़ जिलों में 3,641 हेक्टेयर यानी करीब 14,564 बीघा भूमि के अधिग्रहण और 33,032 पेड़ों के प्रभावित होने का उल्लेख है।

राष्ट्रीय अध्यक्ष रामपाल जाट के नेतृत्व में हुई बैठक में किसान पदाधिकारियों ने घोषणा की है कि 2 सितंबर को 1000 से अधिक ट्रैक्टरों के साथ जयपुर कूच कर विधानसभा का घेराव किया जाएगा। आंदोलन में सीकर, अजमेर, जयपुर और कोटपूतली-बहरोड़ के किसान शामिल होंगे। किसान नेताओं ने कहा कि सरकार आंदोलन को दबाने का प्रयास करती है तो आंदोलन और तेज किया जाएगा।

झालावाड़ से जयपुर पहुंची 45 ग्राम स्मैक की खेप

पुलिस ने नशीले पदार्थ की डिलीवरी से पहले 2 तस्करो को दबोचा, कार भी जब्त की

-कार्यालय संवाददाता-

जयपुर। सिंधी कैंप थाना इलाके में पुलिस ने मादक पदार्थ तस्करी के खिलाफ कार्रवाई करते हुए 45 ग्राम स्मैक के साथ दो आरोपियों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने आरोपियों के कब्जे से तस्करी में इस्तेमाल कार भी जब्त की है। पुलिस के अनुसार स्मैक की यह खेप झालावाड़ क्षेत्र से जयपुर लाई गई थी और सिंधी कैंप थाना इलाके में इसकी डिलीवरी होनी थी। डिलीवरी से ठीक पहले सीएसटी टीम ने दोनों आरोपियों को पकड़ लिया।

विशेष पुलिस कमिश्नर ओमप्रकाश ने बताया कि एनडीपीएस यूनिट की ओर से उपलब्ध कराए गए मोबाइल नंबरों का तकनीकी शाखा से विश्लेषण कराया गया। इसके आधार पर पुलिस को आरोपियों की गतिविधियों के बारे में जानकारी मिली। सूचना के बाद सिंधी कैंप थाना पुलिस और सीएसटी की टीम ने कार्रवाई की।

गिरफ्तार आरोपी दिनेश तंवर और कयूम

पुलिस उपायुक्त जयपुर पश्चिम प्रशांत किरण ने बताया कि नगर निकाय चुनाव के मद्देनजर मादक पदार्थ तस्करों के खिलाफ अभियान चलाया जा रहा है। जिसके चलते सिंधी कैंप थानाधिकारी वंदना नरूला के नेतृत्व में टीम गठित की गई।

थानाधिकारी वंदना नरूला के अनुसार 25 अगस्त 2026 को झालावाड़ से स्मैक की खेप लेकर जयपुर आए दिनेश तंवर (26) निवासी खिलचीपुर जिला राजगढ़ (मध्य प्रदेश) को डिलीवरी देने के दौरान पकड़ा गया। उसके साथ जयपुर में स्मैक की खेप मंगवाने वाला मोहम्मद कयूम (52) निवासी गलता गेट जयपुर भी पुलिस के हत्थे चढ़ गया। दोनों के कब्जे से 45 ग्राम स्मैक बरामद हुई।

प्रारंभिक पूछताछ में सामने आया कि दिनेश तंवर मध्यप्रदेश के राजगढ़ जिले का रहने वाला है और वह अकलेरा, झालावाड़ निवासी कैलाश तंवर से स्मैक लेकर जयपुर पहुंचा था। यहां उसे यह खेप मोहम्मद कयूम को सप्लाई करनी थी। पुलिस अब यह पता लगाने में जुटी है कि झालावाड़ से मादक पदार्थ कहां से खरीदा गया, जयपुर में इसकी आगे किसे आपूर्ति की जानी थी और इस नेटवर्क में और कौन लोग शामिल हैं।

20 किलो पनीर व 125 किलो दूषित मिठाईयां नष्ट कराईं

खाद्य सुरक्षा टीम ने मानसरोवर क्षेत्र में औचक निरीक्षण के बाद 50 किलो संदिग्ध मिल्क केक सीज किया

मानसरोवर क्षेत्र में जब्त किया गया संदिग्ध मिल्क केक।

-कार्यालय संवाददाता-

जयपुर। रक्षाबंधन से पहले मिलावटखोरी के खिलाफ चलाए जा रहे 'शुद्ध आहार मिलावट पर वार' अभियान के तहत जयपुर द्वितीय की खाद्य सुरक्षा टीम ने बुधवार को मानसरोवर क्षेत्र में मिठाई और खाद्य सामग्री की दुकानों पर कार्रवाई की। टीम ने करीब 50 किलो संदिग्ध मिल्क केक सीज, 20 किलो घटिया पनीर और 125 किलो दूषित मिठाइयां मौके पर नष्ट करवाईं। कार्रवाई के दौरान करीब एक दर्जन दुकानों का निरीक्षण कर विभिन्न खाद्य पदार्थों के नमूने भी लिए गए।

सीएमएचओ जयपुर द्वितीय डॉ. मनीष मित्तल ने बताया कि मानसरोवर स्थित मैसर्स डीजे पनीर उद्योग खैरथल और अलवर से मिल्क केक मंगवाकर मिठाई की दुकानों पर सप्लाई करता है। फर्म संचालक ने बताया कि मिल्क केक मिल्क पाउडर, लिक्विड ग्लूकोज आदि से तैयार किया जाता है और इसे करीब 250 रुपए प्रति किलो की दर से खरीदा जाता है।

■ **खाद्य सुरक्षा टीम ने करीब एक दर्जन दुकानों से नमूने लेकर जांच के लिए भिजवाएं**

टीम ने मिल्क केक का नमूना लिया और शेष करीब 50 किलो संदिग्ध मिल्क केक को जांच रिपोर्ट आने तक कोल्ड रूम में सीज कर दिया। इस निरीक्षण के दौरान फर्म पर रखा करीब 20 किलो पनीर भी घटिया गुणवत्ता का पाया गया। यह पनीर चौमूं से करीब 230 रुपए प्रति किलो की दर से मंगाया जा रहा था। टीम ने पनीर का नमूना लिया और शेष सामग्री को मौके पर नष्ट करवाया।

वहीं पत्रकार रोड स्थित मैसर्स जोधपुर मिष्ठान भंडार के निरीक्षण में टीम को करीब 125 किलो दूषित रसगुल्ले, कानपुरी लड्डू, घेवर और गुलाब जामुन मिले। खाद्य सुरक्षा अधिकारियों ने इन्हें मौके पर ही नष्ट करवा दिया।

टीम ने क्षेत्र की करीब एक दर्जन मिठाई दुकानों का निरीक्षण कर विभिन्न प्रकार की मिठाइयों के नमूने लिए। निरीक्षण के दौरान जिन दुकानों पर खाद्य सुरक्षा मानकों के अनुरूप कमियां मिलीं, उन्हें इंप्रूवमेंट नोटिस जारी किए जाएंगे।

फागी, रेनवाल मांजी में भी कार्रवाई की

मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी जयपुर द्वितीय डॉ. मनीष मित्तल ने बताया कि खाद्य सुरक्षा टीम ने बुधवार को फागी, रेनवाल मांजी और मदरामपुरा क्षेत्र में 125 किलो से ज्यादा दूषित मावा और मिठाईयां नष्ट करवाने की कार्रवाई की। टीम ने करीब आधा दर्जन मिठाई निर्माताओं, मावा निर्माताओं और रिटेलर्स के प्रतिष्ठानों का निरीक्षण कर खाद्य सामग्री के नमूने लिए। वहीं, फागी और रेनवाल मांजी स्थित मिठाई निर्माताओं के यहां मिले 125 किलो दूषित मावा-मिठाइयों को मौके पर ही नष्ट कराया गया।

सार-समाचार

कलाकारों ने सुनाए सदाबहार गाने

जयपुर। संगीत आश्रम संस्थान की ओर से शास्त्री नगर संस्थान परिसर में चल रहे दो दिवसीय संगीत समारोह के आखिरी दिन बुधवार को बॉलीवुड के अमर गायक मुकेश की याद में कार्यक्रम आयोजित कर उन्हें स्वरांजलि अर्पित की गई। कार्यक्रम में बाल एवम् युवा कलाकारों ने गायक मुकेश के गाए सदाबहार नगमे अपनी पुरकशिश आवाज में पिरोकर. श्रोताओं के दिलों को छू लिया। कार्यक्रम में कलाकार निधि कुमारी ने दिल की नजर से...., वनिता हिरानी ने सारंगा तेरी याद में..., दिव्यांगिनी शर्मा ने दिल तड़प तड़प के... , निकुंज सोनी ने एक दिन बिक जाएगा..., पुष्पेन्द्र सिंह ने कि जिन्दगी ख्वाब..., मेहाई सिंह ने धीरे धीरे बोल कोई..., खुशबू कंवर ने दुनिया वालों से दूर..., अंजलि शर्मा ने आ जारे अब मेरा दिल पुकारे..., मंजूर रहमान ने महबूब मेरे..., पुनित खण्डेलवाल ने सावन का महीना..., समन्विता सरकार ने छोड़ो कल की बातें..., तारा चंद जैन ने आंसू भरी ये जीवन..., सुमित्रा अग्रवाल ने चांद आहे भरेगा..., मीशा खंडेलवाल ने मैंने तेरे लिए ही सात रंग के सपने..., चिराग दुबे ने चंदन सा बदन... जैसे गीत सुनाकर संगीत की मेलोडी आबोहवा में घोल दी। कलाकार मेहाई, हाशिम , अलंकृता, मोहित, विशालाक्षी ने भी गीत सुनाए। कीबोर्ड पर दौलत सिंह, हिमांशु गिटार पर दिशा शर्मा,तबले पर वरुण जांगिड़, हारमोनियम पर वत्सल अनुपम ने संगत की। संचालन वीना अनुपम ने किया। अंत में संस्था सचिव अमित अनुपम ने सभी आगंतुकों का आभार जताया।

एसकेआईटी में 'वॉल ऑफ फेम'

जयपुर। एसकेआईटी ने छात्रों की शैक्षिणक, नवाचार, खेल, सांस्कृतिक गतिविधियों, नेतृत्व एवं अन्य क्षेत्रों में उत्कृष्ट उपलब्धियों को सम्मानित करने के लिए 'वॉल ऑफ फेम' की शुरुआत की है। इस पहल के तहत हर महीने उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले छात्रों के नाम और फोटो प्रदर्शित किए जाएंगे। 'वॉल ऑफ फेम' का उद्घाटन कॉर्पोरेट रिलेशंस एवं स्किल डेवलपमेंट के प्रभारी परीजीत मील ने किया। इस अवसर पर डायरेक्टर जयपाल मील, डायरेक्टर एकेडमिक्स प्रो. एस. एल. सुराना, रजिस्ट्रार रचना मील, प्रिंसिपल प्रो. रमेश पचार, डीन प्रो. आर. के. जैन सहित विभिन्न विभागों के प्रमुख मौजूद रहे। परीजीत मील ने छात्रों की प्रतिभा को निखारने और उत्कृष्ट प्रदर्शन की संस्कृति को बढ़ावा देने के लिए संस्थान की प्रतिबद्धता दोहराई। उन्होंने पिछले शैक्षिणक सत्र में उपलब्धियां हासिल करने वाले छात्रों को सम्मानित करते हुए उनके योगदान की सराहना की। 'वॉल ऑफ फेम' को छात्रों के लिए प्रेरणा और बेहतर प्रदर्शन के लिए प्रोत्साहन का मंच बताया गया।

जयपुर में सजेगा विश्व सिनेमा का मंच

जयपुर। जयपुर इंटरनेशनल फिल्म फेस्टिवल ट्रस्ट की ओर से आयोजित 9वें आर्यन इंटरनेशनल चिल्ड्रन्स फिल्म फेस्टिवल ऑफ जयपुर और 11वें सिक्सटीन इंटरनेशनल फिल्म फेस्टिवल्स के पुरस्कारों की घोषणा बुधवार को की गई। भारत सहित विभिन्न देशों की चयनित फिल्मों को कहानी, निर्देशन, रचनात्मकता और विषयवस्तु के आधार पर अलग-अलग श्रेणियों में सम्मानित किया गया। एआईसीएफएफ-2026 में डेविड बाउटे के निर्देशन में बनी पनामा और स्पेन की फिल्म 'ब्लैक बटरफ्लाइज' को सर्वश्रेष्ठ एनिमेशन फीचर फिल्म का पुरस्कार दिया गया। भारत की सुवीर सहगल निर्देशित 'रीबिल्डिंग फ्रीडम' को सर्वश्रेष्ठ लघु वृत्तिचत्र/विद्यार्थी फिल्म चुना गया। ग्रीस की इयूलिया लिम्पेरोपोलू की 'द पैच' को सर्वश्रेष्ठ लघु एनिमेशन फिल्म और फ्रांस की लायना तादून तथा सोफियान चौआइब निर्देशित 'या हनौनी' को सर्वश्रेष्ठ लघु कथा फिल्म का पुरस्कार मिला। बेनिन की जेसुगनोन गेडेओन टाइट फिनीसेस सेठ अहूनू की 'बेनिन माई हार्ट' को सर्वश्रेष्ठ वृत्तिचत्र फीचर फिल्म का पुरस्कार दिया गया। वहीं भारत की राजेंद्र श्रीहरी बागाटे और वैभव गणेश कुलकर्णी की मराठी फीचर फिल्म 'चिकीजिंग' को सर्वश्रेष्ठ फीचर कथा फिल्म का पुरस्कार मिला।

14 स्थानों पर मतदान दलों का प्रशिक्षण

जयपुर (कासं)। नगरीय निकाय आम चुनाव-2026 के लिए नियुक्त मतदान दलों का प्रथम चरण का प्रशिक्षण बुधवार से शुरू हुआ। जयपुर शहर में 4 और ग्रामीण क्षेत्र में 10 स्थानों पर आयोजित प्रशिक्षण में मतदान कार्मिकों को निर्वाचन प्रक्रिया, मतदान कार्य, विभिन्न प्रपत्रों के संधारण एवं उनके दायित्वों की जानकारी दी गई। जिला निर्वाचन अधिकारी एवं कलक्टर संदेश नायक ने बताया कि जो कार्मिक अनुपस्थित रहे हैं, उनके खिलाफ कार्रवाई की जाएगी।

A Peel of Celebration

Celebrated on August 27, National Banana Lovers Day is dedicated to one of the world's most popular and nutritious fruits. Bananas are not only a delicious snack but also packed with essential nutrients like potassium, fiber, and vitamin B6. This day celebrates banana enthusiasts and the many ways this versatile fruit can be enjoyed, whether blended into smoothies, baked into bread, or eaten straight from the peel. It's also a great time to appreciate the global significance of banana cultivation and the farmers behind it. On this fruity occasion, banana lovers indulge and go bananas for their favourite treat!

The World's First Chemistry Lab

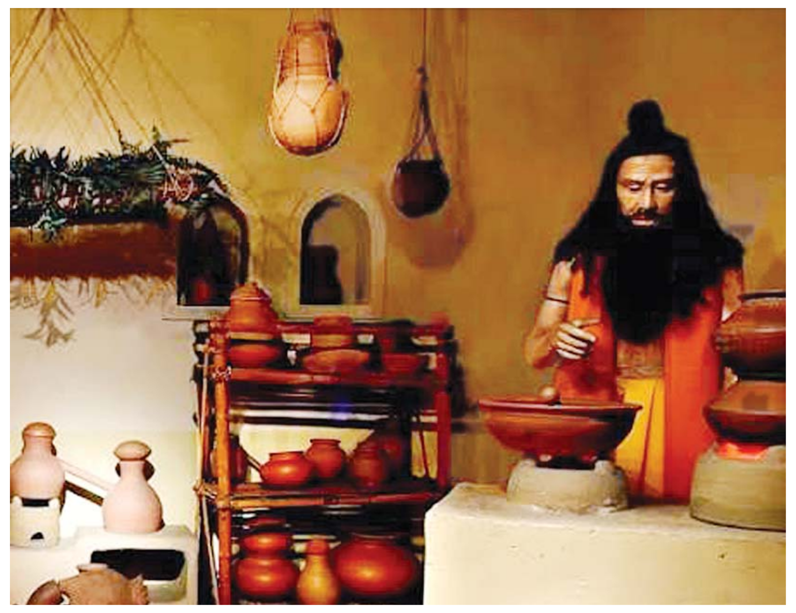

Traditional accounts hold that Nagarjuna practiced ayurvedic alchemy (rasayana). Kumarajiva's biography, for example, describes Nagarjuna making an elixir of invisibility, and Bus-ton, Taranatha and Xuanzang all recount that he could turn rocks into gold. The most recent comprehensive discussion of the complicated text-historical issues connected with the name Nagarjuna is given in the *History of Indian Medical Literature*.

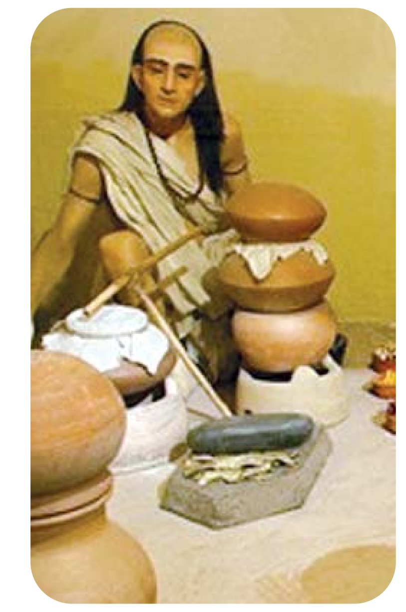

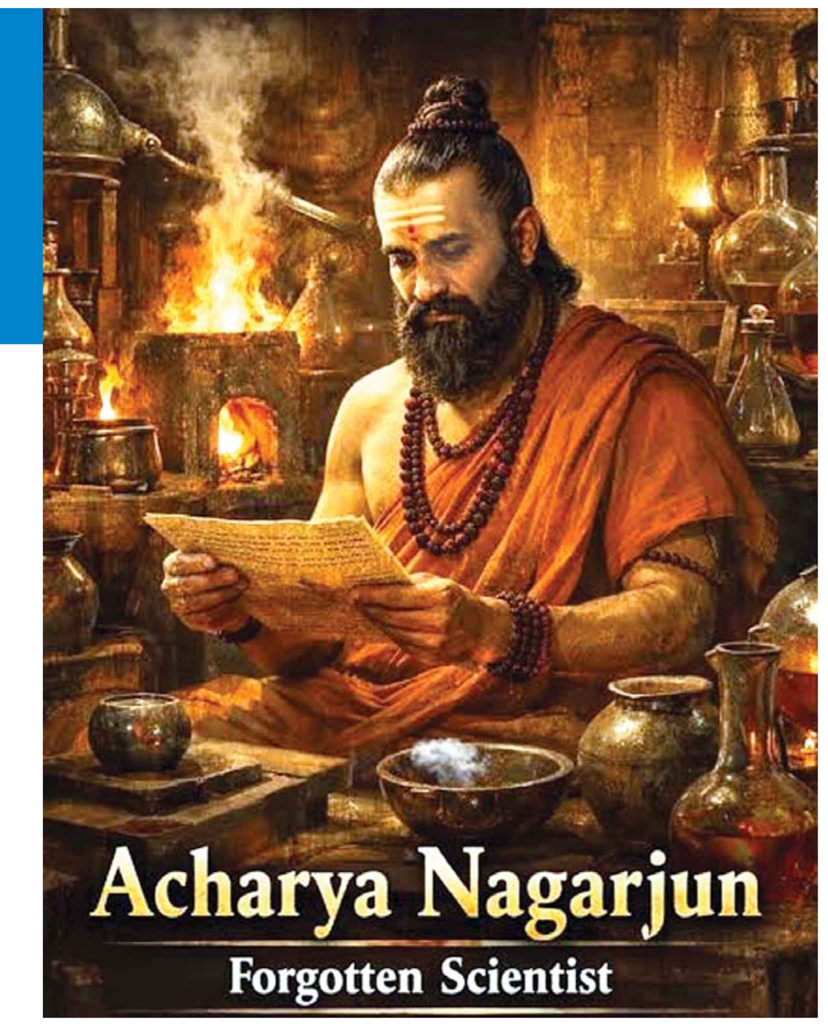

● Kshema Jatuhkarna

Nagarjuna, a legendary figure in ancient Indian science and alchemy, is often credited with groundbreaking contributions in various fields, especially chemistry. His work in the area of alchemy and metallurgy laid the foundation for some of the world's earliest advancements in these fields. One of his most notable achievements is the establishment of what is believed to be the world's first chemistry laboratory in the village of Nagalwada, Maharashtra, long before Western science had any similar institutions. Nagarjuna's experiments in alchemy and material science were centuries ahead of their time, influencing the scientific world for generations. There are conflicting traditions of Nagarjuna also as a founder of the Mahayana sect of Buddhism, and Nagarjuna the alchemist. Chinese and Tibetan literature suggests Nagarjuna was born in Vidarbha, and later migrated to the nearby Satavahana dynasty. One tradition is that Rasa Siddha Nagarjuna was born in Gujarat. He later travelled to various places in South India and established many laboratories. There are evidences found of his experimental laboratory in village Nagalwadi in Maharashtra state. According to some evidences, he was working on immortality and knew the extraction of iron and mercury. There is much confusion about this author in the secondary literature. A 1984 study of manuscripts and printed editions connected with the alchemist Nagarjuna found that his name is associated with a work titled Rasendramangala.

Traditional accounts hold that Nagarjuna practiced ayurvedic alchemy (rasayana). Kumarajiva's biography, for example, describes Nagarjuna making an elixir of invisibility, and Bus-ton, Taranatha and Xuanzang all recount that he could turn rocks into gold. The most recent comprehensive discussion of the complicated text-historical issues connected with the name Nagarjuna is given in the *History of Indian Medical Literature.*

Substance for imitation jewellery

At a time when the Western scientists conducted subsequent experiments in Alchemy and failed, in India, alchemy saw a prominence in similar experiments by Nagarjuna. He discovered through his experiments in his laboratory the alchemy of transmuting base metals into gold. It was not the actual gold, but a gold-like substance or element that looked like gold and shone like gold. This gold-shine mechanism technology is used today by the jewellery industry for making imitation jewellery. The gold shine in imitation jewellery we wear today is a gift by Nagarjuna.

Work on Mercury

He did his experiments especially on mercury. He distinguished between the metals and the submetals and also between solvents and soluble. He stated that Mercury could dissolve all metals. He also invented the processes of "Distillation" and "Calcinations." He succeeded in discovering and learning the properties of Black Sulphide of antimony. Makardhwaj or Chandrodaya is a Mercury compound which can work as a magic power with patients who are close to death.

He was the first person on the planet to use Mercury as medicine.

#NAGARJUNA'S LEGACY

He found five types of mercury: red and grey were good; yellow, white or multicoloured had so many bad qualities and this should be used as a medicine after several treatments.

Some verses from Nagarjuna's book and their meanings:

Verse:

यथा कुंजरप्रस्तारे सौवर्च
विद्युतो यथो।
तथा रसायनादौ तु सिद्धिः
कार्या यथाविधि?

Meaning: "Just as electricity is produced from a spot of water on an elephant's forehead, or as light is produced from a crystal, similarly, success in chemical processes must be achieved methodically."

This verse uses similes (metaphors) to convey the idea that success in chemical processes is achieved through careful and proper procedures, similar to the manifestation of electricity or light.

Verse:

सर्वं द्रव्यं यथा दोषैः
संस्कार्यं रसरूपता।
तथा तत्त्वे स्वकर्माणि
संस्कुर्वीतादौ पुरुषः?

Meaning: "Just as all substances are purified by removing impurities, similarly, one must purify oneself to purify one's actions."

This verse draws an equation between the process of purification of substances in chemistry and the improvement of their functions in life, highlighting the importance of purification of the soul and taking into account the greatness of inner purification in the prejudice of spiritual and alchemical goals.

Because of his profound scholarliness and versatile knowledge, he was appointed as Chancellor of the famous University of Nalanda.

The First Chemistry Lab

Nagarjuna's chemistry laboratory, located in Nagalwada, is thought to be the precursor to modern-day chemical laboratories. The complex work conducted here included various chemical processes, including refining metals and developing compounds that were not known to the ancient world. Scholars believe that Nagarjuna's laboratory was a center of experimentation with various elements, compounds, and chemical reactions, giving rise to what we now recognize as the early stages of modern chemistry. His laboratory not only produced advanced chemical knowledge but also practical applications that impacted daily life.

Polish on Gold and Silver: A Refining Revolution

One of Nagarjuna's remarkable achievements was the discovery of the process of polishing gold and silver. In ancient India, these precious metals were not just used for jewellery and currency but were also an integral part of religious and cultural practices. Nagarjuna's method of refining and polishing gold and silver created a brilliant finish, which is still admired for its clarity and sheen. This process, which involved chemical reactions to clean and purify the metals, laid the foundation for modern metalworking and was essential for the production of high-quality artifacts.

Designing, Finishing, and Adding Color

Nagarjuna was also known for developing methods for finishing and designing metals in ways that were revolutionary for his time. His understanding of metal properties allowed him to design intricate structures with impressive durability. But beyond just shaping metals, Nagarjuna's work included adding colors to the surface of metals. His techniques, likely involving a combination of alloying and coating processes, gave rise to the practice of applying vibrant, durable colors to gold and silver. These early methods would eventually lead to advancements in metal enameling and decorative techniques that are widely used today.

Antiseptic Medicines and Medical Innovation

Another area where Nagarjuna made significant contributions was in the field of medicine. He is often credited with formulating early antiseptic medicines, long before the term "antiseptic" was even coined in modern science. His experiments with medicinal plants and compounds led to the creation of substances that could prevent infections, aiding in the healing of wounds and the treatment of illnesses. These early antiseptic formulas showcased Nagarjuna's deep understanding of chemistry, biology, and the natural world.

Metal Science Methods for Mehrauli Pillar

Perhaps, one of Nagarjun's most enduring legacies is his work on the Mehrauli Pillar, where his methods of metal science were applied in the construction and preservation of this historic structure. The pillar in Delhi is an example of ancient Indian architectural genius, and Nagarjuna's expertise in metallurgy contributed significantly to its durability. His ability to mix and forge metals with precision helped protect the pillar from corrosion and wear over centuries, a technique that would influence later generations of engineers and architects.

The Beginning of Nanoparticles: Early Nanotechnology

In addition to his pioneering work in alchemy and metallurgy, Nagarjuna is often regarded as one of the early pioneers of what we now call nanotechnology. The manipulation of metals and materials at a microscopic level can be seen in Nagarjuna's work with nanoparticles. While the term "nanoparticle" did not exist in his time, Nagarjuna's ability to manipulate materials at a minute scale led to the creation of substances with unique properties. This early form of nanotechnology, particularly in the realm of metal coatings, colored surfaces, and the refining of materials, laid the groundwork for the eventual discovery of nanoparticles in modern science.

rajeshsharma1049@gmail.com

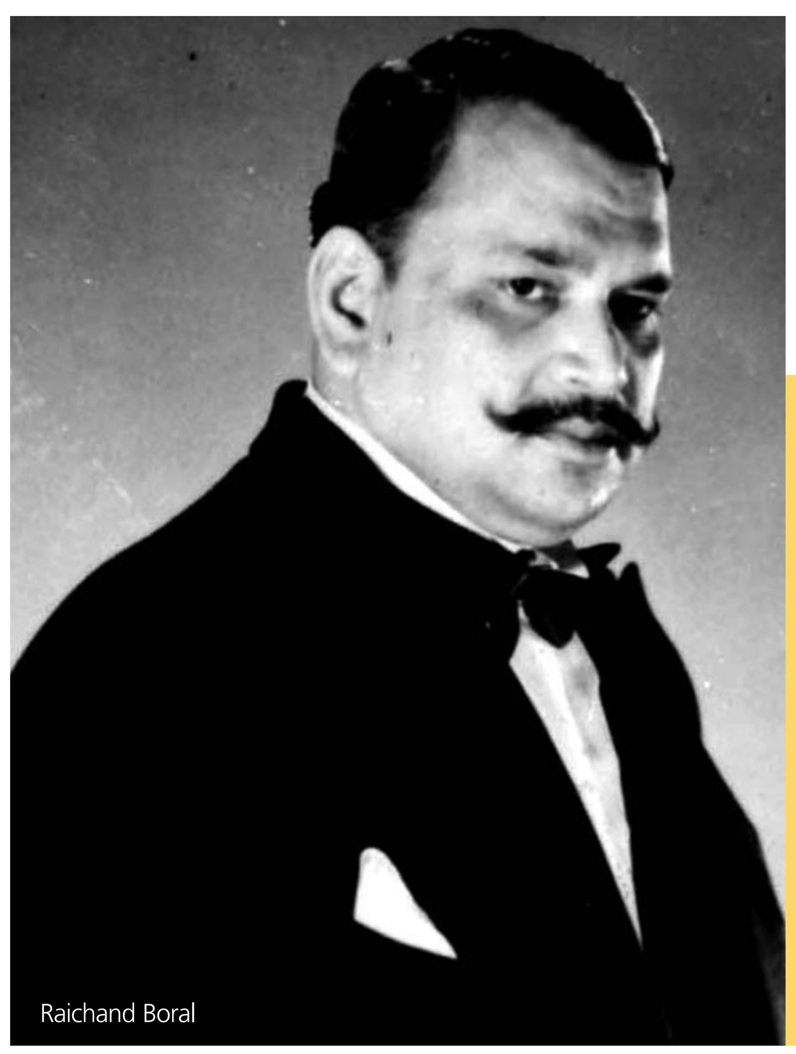

Raichand Boral

The Song That Changed Indian Cinema Forever

Later, Raichand Boral asked the tabla player why he had unexpectedly increased the tempo in the final section. The answer became part of film folklore. A fish had entered the musician's pyjama and was tickling him. The involuntary panic caused him to speed up the rhythm.

Uma Sashi

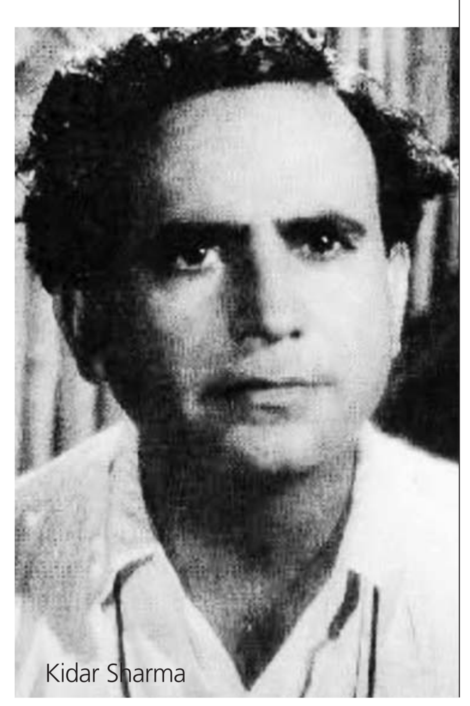

Kidar Sharma

DHOOP CHHAON

#PLAYBACK

● Bulbul Joshi

Indian cinema today is unimaginable without playback singing. The voices of Lata Mangeshkar, Asha Bhosle, Mohammed Rafi, Kishore Kumar, and countless others became inseparable from the emotional memory of generations. Yet, there was a time when playback singing did not exist at all.

Actors had to sing live during shooting.

No retakes with pre-recorded tracks. No studio polishing. No separate singers hidden behind glamorous stars. The actor, musicians, microphones, and camera all had to work together simultaneously in a single take. It was chaotic, technically limiting, and often unintentionally comic. The revolutionary idea that changed everything emerged in the 1930s at the legendary New Theatres studio in Calcutta, and at the center of that revolution stood Raichand Boral, remembered today as one of the fathers of Indian film music.

A memorable account of this transition appears in Kidar Sharma's autobiography, *The One and Lonely Kidar Sharma*. Through humor and vivid detail, Sharma captured the absurd difficulties of filmmaking before playback technology transformed cinema.

The Day Musicians Stood Inside a Pond

One incident from the book has become legendary. An early singer-actress, Uma Sashi, was filming a song sequence outdoors. The scene required her to stand near a tree and sing naturally on camera. Since songs were recorded live during shooting, the accompanying musicians had to remain nearby, but also hidden from the camera frame.

The solution was ingenious and ridiculous at the same time. The musicians hid themselves inside a pond. The flute player managed somehow, keeping his instrument above water. But the tabla and harmonium players faced a greater challenge. They reportedly tied their instruments around their waists and stood half-submerged in water so that they would remain invisible to the camera.

Shooting began.

Miraculously, everything went smoothly for most of the song. Uma Sashi continued singing while the musicians played from the pond like invisible aquatic accompanists. Then, near the end, the rhythm suddenly accelerated.

Still, the take somehow worked, and the director declared it acceptable.

Later, Raichand Boral asked the tabla player why he had unexpectedly increased the tempo in the final section. The answer became part of film folklore.

A fish had entered the musician's pyjama and was tickling him.

The involuntary panic caused him to speed up the rhythm.

The anecdote is hilarious, but it also reveals the enormous technical difficulties of early filmmaking. Every outdoor song sequence demanded impossible coordination. Cameras were bulky and noisy. Microphones were primitive. Musicians had to hide behind trees, walls, furniture, or even ponds.

Cinema desperately needed a better method.

The Birth of Playback Singing

The experience pushed Raichand Boral to think differently.

According to Kidar Sharma's account, Boral discussed the problem with filmmaker Nitin Bose and Bose's brother, Mukul Bose, who worked as a recordist at New Theatres. What if songs could be recorded separately first?

What if actors simply lip-synced during filming?

The idea sounds obvious today, but in the early 1930s, it was revolutionary. It would eliminate on-set recording chaos, improve sound quality, and fundamentally change casting itself.

For the first time, cinema could separate the singing voice from the screen performer.

That meant:

- talented singers, who were not actors, could still become stars,
- actors, who could not sing well, could still perform musical roles,
- songs could achieve far greater musical sophistication.

The implications were enormous.

Then came the breakthrough.

The new theaters

"Main Khush Hona Chahoon" and Dhoop Chhaon

In 1935, with the film *Dhoop Chhaon*, Raichand Boral introduced playback singing to Indian cinema.

The song "Main Khush Hona Chahoon" is widely regarded as the first playback song in Indian film history. Instead of recording the performers live during filming, the song was pre-recorded and later synchronized with actors on screen.

It was a technological and artistic revolution. The first playback singers associated with this experiment included:

- Parul Ghosh
- Harimati Dua
- Suprabha Sarkar
- Krishna Chandra Dey

Few at the time could have imagined how deeply this innovation would shape Indian culture.

The Invention That Created the Golden Age

Without playback singing, the history of Indian cinema would have been entirely different.

The system, pioneered by Raichand Boral, opened the door for generations of legendary singers whose voices became larger than the films themselves.

Playback singing transformed film music into an independent art form. Singers became national icons. Music directors gained creative freedom. Recording studios evolved into laboratories of emotion and experimentation.

And all of it traces back to a simple realization born from technical frustration: Perhaps, musicians should no longer stand hidden inside ponds while actors sang before the camera.

rajeshsharma1049@gmail.com

THE WALL

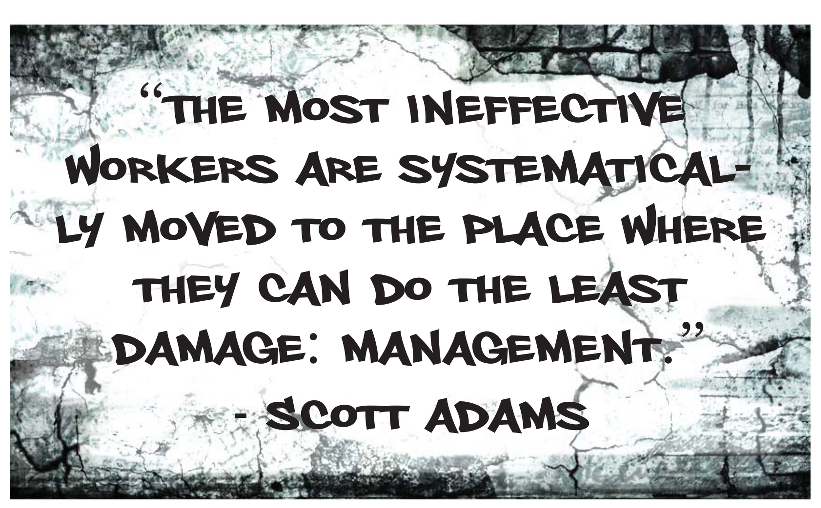

BABY BLUES

By Rick Kirkman & Jerry Scott

ZITS

By Jerry Scott & Jim Borgman

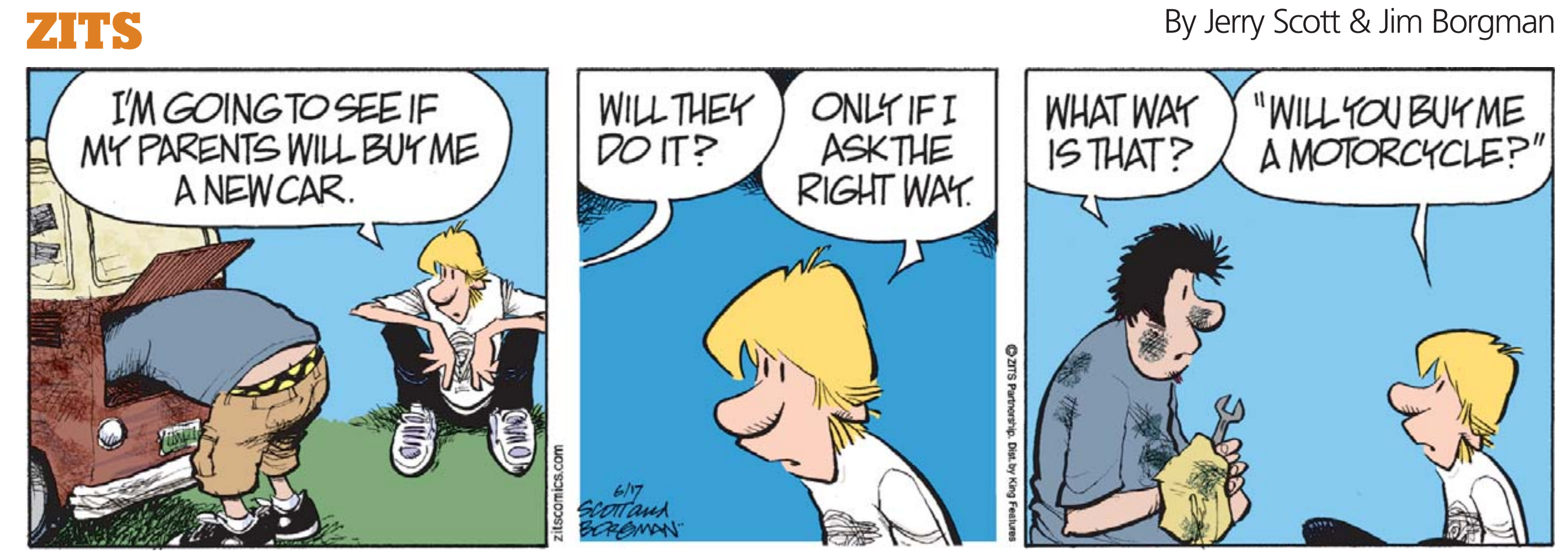

पुष्कर के गांव देवनगर में पानी की बूंद-बूंद को तरसे ग्रामीण, सड़क सुविधा भी बदहाल

10 दिन में महज 10-15 मिनट मिल रहा पानी, अधूरी सड़क से जलभराव और हादसों का खतरा

पुष्कर, (निसं)। ग्राम देवनगर में इन दिनों ग्रामीण मूलभूत सुविधाओं के लिए परेशान हैं। गांव में पेयजल, सड़क, रोड लाइट और सार्वजनिक परिवहन जैसी बुनियादी सुविधाओं की स्थिति खराब होने से ग्रामीणों को रोजमर्रा के कामों में भारी दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा है। समस्याओं से परेशान ग्रामीणों ने बुधवार को उपखंड अधिकारी गुरु प्रसाद तंवर को ज्ञापन सौंपकर जल्द समाधान की मांग की।

ग्रामीणों ने बताया कि गांव में बीसलपुर पेयजल योजना के तहत पानी की आपूर्ति होने के बावजूद उन्हें नियमित पेयजल उपलब्ध नहीं हो पा रहा है। ग्रामीणों के अनुसार करीब 10 दिन में एक बार पानी आता है और वह भी महज 10 से 15 मिनट तक ही आपूर्ति की जाती है। इतने कम समय में पूरे गांव के परिवारों की पानी की जरूरत पूरी होना संभव नहीं है। ग्रामीणों का कहना है कि पेयजल की कमी के कारण उन्हें पानी के लिए अन्य साधनों पर निर्भर रहना पड़ता है। गर्मी के मौसम में पानी की समस्या और भी गंभीर हो जाती है। ग्रामीणों ने नियमित और पर्याप्त पेयजल आपूर्ति सुनिश्चित करने की मांग की है।

देवसेना विधानसभा अध्यक्ष ओमप्रकाश गुर्जर ने बताया कि गांव में सड़क निर्माण का कार्य शुरू तो किया गया, लेकिन काफी समय से काम बंद पड़ा है। सड़क अधूरी होने के कारण जगह-जगह गड्ढे और कीचड़ की स्थिति बनी हुई है। बारिश के दौरान पानी जमा हो जाने से रास्ते में आवागमन मुश्किल हो जाता है।

ग्रामीणों का कहना है कि अधूरी सड़क के कारण वाहन चालकों के साथ पैदल चलने वाले लोगों को भी परेशानी होती है। कई स्थानों पर जलभराव के कारण दुर्घटना का खतरा बना रहता है। ग्रामीणों ने सड़क निर्माण कार्य जल्द पूरा करवाने की मांग की है।

- **गांव में पेयजल, सड़क, रोड लाइट और सार्वजनिक परिवहन जैसी बुनियादी सुविधाओं की स्थिति खराब होने से ग्रामीणों को रोजमर्रा के कामों में भारी दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा है।**
- **रोड लाइट के अभाव में अंधेरा, ग्रामीणों ने समस्याओं को लेकर उपखंड अधिकारी गुरु प्रसाद तंवर को ज्ञापन सौंपा**

गांव की सबसे बड़ी समस्याओं में सार्वजनिक परिवहन का अभाव भी शामिल है। ग्रामीणों ने बताया कि रोजगार के लिए प्रतिदिन पुष्कर आने-जाने वाले लोगों को परिवहन सुविधा के अभाव में परेशानी उठानी पड़ती है। इसके अलावा गांव के कई विद्यार्थी विज्ञान और वाणिज्य संकाय में अध्ययन के लिए प्रतिदिन पुष्कर जाते हैं। बस सुविधा नहीं होने के कारण विद्यार्थियों को निजी साधनों या अन्य वाहनों पर निर्भर रहना पड़ता है। इससे समय और धन दोनों की बर्बादी होती है। ग्रामीणों ने देवनगर से पुष्कर के बीच नियमित बस सेवा शुरू करवाने की मांग की है, ताकि विद्यार्थियों और कामकाजी लोगों को राहत मिल सके।

ग्रामीणों ने गांव में रोड लाइट की समस्या भी उठाई। उनका कहना है कि कई स्थानों पर रात के समय पर्याप्त रोशनी की व्यवस्था नहीं है। अंधेरे के कारण ग्रामीणों को आवागमन में परेशानी होती है और चोरी जैसी घटनाओं का खतरा भी बना रहता है। ग्रामीणों ने बताया कि गांव में आए दिन चोरी की घटनाओं की शिकायतें सामने आती रहती हैं। ऐसे में प्रमुख रास्तों और सार्वजनिक स्थानों पर रोड लाइट लगाना जरूरी है, ताकि रात के समय सुरक्षा व्यवस्था बेहतर हो सके।

ग्रामीणों ने आरोप लगाया कि इन समस्याओं को लेकर ग्राम पंचायत स्तर पर कई बार जिम्मेदारों को अवगत कराया जा चुका है, लेकिन अभी तक स्थायी समाधान नहीं हुआ। लगातार समस्याओं का सामना करने के बाद ग्रामीणों ने अब उपखंड अधिकारी से हस्तक्षेप की मांग की है।

ग्रामीणों ने ज्ञापन के माध्यम से देवनगर में नियमित पेयजल आपूर्ति, अधूरी सड़क का निर्माण पूरा कराने, जलभराव की समस्या दूर करने, पर्याप्त रोड लाइट लगाने और पुष्कर के लिए नियमित बस सेवा शुरू करवाने की मांग की। ग्रामीणों का कहना है कि यदि इन समस्याओं का जल्द समाधान नहीं हुआ तो उन्हें आगे भी आंदोलन का रास्ता अपनाना पड़ सकता है।

घर में घुसकर किन्नर से मारपीट, दो आरोपी गिरफ्तार

पुष्कर, (निसं)। सुशीला किन्नर के घर में घुसकर लाठी-डंडों से मारपीट करने के मामले में पुष्कर थाना पुलिस ने कार्रवाई करते हुए दो आरोपियों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने दोनों आरोपियों से पूछताछ शुरू कर मामले में अग्रिम अनुसंधान किया जा रहा है।

थानाधिकारी अशोक बिशु ने बताया कि 25 जुलाई को सुशीला किन्नर निवासी रेलवे फाटक के पास, देव नगर रोड, बांसेली के घर में कुछ लोग घुस आए थे। आरोपियों ने लाठी-डंडों से उसके साथ मारपीट की थी। घटना के बाद पीड़िता की ओर से पुष्कर थाने में रिपोर्ट दर्ज कराई गई थी। पुलिस ने मामला दर्ज कर आरोपियों की तलाश शुरू कर दी थी।

- **पुलिस ने दोनों आरोपियों को गिरफ्तार करने के बाद उनसे घटना के संबंध में गहन पूछताछ शुरू की**

पुष्कर थाना पुलिस ने मारपीट के आरोपियों को गिरफ्तार किया।

मामले की गंभीरता को देखते हुए पुलिस अधीक्षक हर्षवर्धन अग्रवाला और वृत्ताधिकारी ग्रामीण सत्येन्द्र सिंह नेगी के निर्देश पर थानाधिकारी अशोक बिशु के नेतृत्व में पुलिस टीम का गठन किया गया। टीम ने आरोपियों की तलाश के लिए संभावित स्थानों पर दबिश देने के साथ ही मुखबिर तंत्र को सक्रिय किया। मुखबिर से मिली सूचना के आधार पर पुलिस ने 25 अगस्त को कार्रवाई करते हुए जसराज गुर्जर पुत्र रामदेव गुर्जर, तथा पंकज गुर्जर पुत्र दयाल गुर्जर, दोनों निवासी देवजी की ढाणी, गांव देवनगर, थाना पुष्कर को गिरफ्तार कर लिया। पुलिस ने दोनों आरोपियों को गिरफ्तार करने के बाद उनसे घटना के संबंध में गहन पूछताछ शुरू कर दी है। मामले में अन्य तथ्यों की भी जांच की जा रही है।

नशामुक्ति केंद्र धानोठी से 40 लोग भागे, किसानों ने चोर समझकर पीटा

आरोप है कि ये सभी लोग नशामुक्ति केंद्र में अवैध तरीके से अमानवीय अत्याचार के खिलाफ थे

सिद्धमुख, (निसं)। धानोठी तिराहे पर संचालित एक नशामुक्ति केंद्र से बुधवार को करीब 40 लोगों के अचानक भाग निकलने का घटनाक्रम सामने आया है। आरोप है कि ये सभी लोग नशामुक्ति केंद्र में अवैध तरीके से अमानवीय अत्याचार के खिलाफ लामबंद होकर बुधवार सुबह बगावत करते हुए बाहर निकलने की हिम्मत जुटाकर आजादी के नारे लगाते हुए नशामुक्ति केंद्र से भाग निकले। भागते समय खेतों से होकर गुजरने पर किसानों ने इन्हें चोर-उचक्का समझकर कुछ लोगों की पिटाई भी कर दी, जिसका वीडियो कुछ देर के लिए सोशल मीडिया पर वायरल भी हुआ। जानकारों के अनुसार बंदिश से मुक्ति पाए इन लोगों में से कुछ लोगों नशामुक्ति संचालकों ने पकड़कर पुनः नशामुक्ति केंद्र में डाल दिया है, कुछ अज्ञात स्थान को भाग निकले हैं। आरोप है कि भयंकर यातनाओं से तंग आकर बगावत कर नशामुक्ति केंद्र की बंदिश से मुक्त इन लोगों के पैरों में चप्पल भी नज़र नहीं आ रही थी। धानोठी व दुमकी गांव के खेतों में इतनी बड़ी संख्या में संदेहपूर्ण वेशभूषा व भय के मारे सही अता-पता ना बताने की वजह से खेतों में काम कर रहे किसानों ने चोर उच्चका समझकर इनकी पिटाई भी कर दी। जानकारी के अनुसार धानोठी छोटी के तिराहे पर कई वर्षों से अवैध रूप से नशामुक्ति केंद्र संचालित होने का आरोप है। इस केंद्र पर आसपास के हरियाणा क्षेत्र के लोगों को नशामुक्ति केन्द्र में बंदी बनाकर यातनाएं देने के आरोप की पहले भी शिकायतें मिल चुकी हैं। बुधवार को भागते हुए बंदी दयनीय स्थिति में नजर आए और आजादी के नारे लगाते हुए खेतों की ओर भागते दिखे। ग्रामीणों ने चोर समझकर उनकी धुनाई कर दी। फिलहाल इस अवैध नशामुक्ति केंद्र को लेकर प्रशासन पर सवाल उठ रहे हैं। हालांकि यह नशामुक्ति केन्द्र वैध है या अवैध संचालित है इसकी पुष्टि नही हो पाई है।

- **धानोठी छोटी के तिराहे पर कई वर्षों से अवैध रूप से नशामुक्ति केंद्र संचालित होने का आरोप है**

महिला की हत्या के तीन सह आरोपी गिरफ्तार

मुख्य आरोपी को पहले ही पुलिस गिरफ्तार कर चुकी है

भीलवाड़ा, (निसं)। प्रियदर्शनी नगर स्थित अभ्रक फैक्टरी के सामने 18 अगस्त को महिला लाली देवी लोहार को कार से कुचलकर मार डालने के सनसनीखेज मामले में सदर थाना पुलिस ने बड़ी सफलता हासिल की है। पुलिस ने मुख्य आरोपी के तीन अन्य साथियों को गिरफ्तार कर लिया है।

जिला पुलिस अधीक्षक सागर राणा के निर्देशन में सदर थानाधिकारी प्रहलाद सहाय के नेतृत्व में गठित विशेष टीम ने तीनों आरोपियों को दबोचा। पुलिस के अनुसार 18 अगस्त को मुख्य आरोपी मोहम्मद तौसीफ उर्फ बंटी अपने साथियों के साथ किशन लोहार से पैसों के तकादे को लेकर घटनास्थल पर पहुंचा था। वहां फैक्ट्री के सामने किशन की मां लाली देवी लोहार मवेशी चरा रही थीं। आरोपियों ने आपसी रंजिश और विवाद के चलते लाली देवी पर कार चढ़ा दी और उन्हें 2-3 बार रौंदकर मौके पर ही मार डाला। घटना के तुरंत बाद पुलिस ने मामला दर्ज कर सीसीटीवी फुटेज और तकनीकी अनुसंधान के आधार पर मुख्य आरोपी मोहम्मद तौसीफ उर्फ बंटी को पहले ही गिरफ्तार कर न्यायालय में पेश कर दिया था। वारदात के वक्त कार में मौजूद अन्य साथियों की तलाश जारी थी, जिसके तहत 24 अगस्त को साजिद उर्फ चांद पुत्र मेहरूदीन मंसूरी, निवासी वार्ड नं 32, सोलंकी टॉकीज के पीछे, थाना सिटी कोतवाली, भीलवाड़ा, सरफु पुत्र इलियास खान मेव, निवासी मस्जिद के पास, शास्त्रीनगर, हुसैन कॉलोनी, थाना सिटी कोतवाली, भीलवाड़ा और मोहम्मद समीर पुत्र मोहम्मद निजामुद्दीन अंसारी, निवासी गरीब नवाज कॉलोनी, शास्त्रीनगर, थाना सिटी कोतवाली को गिरफ्तार किया गया।

वजीरपुर में तीसरे दिन भी बारिश होने से किसान चिंतित

वजीरपुर उपखण्ड क्षेत्र में बरसात के कारण कई जगह जलभराव हो गया।

वजीरपुर, (निसं)। उपखण्ड क्षेत्र में तीसरे दिन बुधवार को भी लगातार तेज बारिश का दौर जारी रहा। लगातार हो रही जोरदार बारिश से जहां लोगों को गर्मी से राहत मिली, वहीं किसानों की चिंता बढ़ने लगी है। किसानों का कहना है कि लगातार अधिक बारिश होने से खरीफ फसलों को नुकसान पहुंच सकता है।

किसानों के अनुसार खेतों में खड़ी खरीफ फसलों को अब बारिश के बजाय कुछ दिनों की धूप की आवश्यकता है। लगातार बारिश होने से खेतों में पानी भरने तथा फसलों में रोग लगने की आशंका बनी हुई है। यदि बारिश का दौर इसी तरह जारी रहा तो फसलों को नुकसान उठाना पड़ सकता है। किसानों ने बताया कि क्षेत्र में पिछले तीन दिनों से रुक-रुककर तेज बारिश हो रही है। ऐसे में खेतों में पानी की अधिकता होने लगी है। किसानों को अब मौसम साफ होने और अच्छी धूप निकलने का इंतजार है, ताकि खेतों से अतिरिक्त पानी निकल सके और फसलों को राहत मिल सके।

नशे में युवक ने खुद के शरीर को काटा

जोधपुर, (कासं)। शेरगढ़ थाना क्षेत्र में एक युवक ने ब्लेड से अपने हाथ और शरीर पर कट लगाकर खुद को घायल कर लिया। घायल अवस्था में परिजनों और स्थानीय लोगों ने उसे शेरगढ़ अस्पताल पहुंचाया, जहां प्राथमिक उपचार के बाद उसे भर्ती कर लिया गया है। जानकारी के अनुसार देवीगढ़ निवासी दला राम (34) पुत्र अमाराम मेघवाल ने अपने हाथ और शरीर पर करीब तीन-चार कट लगाए। घटना के बाद घायल युवक को शेरगढ़ अस्पताल लाया गया। यहां चिकित्सकों ने उसका प्राथमिक उपचार किया। युवक को अब चिकित्सकीय निगरानी में अस्पताल में भर्ती रखकर उपचार दिया जा रहा है।

महिला को डर दिखाकर 25 तोला सोना और नकदी ले जाने के आरोपी को दबोचा

खेतड़ी/मेहाड़ा, (निसं)। कॉलेज जाने वाली युवती को भय दिखाकर करीब 25 तोला सोने के जेवरात और 55 हजार रूपए नकद लेकर फरार हुए वांछित आरोपी को मेहाड़ा पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया। पुलिस ने आरोपी के कब्जे से प्रकरण में करीब 50 लाख रूपए कीमत के सोने के जेवरात व नकदी बरामद की है। आरोपी की गिरफ्तारी के बाद पुलिस अब बरामद जेवरात और नकदी के संबंध में विस्तृत अनुसंधान कर रही है। मेहाड़ा थानाधिकारी रामनारायण चोयल के नेतृत्व में पुलिस टीम ने यह कार्रवाई की।

- **मेहाड़ा पुलिस ने आरोपी के कब्जे से 50 लाख रूपए के सोने के जेवरात व नकदी बरामद की**

पुलिस के अनुसार परिवादिया ने रिपोर्ट दर्ज कराई थी कि अंकित पुत्र इन्द्राज निवासी दुधवा उसका पीछा करता था। आरोप है कि एक दिन उसने परिवादिया को भय दिखाकर उसके पास से 11 सोने की अंगूठियां, दो जोड़ी टॉप्स, दो सोने की लखड़ियां, एक टीका, एक जोड़ी पंजाबी बाली, एक चेन और एक मंगलसूत्र सहित करीब 25 तोला सोने के आभूषण तथा बैग में रखे 55 हजार रूपए नकद ले लिए। रिपोर्ट पर पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू की। मामले की गंभीरता को देखते हुए थानाधिकारी रामनारायण चोयल के नेतृत्व में टीम गठित की गई। पुलिस ने तकनीकी सूचनाओं के आधार पर आरोपी की तलाश में मेहाड़ा थाना क्षेत्र के अलावा हरियाणा के सीमावर्ती संभावित ठिकानों पर दबिश दी। इसी दौरान आरोपी द्वारा परिवादिया के घर पहुंचकर मुकदमा वापस लेने का दबाव बनाने और मुकदमा वापस नहीं लेने पर जान से खत्म करने की धमकी देने का मामला भी सामने आया। इस प्रकरण में पुलिस ने आरोपी को 21 अगस्त को गिरफ्तार कर न्यायिक अभिरक्षा में भिजवाया था। इसके बाद 25 अगस्त को उप कारागृह खेतड़ी से आरोपी को प्रोडक्शन वारंट पर प्राप्त किया गया। पूछताछ एवं अनुसंधान के बाद पुलिस ने आरोपी को गिरफ्तार कर उसके कब्जे से करीब 50 लाख रूपए कीमत के सोने के जेवरात व नकदी बरामद कर ली। गिरफ्तार आरोपी की पहचान अंकित पुत्र इन्द्राज निवासी दुधवा, थाना मेहाड़ा के रूप में हुई है। पुलिस आरोपी से बरामद जेवरात व नकदी के संबंध में आगे पूछताछ कर रही है।

रेस्टोरेंट में चोरी, शटर और सीसीटीवी कैमरे तोड़कर घुसे बदमाश

अजमेर, (निसं)। जयपुर रोड स्थित कांकरदा भूणाबाय क्षेत्र में न्यू घूंघट रेस्टोरेंट को अज्ञात चोरों ने निशाना बनाते हुए चोरी की वारदात को अंजाम दिया। बदमाश रेस्टोरेंट का शटर और सीसीटीवी कैमरे तोड़कर अंदर घुसे तथा दुकान में रखे सिगरेट, गुटखा सहित अन्य सामान चोरी कर फरार हो गए। वारदात के बाद क्षेत्र में हड़कंप मच गया।

रेस्टोरेंट संचालक मानसिंह शेखावत के अनुसार, बदमाशों ने पहले रेस्टोरेंट के बाहर लगे सीसीटीवी कैमरों को क्षतिग्रस्त किया, ताकि पूरी वारदात कैमरे में कैद नहीं हो सके। इसके बाद शटर तोड़कर रेस्टोरेंट के अंदर प्रवेश किया और वहां रखा सामान समेटकर ले गए। सुबह रेस्टोरेंट पहुंचने पर शटर टूटा हुआ मिला, जिसके बाद चोरी की वारदात का पता चला।

रेस्टोरेंट संचालक ने बताया कि करीब 20 दिन पहले भी अज्ञात बदमाशों ने रेस्टोरेंट में चोरी करने का प्रयास किया था। उस समय भी बदमाशों ने सीसीटीवी कैमरे को तोड़ने की कोशिश की थी। अब दोबारा चोरी की वारदात होने से रेस्टोरेंट संचालक और आसपास के दुकानदारों में सुरक्षा को लेकर चिंता बढ़ गई है। घटना की सूचना मिलने पर सिविल लाइन थाना पुलिस मौके पर पहुंची और घटनास्थल का जायजा लिया। पुलिस ने मामला दर्ज कर अज्ञात बदमाशों की तलाश शुरू कर दी है।

रक्षाबंधन कल, बाज़ारों में रौनक बढ़ी

गंगापुर सिटी, (निसं)। रक्षाबंधन का पर्व नजदीक आते ही शहर के बाजारों में रौनक बढ़ने लगी है। जगह-जगह राखियों की दुकानें सज गई हैं। दुकानों पर रंग-बिरंगी और आकर्षक राखियां बहनों को लुभा रही हैं। पर्व को लेकर खरीदार भी तैयारियों में जुट गए हैं। राखियों की खरीदारी शुरू हो गई है।

- **'इस बार रक्षाबंधन पर ग्राहकों का रुझान खासतौर पर स्वदेशी ब्रांड की राखियों की ओर बढ़ा है'**

रक्षाबंधन का पर्व नजदीक आते ही गंगापुर सिटी में राखी की दुकानों पर रौनक दिखाई दी।

राखी विक्रेता सुरेशचंद संजय कुमार ने बताया कि वह पिछले कई साल से राखी का व्यवसाय कर रहे हैं। इस बार बाजार में बच्चों, युवाओं और महिलाओं की पसंद को ध्यान में रखते हुए 200 से ज्यादा डिजाइन की राखियां उपलब्ध हैं। इनकी कीमत 20 से शुरू होकर 500 रुपए तक है। बच्चों के लिए सॉफ्ट टॉय और खिलौने वाली राखियां भी उपलब्ध हैं। डिजाइन के अनुसार राखियों की कीमत है। जिन बहनों के भाई रोजगार या अन्य कारणों से दूसरे शहरों में रहते हैं और रक्षाबंधन पर घर नहीं आ पाते, उन्होंने राखी भेजने की तैयारी शुरू कर दी है। दुकानदारों का कहना है कि पर्व नजदीक आने के साथ राखियों की बिक्री में और तेजी आने की उम्मीद है। बाजार में नई डिजाइन और अलग-अलग रेंज की राखियां उपलब्ध होने से ग्राहक भी पसंद की खरीदारी कर रहे हैं। भाई-बहन के अटूट प्यार का यह त्योहार अब हाईटेक हो गया है। पहले जहां बहनें एक साधारण धागे को रक्षासूत्र मानकर अपने भाई की कलाई पर बांधती थीं, वहीं आज आधुनिकता के इस दौर में रक्षासूत्र ने कई आकर्षक और नवीन रूप ले लिए हैं।

राखियों को लेकर दुकानदारों का कहना है कि पहले बाजार में चाइनीज राखियों की भरमार रहती थी, लेकिन अब लोगों में स्वदेशी राखियों को लेकर जागरूकता बढ़ी है और अब बाजार में ग्राहकों द्वारा स्वदेशी को प्राथमिकता देने से परंपरागत भारतीय राखियों की बिक्री हो रही है। व्यापारियों के अनुसार इस बार रक्षाबंधन पर ग्राहकों का रुझान खासतौर पर स्वदेशी ब्रांड की राखियों की ओर बढ़ा है। कढ़ाईदार, मोती जड़ी, कार्टून थीम, रेशम धागे से बनी राखियां लोगों को खूब लुभा रही हैं।

श्रावण शुक्ल पूर्णिमा को मनाया जाने वाला रक्षाबंधन पर्व इस वर्ष 28 अगस्त को मनाया जाएगा। इस बार भद्रा नहीं होने से पूरे दिन बहनें अपने भाई को राखी बांध सकेंगी। ज्योतिषाचार्य पंडित अशोक आचार्य ने बताया कि इस बार भद्रा नहीं होने से पूरे दिन राखी बांध सकेंगे।

भरतपुर में बारावफात का जुलूस निकला

भरतपुर, (निसं)। पैगंबर हजरत मोहम्मद साहब के जन्म और वफात की याद में बारावफात रबी-उल-अव्वल के मौके पर बुधवार को भरतपुर में बारावफात का जुलूस धूमधाम और अकीदत के साथ निकाला गया। जुलूस में मुस्लिम समुदाय के बच्चे, युवा और बुजुर्ग बड़ी संख्या में शामिल हुए। घोड़े, बग्गी और डीजे आकर्षण का केंद्र रहे। युवा डीजे की धुन पर झूमते हुए जुलूस में आगे बढ़ते नजर आए। बारावफात के जुलूस में देशप्रेम की झलक भी देखने को मिली। जुलूस में शामिल कुछ मुस्लिम युवा हाथों में तिरंगा लेकर चलते नजर आए। घोड़ों पर सवार युवाओं में से एक के हाथ में तिरंगा लहराता दिखाई दिया। जुलूस गोपालगढ़ सेढ़ के मढ़ से शुरू होकर गांधी पार्क, कमला रोड, कोतवाली बाजार, लक्ष्मण मंदिर, जामा मस्जिद, गंगा मंदिर, मोरी चारबाग और मथुरा गेट होते हुए वापस गोपालगढ़ पहुंचा, जहां जुलूस का समापन हुआ। रास्ते में जगह-जगह स्थानीय लोगों और सामाजिक संगठनों की ओर से जुलूस का स्वागत किया गया। कई स्थानों पर पानी और शरबत की व्यवस्था भी की गई।

- **जुलूस के दौरान तिरंगा लेकर नजर आए मुस्लिम युवा, देशप्रेम और भाईचारे का संदेश दिया**

भरतपुर में बारावफात का जुलूस धूमधाम और अकीदत के साथ निकाला गया।

बारावफात के जुलूस को देखते हुए पुलिस प्रशासन की ओर से सुरक्षा के व्यापक इंतजाम किए गए। जुलूस के पूरे मार्ग पर अतिरिक्त पुलिस जाब्ता तैनात रहा। कोतवाली थाना, अटलबंद थाना, मथुरा गेट थाना और उद्योग नगर थाना पुलिस के अधिकारी एवं जवान जुलूस के साथ मौजूद रहे। एएसपी धर्मेंद्र यादव और सीओ सिटी आशिमा वासमानी भी सुरक्षा व्यवस्था का जायजा लेते हुए जुलूस के साथ रहे। इसके अलावा सादा वर्दी में पुलिसकर्मी भी पूरे मार्ग पर निगरानी करते नजर आए।

अलीमुदीन ने बताया कि बारावफात रबी-उल-अव्वल का दिन मुस्लिम समुदाय के लिए विशेष महत्व रखता है। इस दिन पैगंबर हजरत मोहम्मद साहब के जन्म की याद में मिलाद-उन-नबी मनाया जाता है। उन्होंने बताया कि पैगंबर साहब ने दुनिया को अमन, मोहब्बत, भाईचारे और इंसानियत का संदेश दिया। इस अवसर पर मुस्लिम समुदाय के लोग उनके बताए रास्ते पर चलने और समाज में आपसी भाईचारा बनाए रखने का संकल्प लेते हैं। जुलूस के दौरान सरकार की आमद मरहबा के नारों से माहौल गूंजता रहा। बच्चों से लेकर बुजुर्गों तक में उत्साह देखने को मिला।

हर्षित संघी बने अध्यक्ष

निवाई। आचार्य सुंदर सागर जी महाराज के आशीर्वाद एवं खंडेलवाल सरावगी समाज के अध्यक्ष शिखर काला के निर्देशन में खंडेलवाल समाज के युवाओं को संगठित कर धर्म, समाज एवं साधु-संतों की सेवा के उद्देश्य से श्री दिगम्बर जैन खंडेलवाल युवा परिषद का गठन किया गया। जिसमें सर्वसम्मति से हर्षित संघी को अध्यक्ष के पद पर मनोनीत किया गया। मीडिया प्रभारी विमल जौला एवं राकेश संघी ने बताया कि कार्यकारिणी के गठन को लेकर खंडेलवाल सरावगी समाज बैठक आयोजित हुई। जिसमें सैकड़ों युवाओं ने उत्साहपूर्वक शामिल होकर परिषद के गठन के प्रति अपना समर्थन एवं सहभागिता जताई।

NAME CHANGE

मैंने अपनी पुत्री का नाम तविशा मुंदड़ा (Tavisha Mundhra) से बदल कर तविशा मुंदड़ा (Tavisha Mundra) पुत्री श्री आनंद मुंदड़ा, रख लिया है। भविष्य में मेरी पुत्री को इसी नाम से जाना जावे। निवासी म न. 398, सेक्टर 6, विद्याधर नगर, जयपुर।

मैं पिंकी चौधरी पत्नी श्री राजेश कुमार चौधरी निवासी ए 87, गायत्री ग्रीन सिटी, आगरा रोड, जामडोली, जयपुर। मैंने अपना नाम पिंकी रानी (PINKI RANI) से बदलकर पिंकी चौधरी (PINKI CHOUDHARY) रख लिया है। भविष्य में मुझे पिंकी चौधरी (PINKI CHOUDHARY) के नाम से जाना जाये।

मैंने अपना नाम वकिला बानो (VAKILA BANO) से बदलकर वकिला (VAKILA) पत्नी अयूब खां चंदेल रख लिया है, भविष्य में मुझे इसी नाम से जाना पहचाना एवं पुकारा जायें निवासी 246, जालूपुरा, जयपुर, (राजस्थान)

I have changed my name from Lalit Kumar Parumal Khatri to Lalit Kumar Khatri for all future purposes. Address: 5/318, SFS, Agarwal Farm, Mansarovar, Jaipur- 302020

I have changed my name from Vaishnavi Kulkarni to Vaishnavi Vivek Kulkarni for all purposes R/o G-17 Raghuraj enclave Krishan marg C-Scheme Jaipur

खोया पाया

मेरे मकान संख्या 31/63/04 मानसरोवर, जयपुर के मूल नियमितिकरण एवं अदेय प्रमाण पत्र जो कि प्रदीप शर्मा पुत्र धनीराम शर्मा के नाम से था। जो कही गुम हो गये है। मिलने पर सूचित करें- रानी सिंह 6350262470

आम-सूचना सर्व साधारण को सूचित किया जाता है, कि मेरी अभिभाष्या श्रीमती पूजा टेपण पत्नी श्री धनराज चन्देल, हाल किरायेदार-प्लॉट नम्बर-19-ए, सुनिता कॉलोनी, शिक्षा सागर, गोविन्दपुरा रोड, सांगानेर, जयपुर (राज.) पर मय परिवार निवास करती है तथा उपरोक्त वर्णित सम्पूर्ण सम्पत्ति पर मेरी अभिभाष्या का भौतिक एवं वास्तविक कब्जा है तथा उपरोक्त वर्णित सम्पत्ति के सम्बंध में मुकेश चन्देल पुत्र श्री शिवनारायण चन्देल ने धारा-9 व 18 राजस्थान किराया अधिनियम के तहत एक अर्जी किराया अधिकरण जयपुर के समक्ष प्रस्तुत की थी तथा उक्त अर्जी दिनांक-14.08.2026 को न्यायालय किराया अधिकरण द्वारा खारिज फरमा दी गयी। मुकेश चन्देल उपरोक्त वर्णित सम्पत्ति को मेरे अभिभाष्य के भौतिक एवं वास्तविक कब्जे में होने के पश्चात भी दीगर व्यक्तियों को विक्रय व अन्य प्रकार से हस्तानान्तरित करने पर आमादा है। कोई भी व्यक्ति, संस्था, कम्पनी उपरोक्त वर्णित सम्पत्ति के सम्बंध में विक्रय इत्यादि का कोई इकरारनामा या अन्य कोई बेचान सम्बंधी लेख्य-पत्र निष्पादित नहीं करें। यदि मुकेश चन्देल द्वारा ऐसा कोई दस्तावेजात निष्पादित किया जाता है, तो वह मेरी अभिभाष्या के अधिकारों के प्रति प्रारम्भ से ही शून्य एवं प्रभावी रहेगा। सूचित रहे।

भवदीय
(रूस्तम शेख), एडवोकेट, मो.-94142-48148

कार्यालय उप आवासन आयुक्त वृत्त द्वितीय, राजस्थान आवासन मण्डल, अग्रवाल फार्म, मानसरोवर, जयपुर Email Id: dhejpr2.rhb@rajasthan.gov.in
क्रमांक : DHC-11/ 1064 Phone No- 0141-2782772
जाहिर आम सूचना दिनांक: 25.08.26

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि राजस्थान आवासन मण्डल द्वारा आवास संख्या 112/ 557, मानसरोवर, जयपुर, क्षेत्रफल 50.93 वर्ग मीटर का आवंटन श्री राम खण्डेलवाल पुत्र श्री एच.एल. खण्डेलवाल को किया गया था। जिसका आवंटन पत्र क्रमांक 1406 दिनांक 21.07 1989 को जारी किया गया। इनके द्वारा उक्तआवास का भौतिक कब्जा दिनांक 05.09.1989 को प्राप्त कर लिया गया था। राजस्थान आवासन मण्डल के पत्र क्रमांक 1028 दिनांक 28.05.2005 के द्वारा श्री कन्हैया लाल गिरधानी पुत्र स्व. श्री बंशी लाल गिरधानी के नाम नियमितिकरण पत्र जारी कर दिया गया। इनके द्वारा अपने स्वयं के पक्ष में उक्त आवास के पंजीयन प्रपत्रों का निष्पादन कार्यालय उप पंजीयक, जयपुर में दिनांक 01.06.2005 को करवाया गया। इसके पश्चात श्री कन्हैया लाल गिरधानी की मृत्यु दिनांक 30.01.2014 को हो जाने के कारण इनके पुत्र श्री मनीष गिरधानी पुत्र स्व. श्री कन्हैया लाल गिरधानी ने मृत्यु पश्चात् नाम हस्तान्तरण सम्बन्धी प्रपत्र एवं पंजीकृत हकत्याग प्रपत्र प्रस्तुत कर उक्त आवास को अपने नाम हस्तान्तरण हेतु निवेदन किया है। अतः उक्त आवास के हस्तान्तरण के संबंध में किसी भी व्यक्तिको कोई आपत्ति हो तो विज्ञप्ति प्रकाशन के 7 दिवस में व्यक्तिगत रूप से उपस्थित होकर अपनी आपत्ति प्रस्तुत कर देवें, अन्यथा उक्तअवधि में कोई आपत्ति प्राप्त नहीं होने पर उक्तवर्णित व्यक्ति /आवेदक श्री मनीष गिरधानी पुत्र स्व. श्री कन्हैया लाल गिरधानी के पक्ष में उक्त आवास के हस्तान्तरण की कार्यवाही कर दी जावेगी।

सम्पदा प्रबन्धक, वृत्त द्वितीय, जयपुर

कार्यालय उप आवासन आयुक्त वृत्त द्वितीय, राजस्थान आवासन मण्डल, अग्रवाल फार्म, मानसरोवर, जयपुर Email Id: dhejpr2.rhb@rajasthan.gov.in
क्रमांक : DHC-11/ 1065 Phone No- 0141-2782772
जाहिर आम सूचना दिनांक: 25.08.26

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि राजस्थान आवासन मण्डल द्वारा आवास संख्या 112/556, मानसरोवर, जयपुर, क्षेत्रफल 50.93 वर्ग मीटर का आवंटन श्री सुरेश कुमार पुत्र श्री नाथु लाल को किया गया था। जिसका आवंटन पत्र कमांक 1405 दिनांक 21.07. 1989 को जारी किया गया। इनके द्वारा उक्त आवास का भौतिक कब्जा दिनांक 04.09.1989 को प्राप्त कर लिया गया था। राजस्थान आवासन मण्डल के पत्र क्रमांक 4360 दिनांक 14.10.1999 के द्वारा श्रीमती पार्वती पत्नी श्री कन्हैया लाल गिरधानी के नाम नियमितिकरण पत्र जारी कर दिया गया। इनके द्वारा अपने स्वयं के पक्ष में उक्तआवास के पंजीयन प्रपत्रों का निष्पादन कार्यालय उप पंजीयक, जयपुर में दिनांक 01.06.2005 को करवाया गया। इसके पश्चात श्रीमती पार्वती की मृत्यु दिनांक 20.01.2026 को हो जाने के कारण इनके पुत्र श्री मनीष गिरधानी पुत्र स्व. श्री कन्हैया लाल गिरधानी ने मृत्यु पश्चात् नाम हस्तान्तरण सम्बन्धी प्रपत्र एवं पंजीकृत हकत्याग प्रपत्र प्रस्तुत कर उक्तआवास को अपने नाम हस्तान्तरण हेतु निवेदन किया है। अतः उक्त आवास के हस्तान्तरण के संबंध में किसी भी व्यक्ति को कोई आपत्ति हो तो विज्ञप्ति प्रकाशन के 7 दिवस में व्यक्तिगत रूप से उपस्थित होकर अपनी आपत्ति प्रस्तुत कर देवें, अन्यथा उक्तअवधि में कोई आपत्ति प्राप्त नहीं होने पर श्री मनीष गिरधानी पुत्र स्व. श्री कन्हैया लाल गिरधानी के पक्ष में उक्त आवास के हस्तान्तरण की उक्त वर्णित व्यक्ति/ आवेदक कार्यवाही कर दी जावेगी। उक्त जाहिर आम सूचना उप आवसन आयुक्त महोदय से अनुमोदित है।

सम्पदा प्रबन्धक, वृत्त द्वितीय, जयपुर

राजस्थान आवासन मण्डल वृत्त- प्रथम, प्रताप नगर, जयपुर
क्रमांक: 3400 **जाहिर आम सूचना** दिनांक 21.08.2026

राजस्थान आवासन मण्डल की प्रताप नगर, सांगानेर योजना में आवास /फ्लैट संख्या 28/KA/11/06 (FF) (EWS), (एरिया 15.312 वर्गमीटर) (कृष्णा अपार्टमेन्ट) प्रताप नगर, सांगानेर का आवंटन श्री अमित गुप्ता पुत्र श्री ज्ञानेन्द्र कुमार गुप्ता को किया जाकर आवंटन पत्र क्रमांक 2893 दिनांक 13.02.2013 को जारी किया गया। श्री अमित गुप्ता पक्ष में उक्त आवास/फ्लैट के पंजीयन प्रपत्र दिनांक 08.01.2014 को उप पंजीयक अष्टम, जयपुर के यहाँ पंजीकृत करवाये गये। श्री अमित गुप्ता द्वारा उक्त आवास/फ्लैट को दिनांक 17.02.2014 के द्वारा श्री प्रताप कुमार पुत्र स्व. श्री मुन्ना लाल को विक्रय कर उप पंजीयक सांगानेर प्रथम, जयपुर के यहां विक्रय पत्र का पंजीकृत करवाया गया। श्री प्रताप कुमार द्वारा उक्त आवास/फ्लैट को दिनांक 04.09.2020 के द्वारा श्री अनु शर्मा पुत्र श्री शिवदयाल शर्मा को विक्रय कर उप पंजीयक सांगानेर प्रथम, जयपुर के यहां विक्रय पत्र का पंजीकृत करवाया गया। क्रेता/क्रेती श्री अनु शर्मा पुत्र श्री शिवदयाल शर्मा द्वारा आवासन मण्डल में उक्त आवास में अपना नाम मण्डल रिकॉर्ड में दर्ज कराने हेतु आवेदन पत्र प्रस्तुत किया गया है। अतः उक्त आवास के हस्तान्तरण बाबत किसी व्यक्ति/पक्षकार को कोई आपत्ति हो तो अद्योहस्ताक्षर कर्ता के कार्यालय में 7 दिवस में अपनी आपत्ति प्रस्तुत करें अन्यथा यह मानते हुए की मण्डल रिकॉर्ड में नाम दर्ज करने में किसी को कोई आपत्ति नही है, श्री अनु शर्मा पुत्र श्री शिवदयाल शर्मा का नाम मण्डल रिकॉर्ड में दर्ज कर दिया जावेगा।

संपदा प्रबंधक, वृत्त प्रथम, राज. आवा. मण्डल, जयपुर

नम्बर मिलाइए 8890333139

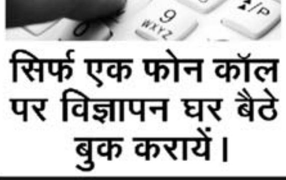

सिर्फ एक फोन कॉल पर विज्ञापन घर बैठे बुक करायें।

विराटनगर किले के पास पिकअप व लोक परिवहन बस की जोरदार भिड़ंत

पुलिस ने जमा भीड़ को हटा यातायात व्यवस्था को सुचारू करवाया

अलवर-जयपुर हाईवे पर विराटनगर किले के समीप एनएच-248 ए पर पिकअप और लोक परिवहन बस की जोरदार भिड़ंत होने से हड़कंप मच गया।

पावटा। अलवर-जयपुर हाईवे पर विराटनगर किले के समीप बुधवार को उस समय हड़कंप मच गया, जब एनएच-248 ए पर पिकअप और लोक परिवहन बस की जोरदार भिड़ंत हो गई। टक्कर इतनी भीषण थी कि दोनों वाहन बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गए। हादसे के बाद मौके पर चीख-पुकार मच गई और हाईवे पर अफरा-तफरी का माहौल बन गया।

> ■ घायलों को वाहनों से बाहर निकालने में मदद की। हादसे में घायल 4 महिलाओं व 3 पुरुषों को स्थानीय लोगों की सहायता से तत्काल विराटनगर उपजिला अस्पताल पहुंचाया गया

दुर्घटना के बाद बस में सवार यात्रियों में दहशत फैल गई। हादसे की सूचना मिलते ही आसपास के ग्रामीण और राहगीर बड़ी संख्या में मौके पर पहुंचे और घायलों को वाहनों से बाहर निकालने में मदद की। हादसे में घायल 4 महिलाओं व 3 पुरुषों को स्थानीय लोगों की सहायता से तत्काल विराटनगर उपजिला अस्पताल पहुंचाया गया। अस्पताल में घायलों का प्राथमिक उपचार कर जयपुर के लिए रैफर कर दिया गया।

इधर, हादसे की सूचना मिलते ही विराटनगर थाना प्रभारी बाबूलाल मय पुलिस टीम मौके पर पहुंचे और घटनास्थल का जायजा लिया। पुलिस ने मौके पर जमा भीड़ को हटाकर यातायात व्यवस्था को सुचारू करवाया। क्षतिग्रस्त वाहनों के कारण हाईवे पर यातायात प्रभावित रहा। पुलिस मामले की जांच कर रही है। हादसे की भयावहता को देखते हुए मौके पर मौजूद लोगों में काफी देर तक दहशत का माहौल बना रहा।

2 किलो 850 ग्राम अवैध मादक पदार्थ गांजा जब्त

निवाई। पुलिस ने नशा मुक्ति अभियान को लेकर कार्रवाई करते हुए एक बाल अपचारी से 2 किलो 850 ग्राम अवैध मादक पदार्थ गांजा के साथ निरुध किया है एवं मामले में प्रयुक्त मोटरसाईकिल को जब्त किया है। पुलिस सहायक उपनिरीक्षक भारती ने बताया कि पुलिस अधीक्षक रोशन मीना, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक रतनलाल भार्गव एवं डीवाईएसपी रविप्रकाश शर्मा के निर्देशन में नशा मुक्ति अभियान के तहत कार्रवाई करते हुए पुलिस ने गश्त के दौरान जुगलपुरा खुर्द के आगे सांसियों की ढाणी के पास से एक बाल अपचारी मोटरसाईकिल पर अवैध मादक पदार्थ गांजा ले जा रहा था। जिसको निरूध करके 2 किलो 850 ग्राम अवैध मादक पदार्थ गांजा एवं मोटरसाईकिल को जब्त किया है।

> ■ ढाणी के पास से एक बाल अपचारी मोटरसाईकिल पर अवैध मादक पदार्थ गांजा ले जा रहा था।

पुलिस ने आरोपी के विरुद्ध एनडीपीएस एक्ट में मामला दर्ज कर लिया है। इसी प्रकार पुलिस ने अवैध बजरी खनन व परिवहन मामले में फरार चल रहे आरोपी राजेन्द्र गुर्जर निवासी छावडी मोहल्ला रजवाना, चैथ का बरवाडा, सवाई माधोपुर को गिरफ्तार किया है।

हंडोले एवं झांकी सजाई

राजगढ़। धार्मिक आस्था के भगवान जगन्नाथ मंदिर गोविंद देव जी मंदिर सहित अन्य मंदिरों में हिंडोले एवं झांकी सजाई गई। इस दौरान हिंडोला महोत्सव देखने के लिए भारी संख्या में श्रद्धालु महिला पुरुष मंदिरों में उमड़े। मंदिरों में भगवान की हिंडोला महोत्सव पर नयनाभिराम झांकी के दर्शन कर श्रद्धालुओं ने धर्म लाभ कमाया। भगवान जगन्नाथ मंदिर के महंत पूर्ण दास, मदन मोहन शास्त्री, गोविंद देव जी के महंत गोस्वामी दिलीप मुखर्जी ने बताया कि 28 अगस्त तक आकर्षक झांकियों के साथ हिंडोला महोत्सव आयोजित किया जाएगा। इधर मुरली मनोहर मंदिर के अनिल पांडे ने बताया कि मंदिर में बुधवार को आकर्षक की झांकी सजाई गई।

आम-सूचना मैं, मनोज कुमार शर्मा पुत्र स्वर्गीय श्री मांगीलाल शर्मा, निवासी 221, शिल्प कॉलोनी झोटवाड़ा, जयपुर-302012 राजस्थान का हूँ। मैं शपथ पूर्वक बयान करता हूँ कि मैं उक्त पते का निवासी हूँ समाचार पत्र के माध्यम से मै एक सूचना प्रकाशित करवा रहा हूँ जिसकी समस्त जिम्मेदारी मेरी होगी।
मेरे स्वर्गीय पिताजी श्री मांगीलाल शर्मा के नाम से पंजीकृत चौपहिया वाहन सेन्ट्रो जिसका पंजीयन नम्बर RJ-14-CR-0916 है, का हस्तान्तरण मैं अपने नाम करवाना चाहता हूँ। अगर इससे किसी भी व्यक्ति को किसी भी तरह की कोई आपत्ति हो तो सम्बन्धित कार्यालय में सूचना प्रकाशित होने के 7 दिवस में आपत्ति प्रस्तुत करें।
मैं शपथ ग्रहिता सत्यापित करता हूँ कि उक्त वर्णित तथ्य सही है। मैंने कोई तथ्य नहीं छुपाएं हैं।

शपथ ग्रहिता
मनोज कुमार शर्मा पुत्र स्वर्गीय श्री मांगीलाल शर्मा
निवासी-221, शिल्प कॉलोनी झोटवाड़ा,
जयपुर-302012
सम्पर्क नं. 9024082055

न्यायालय तहसीलदार फुलेरा मु. सांभरलेक जिला जयपुर
दूरभाष नम्बर 01425-224219, ई-मेल tdrsbr@ymail.com
क्रमांकः- भू.अ. / 2026 / 4289 दिनांक :- 25/08/2026

सार्वजनिक सूचना नोटिस

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि प्रार्थी रमेश चौधरी पुत्र स्व० श्री धन्नाराम चौधरी जाति जाट निवासी ताखरों की ढाणी, कन्देवली तहसील फुलेरा द्वारा ग्राम कन्देवली की आराजी खाता संख्या 65, 66 के मृतक सहखातेदार धन्नालाल उर्फ धन्नाराम पुत्र नारायण जाति जाट का फौती नामान्तरण प्रार्थी रमेश के नाम खुलवाने हेतु प्रकरण भू-राजस्व अधिनियम 1956 की धारा 135(2) के तहत हाजा न्यायालय मे विचाराधीन है।
अतः यदि किसी वारिस / दीगर व्यक्ति को कोई आपत्ति / एतराज हो तो आगामी दिनांक 10.09.2026 तक मय दस्तावेज पेश करे अन्यथा एकतरफा कार्यवाही कर निर्णय पारित कर दिया जावेगा।

तहसीलदार (भू.अ.)
फुलेरा मु० सांभर लेक

राजस्थान आवासन मण्डल, खण्ड-भिवाडी
क्रमांक: 732 **आवश्यक सूचना** दिनांक :- 27/08/2026

मूलतः फ्लैट संख्या 7-बी-43 सैक्टर 4 एवं 7 योजना, राजस्थान हाउसिंग बोर्ड, भिवाडी श्रीमती प्रेम देवी पत्नी श्री विजय सिंह को आवंटन पत्रांक 3144 दिनांक 06.02.2009 के द्वारा आवंटित किया गया था। इनके द्वारा उक्त फ्लैट का भौतिक कब्जा दिनांक 05.06.2009 को प्राप्त कर लिया गया। श्रीमती प्रेम देवी की मृत्यु दिनांक 02.09.2016 को हो चुकी है।
श्री रवि नेहरा पुत्र श्री विजय सिंह द्वारा प्रार्थना पत्र, प्रशासनिक शुल्क, श्रीमती प्रेम देवी का मृत्यु प्रमाण पत्र एवं राशन कार्ड की छायाप्रति, सजरा पत्र, अन्य वारिसानों के अनापत्ति प्रमाण पत्र एवं आवश्यक प्रपत्र प्रस्तुत कर निवेदन किया है, उनके माता का स्वर्गवास दिनांक 02.09.2016 को हो जाने के कारण उपरोक्त फ्लैट संख्या 7-बी-43 सैक्टर 4 एवं 7 योजना अरावली बिहार, राजस्थान हाउसिंग बोर्ड, भिवाडी जिला खैरथल तिजारा का मृत्यु उपरान्त नाम हस्तान्तरण उनके नाम किया जाये।
अतः जरिये इस विज्ञप्ति यह आगाह किया जाता है कि उक्त फ्लैट संख्या 7-बी-43 सैक्टर 4 एवं 7 योजना, राजस्थान हाउसिंग बोर्ड, भिवाडी के सम्बन्ध में पिता, पुत्र, पुत्रियाँ, भाई व अन्य किसी रिश्तेदार को किसी प्रकार का किसी भी व्यक्ति विशेष या हितकारी को एवं आम व्यक्ति को उजर एतराज हो तो वह इस विज्ञप्ति के प्रकाशित होने के 07 दिवस में आवासीय अभियन्ता, राजस्थान आवासन मण्डल खण्ड भिवाडी में अपना एतराज लिखित में प्रस्तुत करें अन्यथा श्री रवि नेहरा पुत्र श्री विजय सिंह के पक्ष में उपरोक्त फ्लैट संख्या 7-बी-43 सैक्टर 4 एवं 7 योजना, राजस्थान हाउसिंग बोर्ड, भिवाडी जिला खैरथल तिजारा का मृत्यु उपरान्त नाम हस्तान्तरण किये जाने की कार्यवाही की जावेगी।

आवासीय अभियन्ता
राजस्थान आवासन मण्डल
खण्ड भिवाडी

धूमधाम से मनाएंगे रक्षा बंधन का महापर्व

निवाई। सकल दिगम्बर जैन समाज के तत्वावधान में चतुर्दशी के पावन अवसर पर श्री शांतिनाथ दिगम्बर जैन मंदिर में आचार्य सुन्दर सागर महाराज की दिव्य देशना वाणी का आयोजन किया गया। जिसमें जयपुर समाज से सैंकड़ों श्रद्धालुओं ने आचार्य सुन्दरसागर महाराज के दर्शन किए। इस दौरान गुरु भक्तों ने आर्यिका विष्णु प्रभा माताजी व आर्यिका सुलभ्य मति माताजी से रक्षा सूत्र लेकर आचार्य सुन्दर सागर महाराज को राखियां बांधी एवं विष्णु प्रभा मंच ने चरणों में पाद प्रक्षालन करके श्रीफल चढ़ाकर निवेदन किया।

> ■ जयपुर समाज से सैंकड़ों श्रद्धालुओं ने आचार्य सुन्दरसागर महाराज के दर्शन किए

चातुर्मास कमेटी के प्रवक्ता सुनील भाणजा व विमल जौला ने बताया कि आचार्य सुन्दर सागर महाराज एवं आर्यिका सुलक्ष्य मति माताजी संघ के सानिध्य में श्रद्धालुओं ने भगवान शांतिनाथ जी के अभिषेक किए एवं विश्व में शांति की कामना करते हुए शांतिधारा की। इस दौरान श्रद्धालुओं ने गुरुदेव आदि सागर महाराज, आचार्य महावीर कीर्ति महाराज, आचार्य विमल सागर महाराज, आचार्य सन्मति सागर महाराज एवं आचार्य सुन्दर सागर महाराज की विधिवत मंत्रोच्चार द्वारा पूजा अर्चना की गई। कमला नेहरू नगर जयपुर के श्रद्धालुओं को आचार्य भगवंत के समक्ष जिनवाणी भेंट की। सभा का संचालन लब्धि दीदी एवं प्राप्ति दीदी ने किया। इस अवसर पर आचार्य सुन्दर सागर महाराज ने धर्म सभा को सम्बोधित करते हुए कहा कि रक्षा बंधन वात्सल्य का पर्व है, मुनियों की रक्षा, सुरक्षा का पर्व है, साधु संतों की सेवा का पर्व है। उन्होंने कहा कि रक्षा बंधन धर्म के पर्व नहीं है, रक्षा बंधन तो उपसर्ग विजेता मुनियों का महापर्व है। इस दौरान मुनि सुधेर्य सागर महाराज ने भी संबोधित किया। धर्म सभा का मंगलाचरण सपना जैन कोटा ने किया एवं श्रद्धालुओं ने चित्र अनावरण कर दीप प्रज्वलित किया। उन्होंने बताया कि 28 अगस्त को आचार्य संघ के सानिध्य में रक्षा बंधन का महापर्व धूमधाम से मनाया जाएगा।

'हर-हर महादेव' के गगनभेदी जयकारे लगाए

पावटा। कस्बे के बाबा भूतनाथ जोहड़ा धाम मंदिर में भक्ति, आस्था व श्रद्धा का अद्भुत संगम देखने को मिला। सुबह से ही मंदिरों में श्रद्धालुओं की भारी भीड़ उमड़ पड़ी। पूरा क्षेत्र 'बम-बम भोले' और 'हर-हर महादेव' के गगनभेदी जयकारों से गुंजायमान हो उठा। सावन के अंतिम सोमवार के अवसर पर बाबा भूतनाथ जोहड़ा धाम पावटा सहित महादेव मंदिर में श्रद्धालुओं ने भगवान शिव का विधिवत पूजन-अर्चन कर शहद और घी से अभिषेक किया। वहीं पार्थिव शिवलिंग का श्रद्धापूर्वक निर्माण कर सहस्त्रधारा अभिषेक किया गया। अभिषेक के बाद विधि-विधान से पार्थिव शिवलिंग का विसर्जन किया गया। बाबा भूतनाथ जोहड़ा धाम सहित महादेव मंदिर में भी सुबह से ही श्रद्धालुओं की भीड़ रही। सावन के अंतिम सोमवार पर शिवालयों में दिनभर पूजा-अर्चना, अभिषेक और धार्मिक अनुष्ठानों का दौर चलता रहा। श्रद्धालुओं का कहना था कि सावन सोमवार पर भगवान शिव का जलाभिषेक करने और कपिल सरोवर के पवित्र जल से अभिषेक करने से मनोकामनाएं पूर्ण होती हैं।

डीग जिले में पुलिस की बड़ी कार्रवाई, 209 साइबर ठग गिरफ्तार

> ■ साइबर ठगी की 11.99 लाख रुपए की राशि फ्रीज, 51 अवैध हथियार व 53 कारतूस जब्त; संगठित अपराधियों, अवैध खनन और मादक पदार्थ तस्करों पर भी कसा शिकंजा

डीग भरतपुर (निसं)। डीग पुलिस ने अपराध नियंत्रण और कानून-व्यवस्था को मजबूत करने के लिए 20 जुलाई से 20 अगस्त तक चलाए गए एक माह के विशेष अभियान में साइबर ठगों, संगठित अपराधियों, अवैध हथियार रखने वालों, मादक पदार्थ तस्करों और अवैध खनन में लिप्त लोगों के खिलाफ व्यापक कार्रवाई की। जिला पुलिस अधीक्षक शरण गोपीनाथ कांबले के निर्देशन में चले अभियान के दौरान प्रो-एक्टिव पुलिसिंग के जरिए अपराधियों पर प्रभावी अंकुश लगाने के साथ आमजन में सुरक्षा की भावना मजबूत करने पर जोर दिया गया। एसपी ने अभियान के दौरान प्रतिदिन सभी बिंदुओं की मॉनिटरिंग की। अभियान में संगठित अपराध एवं वांछित अपराधियों के खिलाफ कार्रवाई करते हुए 228 अपराधियों को चिह्नित किया गया। इनमें 37 वांछित अपराधियों को गिरफ्तार किया गया। धारा 107 बीएनएसएस में 9, धारा 111 बीएनएस के तहत संगठित अपराध के 13, धारा 112 बीएनएस के तहत पेटी ऑर्गेनाइज्ड क्राइम के 24 तथा अन्य धाराओं में 30 मामलों में निरोधात्मक कार्रवाई की गई। अवैध हथियारों के खिलाफ 35 प्रकरण दर्ज कर 45 आरोपियों को गिरफ्तार किया गया। इनमें दो इनामी अपराधी भी शामिल हैं। पुलिस ने एक पिस्टल, 4 पौना, 13 बंदूकें और 29 कट्टे सहित कुल 51 अवैध हथियार तथा 53 जिंदा कारतूस जब्त किए। साइबर अपराध के हॉटस्पॉट चिह्नित कर 762 स्थानों पर दबिश दी गई, जिसमें 209 साइबर अपराधियों को गिरफ्तार किया गया। साइबर ठगी से जुड़ी 11 लाख 99 हजार 233 रुपए की राशि फ्रीज कराई गई तथा 1 लाख 23 हजार 650 रुपए पीड़ितों को वापस दिलाए गए। अवैध खनन के खिलाफ खनन विभाग के साथ 25 संयुक्त कार्रवाई कर 21 प्रकरण दर्ज किए गए। खनन में प्रयुक्त 45 वाहन व उपकरण जब्त किए गए। साथ ही 1343 मीट्रिक टन/इकाई खनिज सामग्री जब्त कर 2 लाख 87 हजार 800 रुपए का जुर्माना वसूला गया। मादक पदार्थों की तस्करी के खिलाफ एनडीपीएस एक्ट के 9 मामले दर्ज कर 11 आरोपियों को गिरफ्तार किया गया। पुलिस ने 20.782 किलो गांजा, 7.040 किलो डोडा पोस्त और 3500 एमएल प्रतिबंधित सिरप जब्त किया। इसके अलावा 3545 लीटर अवैध अंग्रेजी, देशी और हथकड़ शराब भी जब्त की गई। यातायात व्यवस्था के तहत जिले के 30 प्रमुख नाकाबंदी पॉइंट्स पर 5868 दुपहिया और 4220 चौपहिया वाहनों की जांच की गई। मोटर वाहन अधिनियम में 1454 चालान किए गए। इनमें शराब पीकर वाहन चलाने वाले 80 और बिना हेलमेट वाहन चलाने वाले 178 चालक शामिल हैं। नाकाबंदी के दौरान 78 वाहन भी जब्त किए गए। महिला एवं बाल सुरक्षा को लेकर 54 जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किए गए। साथ ही सीएलजी और सामुदायिक पुलिसिंग के माध्यम से आमजन से संवाद कर उनकी समस्याएं एवं सुझाव सुने गए।

विवाद्यकों के स्थिरीकरण के लिए सम्मन
(आदेश 5 के नियम 1 और 5)
न्यायालय- न्यायालय सिविल न्यायाधीश एवं न्यायिक मजिस्ट्रेट क्रम (4) जयपुर महागर द्वितीय
रामकुमार वगैरह
बनाम
नाथू वगैरह व अन्य
वाद वास्ता दावा स्थाई निषेधाज्ञा
वाद संख्या - 441/2025

नाम- बास बदनपुरा गृह निर्माण सहकारी समिति
पता - फकीरो की डूंगरी सांगानेर जयपुर राजस्थान

वादी ने आपके विरुद्ध वाद के लिए वाद संस्थित किया है। आपको इस न्यायालय में तारीख 10 माह सितम्बर सन 2026 को दिन में 10 बजे वाद पत्र का उत्तर देने के लिये तलब किया जाता है। यदि आप उपस्थित (हाजिर) होने के विषय में व्यक्तिगत रूप से इस न्यायालय में स्वयं या किसी ऐसे प्लीडर द्वारा उपसंजात हो सकते हैं जिसे सम्यक् अनुदेश दिये गये हों और जो इस वाद से सम्बन्धित सभी सामान्य प्रश्नों का उत्तर दे सके और जिसके पास कोई ऐसा व्यक्ति हो जो ऐसे प्रश्नों का उत्तर दे सके। आपको यह निर्देश भी दिया जाता है कि आप उस दिन अपनी प्रतिरक्षा का लिखित कथन दाखिल करें और उस दिन ऐसे सब दस्तावेजों जो आपके लिखित कथन में आपके द्वारा दिये गये किसी प्रतिकथा या मुजरा के दावे या प्रतिदावे के समर्थन में साक्ष्य के रूप में निर्भर करते हैं, तो आप ऐसे दस्तावेजों को लिखित कथन के साथ उपलब्ध की जाने वाली सूची में प्रविष्ट करें।
आपको यह सूचित किया जाता है कि यदि आप ऊपर बताई गई तारीख को इस न्यायालय में उपसंजात नहीं होते तो वाद की सुनवाई और उसका निपटारा आपकी अनुपस्थिति में किया जायेगा। यह वाद तारीख 14.08.2026 को मेरे हस्ताक्षर से और इस न्यायालय की मुद्रा लगाकर दिया गया है।

मोहर न्यायालय
अपर सिविल न्यायाधीश एवं न्यायिक मजिस्ट्रेट, क्रम-4
जयपुर महानगर द्वितीय

ईश्तिहार
विवादद्यको के स्थिरीकरण के लिए सम्मन
(आदेश 5 नियम 1 और 5)
न्यायालय पारिवारिक न्यायालय
चिड़ावाओमप्रकाश - बनाम - लक्ष्मी
याचिका विवाह विच्छेद - 196 / 25

अप्रार्थिया--
लक्ष्मी उम्र 30 वर्ष पुत्री श्री जमनालाल सैनी पत्नि ओमप्रकाश सैनी निवासी करौली जिला अलवर हाल आबाद द्वारा शिवराज सैनी, दिल्ली हाई वै, बहरोड़ जिला अलवर। राजस्थान। मो0नं0 9705496989
प्रार्थी ओमप्रकाश ने आपके विरुद्ध दावा विवाह विच्छेद याचिका पेश की है आपको न्यायालय में दिनांक 8 सितम्बर 2026 को दिन के ...10.00 बजे दावे का उत्तर देने के लिए स्वयं उपस्थित होवें। आपको यह निर्देश दिया जाता है कि आप उक्त दिन अपनी प्रतीक्षा का लिखित कथन दाखिल करें और उस दिन ऐसे सब दस्तावेज जो आपके कब्जे या शक्ति में हैं, तो आप ऐसे दस्तावेजों को लिखित कथन के साथ उपबद्ध की जाने वाली सूची में प्रविष्टि करें।
आपको सूचित किया जाता है कि यदि आप ऊपर बताई दिनांक को इस न्यायालय में उपसंजात नहीं होगें तो वाद की सुनवाई और उसका निपटारा आपकी अनुपस्थिति में किया जायेगा।
यह आज तारीख 25.8.2026 को मेरे हस्ताक्षर से न्यायालय की मुद्रा लगाकर दिया गया है।

आदेशानुसार
शेरिस्तेदार
मोहर अदालत
अपर जिला एव सेशन न्यायालय
चिड़ावा जिला झुन्झुनू

हैदराबाद में पेश की राजस्थान की संस्कृति

निवाई। महात्मा गांधी राजकीय विद्यालय (अंग्रेजी माध्यम) चुराडा के शिक्षक रामकल्याण गुर्जर सिरोही ने हैदराबाद में स्थित सांस्कृतिक संसाधन एवं प्रशिक्षण केंद्र में आयोजित 15 दिवसीय राष्ट्रीय शिक्षा नीति-2020 प्रशिक्षण शिविर में भाग लेकर विद्यालय व क्षेत्र का गौरव बढ़ाया। उन्होंने राष्ट्रीय शिक्षा नीति के अनुरूप आधुनिक शिक्षण पद्धितियों की जानकारी हासिल करने के साथ राजस्थान की समृद्ध लोक संस्कृति, कला व परंपराओं का प्रभावी प्रस्तुतिकरण किया। उन्होंने शिक्षा के साथ सांस्कृतिक मूल्यों के समावेश की आवश्यकता पर भी विचार रखे। उनके सांस्कृतिक प्रस्तुतिकरण को सीसीआरटी के आयोजकों एवं विभिन्न राज्यों से आए शिक्षक प्रतिनिधियों ने सराहना की। राष्ट्रीय स्तर के इस प्रशिक्षण में राजस्थान का प्रतिनिधित्व करना विद्यालय एवं क्षेत्र के लिए गौरव की बात है।

कांग्रेस ने चुनावी तैयारियां तेज कीं, सातों निकायों में जीत का दावा

भरतपुर (निसं)। भरतपुर नगर निगम चुनावों के लिए आज पीसीसी के द्वारा पर्यवेक्षक के रूप में लगाए गए राजस्थान यूथ कांग्रेस के प्रदेश अध्यक्ष यशवीर सिंह सूरा एवं कांग्रेस जिला अध्यक्ष दिनेश सूपा ने तथा जिला प्रभारी देशराज मीणा ने भरतपुर के होटल में नगर निगम क्षेत्र से टिकट चुनाव लड़ने के इच्छुक पार्टी कार्यकर्ताओं से रूबरू होकर आवेदन प्राप्त किए।

यूथ कांग्रेस के प्रदेश अध्यक्ष यशवीर सिंह सूरा ने निगम क्षेत्र से टिकट चुनाव लड़ने के इच्छुक पार्टी कार्यकर्ताओं से आवेदन लिए।

कांग्रेस संगठन महासचिव योगेश सिंघल ने बताया कि कांग्रेस पार्टी से पार्षद के रूप में टिकट जाने वाले कार्यकर्ताओं का हुजूम उमड़ पड़ा। तीनों नेताओं ने टिकटार्थियों से उनके चुनाव लड़ने का विजन जाना तथा वार्ड बार जातिगत एवं पार्टी विचारधारा तथा टिकटार्थी के जनाधार के बारे में जानकारी प्राप्त की। उपस्थित सभी कार्यकर्ताओं को संबोधित करते हुए पर्यवेक्षक के रूप में पधारे राजस्थान युवा कांग्रेस के कार्यकारी अध्यक्ष यशवीर सिंह सूरा तथा जिला प्रभारी देशराज मीणा कांग्रेस जिला अध्यक्ष दिनेश सिंह सूपा एवं यूथ कोऑर्डिनेटर जीवन अहीरवाल ने बताया कि इस बार पार्टी का पूरा मानस युवाओं एवं महिलाओं को अधिक से अधिक टिकट देने का है। उन्होंने यह भी कहा कि टिकट वितरण में पारदर्शिता बरतते हुए पार्टी के प्रति सक्रिय, निष्ठावान एवं वफादार कार्यकर्ताओं को ही प्राथमिकता दी जावेगी। कार्यक्रम का संचालन संगठन महासचिव योगेश सिंघल ने किया। इसके बाद होटल निहाल पैलेस में उक्त नेताओं ने प्रेस कॉन्फ्रेंस भी की। जिसमें सर्वप्रथम कांग्रेस जिला अध्यक्ष दिनेश सूपा ने पत्रकारों को संबोधित करते हुए कहा कि पहली बार प्रदेश कांग्रेस कमेटी ने आवेदन प्रक्रिया में नवाचार किया है। जिसके तहत पीसीसी ने एक क्यू आर कोड जारी किया है। उसके मार्फत आवेदनकर्ता अपना ऑनलाइन फॉर्म जमा कर रहे है। ऑफलाइन कॉपी जिला कांग्रेस कार्यालय पर जमा कराई जा रही है। सूपा ने यह भी बताया की भरतपुर के सातों निकायों में कांग्रेस पार्टी अपना बोर्ड बनाएगी। जिला अध्यक्ष सूपा ने पत्रकारों से बात करते हुए कहा कि इस वक्त महंगाई अपने चरम पर है एवं महंगाई ने आम आदमी का घर का बजट बिगाड़ कर रख दिया है जिसका खामियाजा अब भाजपा सरकार को भुगतना पड़ेगा। जयपुर से पधारे पर्यवेक्षक यशवीर सूरा एवं जिला प्रभारी देशराज मीणा ने भी भाजपा की सरकार की कमियों को उजागर करते हुए कहा कि भाजपा राज में जनता बेहद त्रस्त है एवं बदलाव चाहती है।

महिलाओं ने जनप्रतिनिधियों को बांधा रक्षा सूत्र

निवाई। एक निजी पैलेस में विधायक रामसहाय वर्मा के नेतृत्व में रक्षाबंधन का त्यौहार उत्साह के साथ मनाया गया। जिसमें सर्व समाज की महिलाओं ने उत्साहपूर्वक विधायक रामसहाय वर्मा एवं जनप्रतिनिधियों को रक्षा सूत्र बांधकर तिलक लगाकर मिठाई खिलाकर एवं फल-श्रीफल भेंट करके भाई-बहन के पवित्र रिश्ते का संदेश दिया। विधायक रामसहाय वर्मा ने कहा कि रक्षाबंधन भारतीय संस्कृति और पारिवारिक मूल्यों से जुड़ा पवित्र पर्व है। उन्होंने कहा कि प्रदेश के मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के सानिध्य में जनप्रतिनिधियों द्वारा जगह-जगह रक्षाबंधन के कार्यक्रम आयोजित किए जा रहे है। यह पर्व भाई-बहन के प्रेम का प्रतीक है। जो समाज में आपसी स्नेह, सम्मान, सुरक्षा और भाईचारे की भावना को मजबूत करता है। उन्होंने कहा कि महिलाओं का सम्मान और सुरक्षा समाज की सामूहिक जिम्मेदारी है तथा भाजपा सदैव मातृशक्ति के सम्मान और सशक्तिकरण के लिए प्रतिबद्ध है।

खाद्य सुरक्षा विभाग की बड़ी कार्रवाई, 50 किलो दूषित व पुरानी मिठाइयां मौके पर ही नष्ट

कोटपूतली। त्योहारों के मद्देनजर मिठाइयों एवं अन्य खाद्य पदार्थों में मिलावट की रोकथाम के लिए, खाद्य सुरक्षा एवं औषधि नियंत्रण विभाग द्वारा विशेष अभियान चलाया जा रहा है। अभियान के तहत नीमराणा एवं बहरोड़ में विभिन्न प्रतिष्ठानों का निरीक्षण कर खाद्य पदार्थों के नमूने लिए गए तथा करीब 50 किलो दूषित एवं पुरानी मिठाइयों को मौके पर ही नष्ट करवाया गया।

खाद्य सुरक्षा एवं औषधि नियंत्रण विभाग ने विशेष अभियान चला कर खाद्य सामग्री के नमूने लिए।

अभिहित अधिकारी (खाद्य सुरक्षा) शशिकांत शर्मा ने बताया कि जिला कलक्टर अर्पणा गुप्ता के निर्देशानुसार विभागीय टीम द्वारा कार्रवाई की गई। नीमराणा स्थित मैसर्स जोधपुर मिष्ठान भंडार की शिकायत प्राप्त होने पर निरीक्षण कर मिल्क केक का नमूना लिया गया। इसी क्रम में नीमराणा के गांव मोलेडिया स्थित मिष्ठान भंडारों का निरीक्षण किया गया। निरीक्षण के दौरान मैसर्स बीकानेर मिष्ठान भंडार के गोदाम एवं दुकान पर साफ-सफाई संतोषजनक नहीं पाए जाने पर इम्प्रूवमेंट नोटिस जारी किया गया। मौके पर करीब 50 किलो दूषित एवं पुरानी मिठाइयां पाई गई, जिन्हें मौके पर ही नष्ट करवाया गया। बहरोड़ स्थित मैसर्स आर.आर. स्वीट्स एंड फास्ट फूड की दुकान एवं किचन का निरीक्षण कर मिक्स मावा एवं मिल्क केक के नमूने लिए गए। खाद्य सुरक्षा अधिकारियों द्वारा संबंधित फर्मों को आगामी त्योहारों के मद्देनजर साफ-सफाई एवं खाद्य सुरक्षा मानकों की पालना सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए। जांच रिपोर्ट प्राप्त होने के बाद खाद्य सुरक्षा एवं मानक अधिनियम, 2006 के तहत नियमानुसार आवश्यक कार्रवाई की जाएगी। विभाग ने आमजन से अपील की है कि क्षेत्र में कहीं भी खाद्य पदार्थों में मिलावट अथवा खाद्य सुरक्षा मानकों के उल्लंघन की जानकारी मिलने पर विभाग को सूचित करें। निरीक्षण के दौरान खाद्य सुरक्षा अधिकारी शशिकांत शर्मा, नेहा शर्मा, राज सिंह चौहान एवं विजेन्द्र कुमार सहित विभागीय टीम मौजूद रही।

> ■ मैसर्स जोधपुर मिष्ठान भंडार की शिकायत प्राप्त होने पर निरीक्षण कर मिल्क केक का नमूना लिया

राजस्थान सरकार
कार्यालय प्राचार्य राजकीय नर्सिंग महाविद्यालय, करौली (राज.)
क्रमांक : रा.न.म./2026/ 430 दिनांक : 25/08/2026
अल्प अवधि प्रवेश - सूचना (2026-27)

राजकीय नर्सिंग महाविद्यालय करौली में चैयरमेन नर्सिंग काउंसलिंग बोर्ड 2026, राजस्थान स्वास्थ्य विज्ञान विश्वविद्यालय जयपुर द्वारा B.Sc. Nursing पाठ्यक्रम प्रवेश सत्र 2026-27 की ऑनलाईन काउंसलिंग के पश्चात रिक्त रही सीटो हेतु योग्य अभ्यर्थियों से आवेदन आमंत्रित किये जाते है।

S.No.	Course	Admission Session	Vacant Seats
1.	B.Sc. Nursing (4 Year Course)	2026 - 27	07 (UR)

नोट :-
01. आवेदन पत्र कार्यालय राजकीय नर्सिंग महाविद्यालय करौली से निर्धारित शुल्क रूपये 500/- नकद/ऑनलाईन जमा करा कर दिनांक 26.08.2026 से 27.08.2026 समय 09:00 AM- 12:00 PM तक प्राप्त किये जा सकते है।
02. प्रवेश हेतु निर्धारित योग्यता RUHS Jaipur द्वारा जारी Information Booklet (B.Sc. Nursing Course Session 2026-27) के अनुसार होगी।
03. प्रवेश हेतु वरीयता निर्धारण RUHS Jaipur द्वारा तिथि 24.08.2026 के आदेश क्रमांक 2513 के अनुसार पोर्टल पर जारी अभ्यर्थी वरीयता सूची/नवीनतम निर्देश के अनुसार होगी। (As per Nursing Counseling board 2026)
04. आवेदन पत्र कार्यालय राजकीय नर्सिंग महाविद्यालय करौली मे जमा कराने की अन्तिम तिथि 27.08.2026 समय 12:00 PM तक है।
05. पूर्ण रूप से भरे हुए आवेदन पत्र मय आवश्यक संलग्न दस्तावेज ही विचाराधीन होगे। आवश्यक दस्तावेज के अभाव मे अपूर्ण आवेदन पत्रो पर विचार नही किया जावेगा।
06. योग्य अभ्यर्थियो का चयन RUHS Jaipur तथा राज्य सरकार के नियमो के अनुसार किया जाएगा।
08. आवेदित अभ्यर्थियो की संख्या रिक्त सीटो से ज्यादा होने पर प्रवेश हेतु वरीयता निर्धारण RUHS Jaipur द्वारा जारी सम्बंधित अभ्यर्थी की वरीयता सूची के अनुसार होगे।
09. काउंसलिंग हेतु अभ्यर्थियो (रिक्त सीटो के तीन गुणा) की सूचना कार्यालय राजकीय नर्सिंग महाविद्यालय करौली के नोटिस बोर्ड पर दिनांक 28.08.2026 समय प्रातः 10:00 AM बजे पश्चात चस्पा की जावेगी।
10. काउंसलिंग हेतु चयनित अभ्यर्थियो को कार्यालय राजकीय नर्सिंग महाविद्यालय करौली मे आवेदन पत्र मे सूचीबद्ध समस्त दस्तावेज सत्यापन हेतु दिनांक 29.08.2026 समय 10:00 AM बजे तक अनिवार्य रूप से Reporting देनी होगी।
11. दस्तावेज सत्यापन उपरान्त अंतिम रूप से चयनित अभ्यर्थियो को कार्यालय राजकीय नर्सिंग महाविद्यालय करौली मे समस्त मूल दस्तावेज के साथ स्वास्थ्य प्रमाण पत्र, रूपये 500/-Bond taking तथा निर्धारित फीस के साथ दिनांक 31.08.2026 समय दोपहर 12:00 बजे तक अनिवार्य रूप से Joining देनी होगी। नियत तिथि व समय उपरान्त Joining स्वीकार नही होगी।
12. फीस डीडी Government Nursing College Karuli के नाम देय होगी।

मनोज कुमार शर्मा
प्राचार्य
राजकीय नर्सिंग महाविद्यालय,

प्रमुख चिकित्सा अधिकारी करौली
(कार्यालय अध्यक्ष)

दो वांछित गिरफ्तार

टोंक। जिला पुलिस अधीक्षक रोशन मीना के निर्देशन में चलाये जा रहे वांछित अपराधियों की धरपकड़ अभियान के तहत घाड थाना पुलिस द्वारा कार्यवाही करते हुए खेत पर लगी केबल को काटने वाले तीन आरोपियों को गिरफ्तार किया गया हैं।

इस कार्यवाही के दौरान आरोपी पंकज सैनी पुत्र छोटुलाल उम्र 29 साल, आरिफ उर्फ सोनू पुत्र नन्हे खां उम्र 25 साल, नोरतमल पुत्र पोलूराम भील उम्र 28 साल निवासी देवडावास थाना घाड को गिरफतार किया जाकर उनके कब्जे से 4 नग केबल कॉपर वायर, जो 42 मीटर केबल कॉपर वायर है को जब्त किया गया है। जिनकी अनुमानित राशी करीबन 8000 रूपये है।

इसी प्रकार निवाई थाना में लंबित चल रहे प्रकरणों के निस्तारण हेतु चलाये जा रहे अभियान के तहत कार्यवाही करते हुए निवाई थाना पुलिस ने अवैध बजरी खनन प्रकरण में फरार चल रहे आरोपी राजेन्द्र गुर्जर पुत्र चोथमल गुर्जर उम्र 40 साल निवासी छावडी मोहल्ला रजवाना थाना चोथ का बरवाडा जिला सवाई माधोपुर को गिरफ्तार किया गया है।

निकाय चुनाव में अशांति फैलाने वालों की खैर नहीं, पुलिस ने कसी कमर

अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक लालसोट विनोद जी ने पुलिस अधिकारियों की बैठक लेकर चुनाव के दौरान कानून-व्यवस्था बनाए रखने के लिए आवश्यक दिशा-निर्देश दिए।

- हिस्ट्रीशीटर-बदमाशों को पाबंद करने और अवैध गतिविधियों पर कार्रवाई के निर्देश
- अवैध शराब सहित अन्य अवैध गतिविधियों पर प्रभावी अंकुश लगाने तथा होटल-ढाबों पर विशेष निगरानी रखने के निर्देश दिए।

लालसोट। निकाय चुनाव के दौरान शांतिपूर्ण एवं निष्पक्ष मतदान संपन्न कराने को लेकर पुलिस प्रशासन ने तैयारियां तेज कर दी हैं। बुधवार को अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक लालसोट विनोद जी ने पुलिस अधिकारियों की बैठक लेकर चुनाव के दौरान कानून-व्यवस्था बनाए रखने के लिए आवश्यक दिशा-निर्देश दिए।

बैठक में सेक्टर लालसोट के वृताधिकारी सत्यनारायण यादव, नागल वृताधिकारी शीशराम मीणा, लालसोट थानाधिकारी हरलाल मीणा, मंडावरी थानाधिकारी जगदीश प्रधान, झांपड़ा थानाधिकारी सतीश कुमार, नागल थानाधिकारी हुसैन अली, पापड़दा थानाधिकारी जन्मेजराम, लवाण थानाधिकारी विजेंद्र सिंह तथा राहुवास थानाधिकारी सुरेश कुमार सहित पुलिस अधिकारी मौजूद रहे। अधिकारियों को निर्देश दिए कि चुनाव के दौरान किसी भी प्रकार की अशांति पैदा करने वाले तत्वों पर विशेष निगरानी रखी जाए। हिस्ट्रीशीटर एवं आपराधिक प्रवृत्ति के बदमाशों को पाबंद करने के साथ ही संवेदनशील क्षेत्रों में पुलिस गश्त और निगरानी बढ़ाई जाए। उन्होंने अवैध शराब सहित अन्य अवैध गतिविधियों पर प्रभावी अंकुश लगाने तथा होटल-ढाबों पर विशेष निगरानी रखने के निर्देश दिए। इसके अलावा लंबित प्रकरणों में फरार चल रहे आरोपियों की गिरफ्तारी के लिए अभियान चलाने तथा चुनाव के दौरान किसी भी प्रकार की बदमाशी या कानून व्यवस्था बिगाड़ने का प्रयास करने वालों के खिलाफ सख्त कार्रवाई करने को कहा गया। पुलिस अधिकारियों को स्पष्ट निर्देश दिए गए कि निकाय चुनाव शांतिपूर्ण माहौल में संपन्न कराने में किसी प्रकार की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। चुनाव के दौरान माहौल बिगाड़ने या मतदाताओं को प्रभावित करने की कोशिश करने वाले असामाजिक तत्वों पर पुलिस की पैनी नजर रहेगी।

सार-समाचार

नगर निकाय चुनाव के लिए नामांकन प्रक्रिया कल से

खैरथल। नगर निकाय आम चुनाव 2026 के तहत जिले की नगर परिषद एवं नगरपालिकाओं में वार्ड पार्षद पद के लिए नामांकन प्रक्रिया कल 27 अगस्त से प्रारंभ होकर 31 अगस्त 2026 तक चलेगी। नामांकन पत्र संबंधित रिटर्निंग अधिकारी (आरओ) एवं सहायक रिटर्निंग अधिकारी (एआरओ) द्वारा निर्धारित स्थानों पर प्रातः 10:30 बजे से 3:00 बजे तक से स्वीकार किए जाएंगे। नगर परिषद भिवाड़ी के नामांकन रिटर्निंग अधिकारी अतिरिक्त जिला कलक्टर, भिवाड़ी को दिए जाएंगे। नगर परिषद खैरथल के नामांकन रिटर्निंग अधिकारी तहसीलदार खैरथल को दिए जाएंगे। नगर परिषद तिजारा के नामांकन रिटर्निंग अधिकारी उपखण्ड अधिकारी, तिजारा को दिए जाएंगे। नगरपालिका किशनगढबास के नामांकन रिटर्निंग अधिकारी उपखण्ड अधिकारी, किशनगढबास को दिए जाएंगे। नगरपालिका मुण्डावर के नामांकन रिटर्निंग अधिकारी उपखण्ड अधिकारी, मुण्डावर को दिए जाएंगे। इसी प्रकार नगरपालिका टपूकड़ा के नामांकन रिटर्निंग अधिकारी उपखण्ड अधिकारी, टपूकड़ा को दिए जाएंगे। नगरपालिका कोटकासिम के नामांकन रिटर्निंग अधिकारी उपखण्ड अधिकारी, कोटकासिम को दिए जाएंगे। नामांकन प्रक्रिया निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार संबंधित आरओ एवं एआरओ द्वारा संपादित की जाएगी। उम्मीदवारों से अपील की गई है कि वे निर्धारित अवधि एवं समय में संबंधित अधिकारी के समक्ष नामांकन पत्र प्रस्तुत करना सुनिश्चित करें।

मोहब्बत और भाईचारे का पैगाम दिया

सांभरझील, (निसं)। यहां पुरानी धान मंडी स्थित दरगाह शरीफ से बारह वफात के मुबारक अवसर अकीदत व एहतराम के साथ जुलूस-ए-मोहम्मदी निकाला गया। जुलूस में भारी तादाद में मुस्लिम समुदाय के लोगों ने हिस्सा लिया। जुलूस के दौरान नात-ए-पाक, दुरूद व सलाम की सदाओं से शहर गूंजायमान हो उठा। दरगाह शरीफ से रवाना होकर जुलूस कटला बाजार, हथाई, भिश्ती मोहल्ला और धान मंडी होते हुए वापस दरगाह शरीफ के पास पहुंचकर संपन्न हुआ। मार्ग में जगह-जगह लोगों ने जुलूस का इस्तकबाल किया। अनेक जगहों पर मौसमी फलों को बांटा गया। भीषण गर्मी के मद्देनजर शरबत और शीतल जल की छबीलें लगाई गई तथा जुलूस में शामिल लोगो की खिदमत की गई। मुस्लिम भाइयों ने अमन, भाईचारे और मोहब्बत का पैगाम दिया। पैगंबर-ए-इस्लाम हजरत मुहम्मद मुस्तफा की सीरत-ए-पाक को याद करते हुए उनके बताए रास्ते पर चलने का संदेश भी दिया। जुलूस में दरगाह खादिम निसार अहमद, अंजुमन सदर वकार यूनुस, नजम उल उस्मानी, पूर्व पार्षद सिराजुद्दीन मंसूरी, पूर्व सदर सलाम शेख, जियाउर्रहमान, हारून रशीद, एडवोकेट आसिफ खान, जावेद बेग, इमरान अहमद सहित अन्य गणमान्य लोग मौजूद रहे। सभी ने जुलूस के सफल एवं शांतिपूर्ण आयोजन में सहभागिता निभाई। अंत में मुल्क में अमन-चैन, खुशहाली, भाईचारे और तरक्की के लिए विशेष दुआ की गई। जश्न ईद मिलादुनबी के मौके पर हुसमिया सोशियल वेलफेयर सोसाइटी की तरफ से उप जिला अस्पताल में फलों का वितरण किया गया है। इस मौके पर सोसाइटी के हारून रशीद, पूर्व पार्षद सिराजुद्दीन मंसूरी, नजम उल हसन उस्मानी, मुबारक जियाउर्रहमान, एडवोकेट आसिफ खान, निवर्तमान पार्षद मुकेश मौर्य आदि मौजूद रहे। नजम उस्मानी ने बताया कि चिकित्सा अधिकारी डॉक्टर महेश वर्मा के कर कमलों से फलों के वितरण का शुभारंभ किया गया।

हर्षोल्लास के साथ मनाया ईद मिलाद उन नबी का त्यौहार

कोटपूतली । क्षेत्र में बुधवार को ईद मिलाद उन नबी का त्यौहार हजारों की संख्या में एकत्रित अकीदतमंदों द्वारा बेहद शान ओ शौकत और हर्षोल्लास के साथ मनाया गया। इस मुबारक मौके पर 'दीनी ऐलान द्वारिका' के 31 वें सालाना विशेषांक का विमोचन भी किया गया। त्यौहार के दौरान सुरक्षा व्यवस्था को लेकर पुलिस और प्रशासन पूरी तरह मुस्तैद और चाक-चौबंद नजर आया। मस्जिदों में गूंजी तकरीर, पैगंबर साहब के संदेश को दोहराया :- शहर की तीनों प्रमुख मस्जिदों के शाही इमामों और मौलवियों की मौजूदगी में विशेष आयोजन हुये। कस्बा स्थित बहादुर शाह गाजी मस्जिद के इमाम अशफाक साहब और दिल्ली दरवाजा सराय वाली मस्जिद के मौलाना हनीफ अहमद ने संबोधित किया। शाही इमाम अशफाक साहब ने इस्लाम धर्म के पैगंबर मोहम्मद सल्लल्लाहु अलैहि वसल्लम के जीवन पर प्रकाश डालते हुए कहा कि पैगंबर साहब ने पूरी दुनिया को इंसानियत का पैगाम दिया। उन्होंने हमेशा प्यार, मौहब्बत, सच्चाई और सुलह के रास्ते पर चलने की सीख दी। अपने वादों को पूरा करने और दुश्मनों को भी माफ करने का बर्ताव सिखाया। गरीबों, कमजोरों, बुजुर्गों और बेसहारा लोगों की मदद करने का सबक दिया निकला भव्य मौहम्मदी जुलूस, उमड़ा जनसैलाब :- इस मौके पर शहर में एक विशाल मौहम्मदी जुलूस निकाला गया। जुलूस में पुरुषों के साथ-साथ महिलाओं और बच्चों ने भी बड़े उत्साह के साथ बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया। इस दौरान मुल्क में अमन, चैन, शांति और आपसी भाईचारा कायम रखने के लिए विशेष दुआएं मांगी गईं। संपूर्ण आयोजन आपसी सहयोग और सांप्रदायिक सौहार्द की एक अनूठी मिषाल रहा। इस दौरान सदर इरफान कुरैशी, कांठोस अल्पसंख्यक विभाग जिलाध्यक्ष मुन्नानुदीन कुरैशी, जावेद कुरैशी, हनीफ कुरैशी, हाजी सद्दीक मौहम्मद, इशाक खान पत्रकार, रफीक खान, हाजी सलीम लुहार, शोकत खान, अलीमुदीन मास्टर, एड. इस्माईल, जियालाल मास्टर, सद्दाम हुसैन, नईम खान, सद्दाम कुरैशी, आजाद कुरैशी, इलियास खान समेत बड़ी संख्या में मुस्लिम धर्मावलम्बी मौजूद रहे।

मॉकड्रिल के द्वारा पेट्रोल-टैंकर से लगी आग पर पाया काबू

टोंक। शहर में पुलिस व जिला प्रशासन की मॉकड्रिल के तहत पेट्रोल टैंकर में आग लगने और ड्राइवर की मौत के साथ टैंकर में कई लोगों के फंसे होने की सूचना मिलते ही हड़कंप मच गया। सूचना मिलते ही पुलिस और प्रशासनिक विभागों के अफसर मौके पर पहुंचे और राहत-बचाव कार्यों का जायजा लिया। दरअसल, विभागों के बीच तालमेल और राहत कार्यों में तत्परता जांचने के लिए कामधेनु सर्किल पर मॉक ड्रिल का आयोजन किया गया था। सूचना मिलते ही सबसे पहले 10 मिनट में शहर कोतवाल भंवरलाल वैष्णव अपनी पुलिस टीम के साथ सबसे पहले मौके पर पहुंचे। उन्होंने घटनास्थल की सुरक्षा व्यवस्था अपने नियंत्रण में ली , जहा पर आसपास के क्षेत्र को सुरक्षित किया और किसी भी अप्रिय स्थिति से बचने के लिए यातायात व्यवस्था को नियंत्रित किया। कामधेनु सर्किल पर अचानक बड़ी संख्या में पुलिसकर्मियों की मौजूदगी और यातायात डायवर्जन को देखकर आसपास में भी दहशत फैल गई। हालांकि पुलिस के जवानों से मॉक ड्रिल की जानकारी मिलने पर लोगों ने राहत की सांस लीं। दमकल टीम द्वारा पेट्रोल टैंकर में लगी आग पर काबू पाने की कार्यवाही की गई। जबकि चिकित्सा टीम ने घायलों का उपचार किया और हॉस्पिटल भेजने की कार्रवाई की। मॉक ड्रिल का मुख्य उद्देश्य यह जांचना था कि यदि अचानक पेट्रोल टैंकर में आग लग जाए तो पुलिस, दमकल, चिकित्सा एवं प्रशासनिक टीमें कितनी तेजी से घटनास्थल पर पहुंचकर आपसी समन्वय के साथ राहत और बचाव कार्य शुरू कर सकती हैं। अधिकारियों ने मौके पर संसाधनों की उपलब्धता, टीमों की प्रतिक्रिया, यातायात नियंत्रण, सुरक्षा व्यवस्था और राहत-बचाव कार्यों की तैयारियों का जायजा लिया। मौके पर पहुंचे पुलिस अधीक्षक रोशन मीणा ने कहा कि आपदा जैसी परिस्थितियों में पुलिस की त्वरित प्रतिक्रिया बेहद महत्वपूर्ण होती है। मॉक ड्रिल के दौरान एसपी रोशन मीणा, जिला कलेक्टर टीना डाबी, पुरानी टोंक थाना अधिकारी राजेंद्र प्रसाद और सदर थाना अधिकारी अंकेश चौधरी सहित पुलिस एवं प्रशासन के अधिकारी मौजूद रहे।

तालाब में मिला युवक का शव

टोंक। कोतवाली थाना क्षेत्र स्थित तेलियों के तालाब में अर्द्धनग्न अवस्था में अज्ञात व्यक्ति का शव मिलने से क्षेत्र में सनसनी फैल गई। सूचना के बाद पहुची थाना पुलिस ने षषव को कब्जे में लेकर जिला अस्पताल की मॉर्च्युरी में रखवाया गया है। प्राप्त जानकारी के अनुसार बुधवार सुबह तेलियों के तालाब में एक अज्ञात युवक का शव अर्धनग्न हालत में मिला, जिसके बाद सूचना पर पंहुची कोतवाली थाना पुलिस ने शव को वहां मौजूद व्यक्तियों की मदद से शव को पानी से बाहर निकलवाया और जिला अस्पताल की मॉर्च्युरी में रखवाया। फिलहाल युवक की पहचान नहीं हो पाई है, पुलिस ने गुमशुदगी की रिपोर्ट के आधार पर पहचान करने में जुटी है। पुलिस ने मौके का जायजा लेने के बाद जांच शुरू कर दी है। पुलिस युवक की पहचान के साथ यह भी पता लगाने में जुटी है कि उसकी मौत कैसे हुई।

वाशिंग मशीन, कीमती कपड़े, नकदी सहित सामान जला

मनोहरपुर । सरकारी अस्पताल के पीछे स्थित एक मकान में बुधवार देर रात करीब 2:30 बजे अचानक भीषण आग लगने से हड़कंप मच गया। प्रारंभिक जानकारी के अनुसार आग लगने का कारण मीटर में हुआ शॉर्ट सर्किट बताया जा रहा है। आग की चपेट में आने से मकान में रखा घरेलू सामान, वाशिंग मशीन, कीमती कपडे, बक्से में रखा सामान तथा नकदी जलकर राख हो गई। पीड़ित लक्ष्मी देवी ने बताया कि देर रात वह परिवार बच्चों के साथ सो रही थी अचानक मीटर में शॉर्ट सर्किट हुआ, जिसके बाद आग तेजी से फैल गई। आग की लपटें और तपन लगने की वजह से चिल्लाने की आवाज सुन आसपास के लोग मौके पर पहुंचे और सूझबूझ दिखाते हुए आग पर काबू पाने का प्रयास किया। लोगों ने घर में रखा सामान बाहर निकालकर बड़ा नुकसान होने से बचाया। घटना की सूचना पीड़ित की ओर से थाना पुलिस एवं बिजली विभाग में देकर जांच और नुकसान का उचित मुआवजा दिलाने की मांग की है।

पहले प्रयास में असिस्टेंट प्रोफेसर बनीं ऋषिता अग्रवाल

मनोहरपुर । कस्बे की पुरानी सड़क निवासी ऋषिता अठावाल पुत्री राघवेंद्र चौधरी का राजस्थान लोक सेवा आयोग (आरपीएससी) द्वारा आयोजित असिस्टेंट प्रोफेसर भर्ती परीक्षा में चयन होने पर ठामीणों ने उनका माला पहनाकर एवं मिठाई खिलाकर सम्मान किया। ऋषिता अठावाल का चयन जंतु विज्ञान विषय में असिस्टेंट प्रोफेसर पद पर हुआ है। ऋषिता अग्रवाल ने बताया कि उन्होंने पहले ही प्रयास में सफलता हासिल की है। आरपीएससी परीक्षा में उनका रोल नंबर 3282014 रहा तथा उन्हें 24वीं वरीयता प्राप्त हुई।

रक्तदान शिविर का आयोजन

किशनगढ़ बास। ग्राम माहोंद में बुधवार को हज़रत मुहम्मद साहब के 1501वें जन्मदिवस के अवसर पर रक्तदान शिविर का आयोजन किया गया। इस दौरान हज़रत मुहम्मद साहब के जीवन, उनके आदर्शों एवं मानवता के लिए दिए गए संदेशों पर प्रकाश डाला गया।

इस अवसर पर अमन भारती विकास संस्थान के संस्थापक सैयद इस्लामुदीन ने हज़रत मुहम्मद साहब के जीवन पर प्रकाश डालते हुए कहा कि हमें उनके बताए हुए रास्ते पर चलते हुए मानवता, भाईचारे, सच्चाई और जरूरतमंदों की सेवा को अपने जीवन का हिस्सा बनाना चाहिए।

शाह अल्वी समाज के जिलाध्यक्ष सैयद रहमत शाह अल्वी ने कहा कि हज़रत मुहम्मद साहब का जीवन हमेशा गरीबों और जरूरतमंदों के हक में खड़े होने तथा सच्चाई के रास्ते पर चलने का संदेश देता है। उनके आदर्श आज भी पूरी मानवता के लिए प्रेरणादायी हैं।

बहरोड़ के यतीन्द्र को राजभाषा गौरव सम्मान

- पुस्तक "एनीमेशन की दुनिया" पर गृहमंत्री करेंगे सम्मानित, पिता-पुत्र की जोड़ी ने बढ़ाया अहीरवाल का मान

किशनगढ़बास। बहरोड़ तहसील के ग्राम भूपखेड़ा ने एक बार फिर यह साबित कर दिया है कि प्रतिभा किसी बड़े शहर की मोहताज नहीं होती। गांव के लाल यतीन्द्र एस यादव को भारत सरकार के प्रतिष्ठित राजभाषा गौरव सम्मान के लिए चयनित किया गया है। यह सम्मान उन्हें उनकी मौलिक हिंदी पुस्तक "एनीमेशन की दुनिया" पर दिया जाएगा। पुरस्कार आगामी राजभाषा सम्मेलन में देश के गृहमंत्री द्वारा प्रदान किया जाएगा।

यह उपलब्धि इसलिए भी खास है क्योंकि यतीन्द्र इस सम्मान को पाने वाले परिवार की दूसरी पीढ़ी हैं। उनके पिता सुबह सिंह यादव हिंदी और बैंकिंग साहित्य के क्षेत्र में एक बड़ा नाम हैं। पिता-पुत्र की इस जोड़ी की इस दोहरी उपलब्धि पर पूरे बहरोड़ और अहीरवाल क्षेत्र में खुशी की लहर है।

यतीन्द्र के पिता सुबह सिंह यादव बैंक ऑफ बड़ौदा अकादमी से शिक्षण प्रमुख के पद से सेवानिवृत्त हैं। राजभाषा हिंदी में उनके योगदान को देखते हुए भारत सरकार के विभिन्न मंत्रालयों ने उन्हें अब तक कई बार सम्मानित किया है। सुबह सिंह यादव छह बार राष्ट्रपति अवार्ड, छह बार योजना आयोग, पांच बार रिजर्व बैंक ऑफ इंडिया, चार बार केंद्रीय वित्त मंत्रालय और दो बार गृह मंत्रालय से पुरस्कृत हो चुके हैं। यह अपने आप में एक रिकॉर्ड है।

सुबह सिंह यादव बताते हैं कि वह अब तक 39 पुस्तकें लिख चुके हैं और उनके 720 से अधिक लेख राष्ट्रीय स्तर की पत्र-पत्रिकाओं में प्रकाशित हो चुके हैं। हिंदी को तकनीक और बैंकिंग की भाषा बनाने में उनका योगदान अतुलनीय रहा है। अब उन्हीं के पदचिन्हों पर चलते हुए उनके पुत्र यतीन्द्र ने भी हिंदी में तकनीकी लेखन कर परिवार की इस गौरवशाली परंपरा को आगे बढ़ाया है।

यतीन्द्र एस यादव सम्प्रति गुरुग्राम स्थित विश्व प्रसिद्ध बहुराष्ट्रीय कंपनी "लक्ष्य डिजिटल" में सीनियर एनवायरमेंटल आर्टिस्ट के पद पर कार्यरत हैं। एनीमेशन जैसे आधुनिक और जटिल विषय को सरल हिंदी में लिखकर युवाओं तक पहुंचाना उनकी सबसे बड़ी विशेषता मानी गई है।

विभिन्न प्रकरणो में 6 आरोपी गिरफ्तार

टोंक। दत्तवास थाना पुलिस ने अवैध शराब की बिक्री और जुआ खेलने वालों के खिलाफ कार्यवाही करते हुए पुलिस ने 102 पव्वे देशी शराब जब्त किया गया है तथा जुआ खेलने के आरोप में दो आरोपियों के खिलाफ मामला दर्ज किया जाकर गिरफ्तार किया गया है। दत्तवास थानाधिकारी निरमा मीणा के नेतृत्व में गठित टीम ने मुखबिर की सूचना पर कार्यवाही करते हुए क्षैत्र में अवैध देशी शराब के 102 पव्वे जब्त किए एवं मामले में वांछित आरोपी सुभाष सांसी निवासी सांसीयों की ढाणी ललवाड़ी की तलाश जारी है।

इसी प्रकार टीम ने जुआ खेलने के आरोप में कस्बा दत्तवास से कालूराम पुत्र प्योरलाल और मुकेश पुत्र श्रीरामानंद के खिलाफ प्रकरण दर्ज किया गया है, जो रुपए-पैसों पर दांव लगाकर जुआ खेल रहे था।

इसी प्रकार पुलिस टीम ने थाना क्षेत्र के सक्रिय अपराधी हेमराज गुर्जर निवासी श्रीगोपालपुरा को गिरफ्तार किया। पुलिस के अनुसार, हेमराज के खिलाफ दत्तवास सहित अन्य थानों में विभिन्न धाराओं में कुल 12 प्रकरण दर्ज हैं। गश्त के दौरान संदिग्ध व्यक्ति हनुमान जाट निवासी कोटड़ा को भी इसी धारा के तहत गिरफ्तार किया गया।

नुक्कड़ नाटक से मतदाताओं को जागरूक किया

नगर पालिका कालाडेरा परिक्षेत्र में मतदाता जागरूकता अभियान के तहत नुक्कड़ नाटक किए।

चौमूं / कालाडेरा । नगर पालिका कालाडेरा परिक्षेत्र में मतदाता जागरूकता अभियान का आयोजन किया गया कार्यक्रम के तहत विभिन्न स्थानों पर नुक्कड़ नाटक कार्यक्रम आयोजित किए गए।

कार्यक्रम के माध्यम से आमजन को आगामी 9 सिंतबर 2026 को होने वाले नगर पालिका चुनाव में अधिक से अधिक संख्या में मतदान करने तथा अपने मताधिकार का जिम्मेदारीपूर्वक प्रयोग करने के लिए जागरूक किया गया। नुक्कड़ नाटक के कलाकारों ने मनोरंजक एवं प्रभावी प्रस्तुतियों के माध्यम से मतदाताओं को मतदान के महत्व, लोकतांत्रिक व्यवस्था में उनकी भूमिका तथा निष्पक्ष एवं निर्भीक मतदान का संदेश दिया। कार्यक्रम के दौरान आमजन ने उत्साहपूर्वक भाग लिया और मतदान के प्रति जागरूक रहने का संकल्प लिया। इस अवसर पर नगर पालिका की अधिशासी अधिकारी निकिता वर्मा, स्वीप एक्टिविटी प्रभारी एवं स्वास्थ्य निरीक्षक दीपा सैनी, मीडिया प्रकोष्ठ से मुकेश शर्मा एवं विजय पंडित सहित नगर पालिका कार्मिक एवं आमजन उपस्थित रहे।

अधिकारियों ने आमजन से अपील की कि वे लोकतंत्र के इस महापर्व में अपनी भागीदारी सुनिश्चित करते हुए आगामी 9 सितंबर 2026 को अनिवार्य रूप से मतदान करें और अन्य लोगों को भी मतदान के लिए प्रेरित करें।

वाहन की टक्कर से पिकअप चालक की मौत

लालसोट। दिल्ली-मुंबई एक्सप्रेसवे पर लालसोट क्षेत्र के बड़का पाड़ा के पास देर रात अज्ञात वाहन ने पिकअप को टक्कर मार दी। हादसे में पिकअप चालक की मौके पर ही मौत हो गई। दुर्घटना के बाद मौके पर पहुंची पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम करवाया और परिजनों को सौंप दिया।

मृतक की पहचान हरियाणा के नूंह जिले के तूसनी गांव निवासी दीन मोहम्मद (45) के रूप में हुई है। पुलिस के अनुसार पिकअप में गोवंश भी मिले हैं। हादसा दिल्ली-मुंबई एक्सप्रेसवे के पिलर संख्या 227 के पास रात के समय हुआ। हादसे की सूचना मिलने पर पुलिस मौके पर पहुंची और दुर्घटना के कारणों की जांच शुरू की।

पुलिस ने अज्ञात वाहन की तलाश के लिए आसपास के क्षेत्र में जानकारी जुटाई है। हादसे के बाद एक्सप्रेसवे पर कुछ समय के लिए अफरा-तफरी का माहौल रहा। पुलिस पूरे मामले की जांच कर रही है।

साथ ही यह भी पता लगाया जा रहा है कि पिकअप कहां से आ रही थी और उसमें मौजूद गोवंश को कहां ले जाया जा रहा था। पुलिस अज्ञात वाहन की पहचान के लिए आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज भी खंगाल सकती है।

पावटा में कृष्ण जन्मोत्सव को लेकर उत्साह

- मंदिरों में सजावट और धार्मिक आयोजनों की तैयारियां तेज
- बाजारों में भी जन्माष्टमी से जुड़ी सामग्री, सजावटी सामान और भगवान श्रीकृष्ण की पोशाकों की मांग बढ़ने लगी है।

पावटा। कृष्ण जन्मोत्सव को लेकर क्षेत्रभर के मंदिरों में तैयारियां शुरू हो गई हैं। भगवान श्रीकृष्ण के जन्मोत्सव को भव्य एवं श्रद्धापूर्वक मनाने के लिए मंदिर समितियों और श्रद्धालुओं द्वारा मंदिरों की साफ-सफाई, सजावट तथा विशेष धार्मिक कार्यक्रमों की तैयारियां की जा रही हैं। जन्माष्टमी के अवसर पर मंदिरों में आकर्षक विद्युत सजावट, फूलों की सजावट और भगवान श्रीकृष्ण की विशेष झांकियां सजाने की तैयारियां भी जोर पकड़ रही हैं। क्षेत्र के प्राचीन गणेश मंदिर, गोपाल भैया मंदिर, बाबा भूतनाथ जोहड़ा धाम मंदिर, नृसिंह जी का मंदिर, सीताराम मंदिर, मोदी मंदिर, राठी वाला मंदिर, मुरलीधर जी का मंदिर, दुर्गा माता मंदिर, किला हनुमान मंदिर, हखडेत हनुमान मंदिर, रानी सती मंदिर सहित विभिन्न मंदिरों में कृष्ण जन्मोत्सव को लेकर तैयारियां शुरू हो चुकी हैं।

मंदिरों में भगवान श्रीकृष्ण की आकर्षक झांकियां सजाने, भजन-कीर्तन एवं धार्मिक कार्यक्रम आयोजित करने को लेकर भी तैयारियां की जा रही हैं। जन्मोत्सव की रात भगवान श्रीकृष्ण के जन्म के समय विशेष पूजा-अर्चना और आरती का आयोजन किया जाएगा। मंदिरों में दर्शन के लिए बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं के पहुंचने की संभावना को देखते हुए व्यवस्थाओं को भी अंतिम रूप दिया जा रहा है।

कृष्ण जन्मोत्सव को लेकर श्रद्धालुओं में खासा उत्साह देखने को मिल रहा है। बाजारों में भी जन्माष्टमी से जुड़ी सामग्री, सजावटी सामान और भगवान श्रीकृष्ण की पोशाकों की मांग बढ़ने लगी है।

पूरे क्षेत्र में जन्माष्टमी को लेकर धार्मिक माहौल बनने लगा है और श्रद्धालु भगवान श्रीकृष्ण के जन्मोत्सव को धूमधाम से मनाने की तैयारियों में जुट गए हैं।

जुलूस अमन-चैन और भाईचारे की मांगी दुआ

- प्रागपुरा थाना अधिकारी भजनाराम के नेतृत्व में पुलिस जाप्ता तैनात रहा।

पावटा। ईद मिलादुन्नबी के पावन अवसर पर बुधवार को पावटा एवं प्रागपुरा कस्बे में विशाल जुलूस निकाला गया। जुलूस में बड़ी संख्या में समाज के लोग शामिल हुए। इस दौरान पूरे कस्बे में उत्साह, सौहार्द और भाईचारे का माहौल देखने को मिला। पावटा में जुलूस शाही मस्जिद से हर्षोल्लास के साथ रवाना हुआ, जो होली चौक, सुभाष चौक, पुराना रोड, अंबेडकर पार्क सहित कस्बे के प्रमुख मार्गों से होकर पुनः शाही मस्जिद पहुंचा। वहीं प्रागपुरा में जुलूस कुरैशियों का मोहल्ला, लोहारों का मोहल्ला एवं मुख्य मार्गों से होकर बाबा कबरुद्दीन दरगाह पहुंचा। जुलूस के मार्ग में जगह-जगह स्थानीय लोगों ने पुष्प वर्षा कर स्वागत किया। जुलूस में शामिल लोगों के लिए विभिन्न स्थानों पर अल्पाहार की व्यवस्था भी की गई।

इस दौरान समाज के लोगों ने देश, गांव और क्षेत्र में अमन-चैन, खुशहाली और आपसी भाईचारे की दुआ मांगी। ईद मिलादुन्नबी के मौके पर लोगों ने आपसी प्रेम, सौहार्द और भाईचारे का संदेश दिया। जुलूस के दौरान लोगों में खासा उत्साह नजर आया और पूरे कस्बे में धार्मिक एवं सामाजिक सौहार्द की मिसाल देखने को मिली। जुलूस को लेकर पुलिस प्रशासन की ओर से सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम किए गए। प्रागपुरा थाना अधिकारी भजनाराम के नेतृत्व में पुलिस जाप्ता तैनात रहा। पुलिस टीम ने जुलूस के पूरे मार्ग पर निगरानी रखते हुए शांतिपूर्ण एवं सौहार्दपूर्ण माहौल में कार्यक्रम संपन्न करवाया। इस दौरान सदर इंतजामिया कमेटी के यासीन लीलगर, शाही इमाम मुफ्ती मोहम्मद असलम, मौलाना मोहम्मद इब्राहिम, मुराद अली हाजी, रजक सिराज कुरैशी, लाल लोहार, हाजी पप्पू मनिहार, हाजी मुमताज, हाजी इस्लामुद्दीन, हाजी शहाबुद्दीन, ताज मोहम्मद, अब्दुल अजीज, हाजी अमीन सहित समाज के अनेक लोग मौजूद रहे।

ईवीएम वितरण, प्राप्ति केन्द्र, पोलिंग पार्टी डिस्पैच सेंटर का अवलोकन

- उप जिला निर्वाचन अधिकारी ने पावटा व विराटनगर में नगरीय निकाय चुनाव तैयारियों की समीक्षा की

उप जिला निर्वाचन अधिकारी सोहन सिंह नरुका ने मतदान केन्द्रों का निरीक्षण किया।

पावटा। आगामी नगरीय निकाय आम चुनाव को शांतिपूर्ण, निष्पक्ष एवं पारदर्शी ढंग से सम्पन्न कराने के लिए निर्वाचन आयोग के निर्देशन में चुनावी तैयारियों की लगातार समीक्षा की जा रही है। इसी क्रम में उप जिला निर्वाचन अधिकारी सोहन सिंह नरुका ने मंगलवार को पावटा एवं विराटनगर में रिटर्निंग अधिकारियों सहित ब्लॉक स्तरीय एवं संबंधित अधिकारियों की बैठक लेकर चुनाव तैयारियों की समीक्षा की तथा आवश्यक दिशा-निर्देश प्रदान किए। उप जिला निर्वाचन अधिकारी ने अधिकारियों को निर्देश दिए कि निर्वाचन आयोग के दिशा-निर्देशों की अक्षरशः पालना सुनिश्चित करते हुए सभी चुनावी तैयारियां समयबद्ध रूप से पूर्ण करें। उन्होंने आदर्श आचार संहिता की प्रभावी पालना सुनिश्चित करने के निर्देश देते हुए कहा कि सभी अधिकारी अपने-अपने क्षेत्र में आचार संहिता के प्रावधानों की नियमित निगरानी करें तथा किसी भी प्रकार के उल्लंघन की सूचना मिलने पर नियमानुसार तत्काल कार्रवाई सुनिश्चित करें। उन्होंने सार्वजनिक एवं निजी स्थानों पर प्रचार-प्रसार संबंधी गतिविधियों, पोस्टर-बैनर, होर्डिंग्स तथा अन्य प्रचार सामठाी के संबंध में निर्धारित नियमों की पालना करवाने के भी निर्देश दिए। उन्होंने पोलिंग पार्टी डिस्पैच सेंटर, ईवीएम वितरण एवं प्राप्ति केन्द्र तथा चुनाव कार्य सेल की व्यवस्थाओं की समीक्षा की। उन्होंने पोलिंग पार्टी डिस्पैच सेंटर एवं ईवीएम वितरण एवं प्राप्ति केन्द्र पर मतदान दलों के लिए आवश्यक सुविधाएं, पर्याप्त स्थान, बैठने, पेयजल, विद्युत एवं अन्य मूलभूत व्यवस्थाएं सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। साथ ही ईवीएम एवं निर्वाचन सामग्री के सुरक्षित रख-रखाव, वितरण एवं प्राप्ति की व्यवस्थित प्रक्रिया तथा पर्याप्त सुरक्षा व्यवस्था सुनिश्चित करने को कहा। उन्होंने चुनाव कार्य सेल का भी अवलोकन कर निर्वाचन से संबंधित कार्यों की प्रगति की जानकारी ली। अधिकारियों को निर्देश दिए कि विभिन्न प्रकोष्ठों के बीच बेहतर समन्वय रखते हुए निर्वाचन संबंधी कार्यों एवं सूचनाओं का समयबद्ध संधारण एवं आदान-प्रदान सुनिश्चित किया जाए। उप जिला निर्वाचन अधिकारी ने मतदाता सहायता केन्द्र (वोटर हेल्प डेस्क) की व्यवस्थाओं का भी अवलोकन किया। उन्होंने निर्देश दिए कि मतदाताओं को मतदाता सूची, मतदान केन्द्र एवं निर्वाचन से संबंधित आवश्यक जानकारी सहज एवं सुगम रूप से उपलब्ध कराई जाए।

जब मैंने निशानेबाजी शुरू की थी, तब कोई मुझे नहीं जानता था। मैं सिर्फ 13 साल की सामान्य लड़की थी, जिसके पास भारतीय टीम की जर्सी भी नहीं थी। आज उस जर्सी को पहनना मेरे लिए गर्व की बात है।

– सुरूचि इंदर सिंह

पिस्टल निशानेबाज, विश्व कप स्वर्ण के बाद एशियाई खेलों को लेकर बोलते हुए।

खेल जगत

आज का खिलाड़ी — सुनील गावस्कर

पूर्व भारतीय ओपनर सुनील गावस्कर ने ऑस्ट्रेलिया के मैकॉय की पिच पर सवाल उठाए हैं। इतना ही नहीं, उन्होंने इस मामले पर आईसीसी पर दोहरे मापदंड का आरोप लगाया है। 'पिछले कुछ साल में ऑस्ट्रेलिया में चार टेस्ट दो दिन से कम समय में खत्म हो गए। लेकिन, आईसीसी ने इस पर आंखें बंद कर रखी हैं।' उनके अनुसार भारत में ऐसा होने पर पिच पर कार्रवाई की जाती। जबकि, ऑस्ट्रेलिया के मामले में कोई आलोचना सुनने को नहीं मिली। दरअसल, मैकॉय में बांग्लादेश के ऑस्ट्रेलिया दौरे का दूसरा टेस्ट 2 दिन में ही समाप्त हो गया था।

क्या आप जानते हैं ?... ''हॉकी के जादूगर'' मेजर ध्यानचंद ने अपने करियर में 570 से अधिक गोल किए।

कोलंबो टेस्ट : सोरियाबंदर और दिनूषा ने कराई श्रीलंका की वापसी, गेंदबाजों की बदौलत भारत का दबदबा बरकरार

श्रीलंका ने चौथे दिन अपनी दूसरी पारी में 6 विकेट खोकर बनाए 229 रन

कोलंबो, 26 अगस्त। सोनल दिनूषा के शतक और पसिंदु सोरियाबंदर की 92 रन की शानदार पारी के दम पर श्रीलंका ने भारत के खिलाफ दूसरे टेस्ट में जोरदार वापसी की है। हालांकि, भारतीय गेंदबाजों ने आखिरी सत्र में नियमित अंतराल पर विकेट लेकर मैच पर अपनी पकड़ बनाए रखी। चौथे दिन का खेल खत्म होने तक श्रीलंका ने दूसरी पारी में छह विकेट पर 229 रन बना लिए हैं और उसे 16 रन की बढ़त हासिल है।

दिन की शुरुआत श्रीलंका ने पहली पारी में आठ विकेट पर 265 रन से की थी। दिनूषा 85 रन पर नाबाद थे। उन्होंने आक्रामक अंदाज में बल्लेबाजी करते हुए अपना शतक पूरा किया। यह इस सीरीज में उनका दूसरा शतक था। हालांकि, इसके बाद लाहिरू कुमारा 18 रन बनाकर सरांश जैन का पहला टेस्ट शिकार बने। दिनूषा भी जल्द ही सरांश की गेंद पर स्लिप में राहुल को कैच देकर 103 रन पर आउट हो गए। श्रीलंका की पहली पारी 290 रन पर समाप्त हुई और भारत को 213 रन की बढ़त मिली।

भारत ने श्रीलंका को फॉलोऑन दिया। दूसरी पारी में मेजबान टीम ने शुरुआत में कुछ तेजी दिखाई। पसिंदु सोरियाबंदर और कामिंदु मेंडिस ने भारतीय स्पिनरों के खिलाफ शानदार बल्लेबाजी की। सोरियाबंदर ने मुकाबले में अपना दूसरा अर्धशतक पूरा किया, जबकि मेंडिस ने भी भारत के खिलाफ अपना पहला अर्धशतक जड़ा। दोनों के बीच तीसरे विकेट के लिए 116 रन की साझेदारी हुई।

भारत को सफलता प्रसिद्ध कृष्णा ने दिलाई। उन्होंने मेंडिस को शॉर्ट गेंद पर फंसाया और शुभमन गिल ने स्क्वायर लेग पर शानदार कैच लपककर 55 रन पर उनकी पारी समाप्त की।

चाय तक श्रीलंका तीन विकेट पर 199 रन बना चुका था और भारत की बढ़त को पूरी तरह समाप्त करने के करीब था। लेकिन अंतिम सत्र में भारतीय गेंदबाजों ने जोरदार वापसी की।

धनंजय डी सिल्वा 16 रन बनाकर मानव सुथार का शिकार हुए। इसके बाद शानदार बल्लेबाजी कर रहे सोरियाबंदर ने 92 रन पर अपना विकेट गंवा दिया। वह सुथार की धीमी और बाहर जाती गेंद पर आगे बढ़े, लेकिन गेंद बल्ले की पहुंच से दूर रही और ऋषभ पंत ने उन्हें स्टंप कर दिया।

सरांश जैन ने इसके बाद निरोशन डिकवेला को एलबीडब्ल्यू कर श्रीलंका को छह विकेट पर 218 रन पर पहुंचा दिया। दिनूषा और केशरा नुवान्था ने इसके बाद डटकर बल्लेबाजी की और श्रीलंका को और नुकसान नहीं होने दिया। खराब रोशनी और बारिश के कारण दिन का खेल समय से पहले समाप्त करना पड़ा। भारत की ओर से पहली पारी में प्रसिद्ध कृष्णा और मानव सुथार ने तीन-तीन विकेट लिए। सुथार ने दूसरी पारी में भी दो विकेट हासिल किए, जबकि सरांश जैन ने पहली पारी में श्रीलंका के आखिरी दो विकेट चटकाए।

आईसीसी टेस्ट रैंकिंग में बुमराह को पछाड़कर पहली बार नंबर-1 बने तेज गेंदबाज मिचेल स्टार्क

नई दिल्ली, 26 अगस्त। ऑस्ट्रेलिया के तेज गेंदबाज मिचेल स्टार्क ने आईसीसी पुरुष टेस्ट गेंदबाजी रैंकिंग में पहली बार शीर्ष स्थान हासिल कर लिया है। बांग्लादेश के खिलाफ मैके टेस्ट में 10 विकेट लेने के बाद स्टार्क ने भारतीय तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह को पीछे छोड़ दिया।

स्टार्क ने दूसरे टेस्ट में पहली पारी में छह विकेट और दूसरी पारी में चार विकेट लिए थे, जिसकी बदौलत ऑस्ट्रेलिया ने पारी और 51 रन से जीत दर्ज की थी। उन्हें मैच और सीरीज का सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी चुना गया। स्टार्क के अब बुमराह से 10 रेटिंग अंक अधिक हैं।

बुमराह की नंबर-1 पर हालिया बादशाहत दो महीने तक रही। हालांकि, वह कुल 697 दिन टेस्ट गेंदबाजी रैंकिंग में शीर्ष पर रह चुके हैं, जो किसी भारतीय गेंदबाज के लिए सर्वाधिक और विश्व क्रिकेट में 14वां सबसे लंबा समय है। इंग्लैंड के ओली रॉबिन्सन को भी शानदार प्रदर्शन का फायदा मिला। पाकिस्तान के खिलाफ लीड्स टेस्ट में आठ विकेट लेने वाले रॉबिन्सन 15 स्थान की छलांग लगाकर 11वें स्थान पर पहुंच गए हैं। वहीं जोश टंग ने 16 स्थान की छलांग लगाकर 17वां स्थान हासिल किया है।

श्रीलंका के खिलाफ पहले टेस्ट में 10 विकेट लेने वाले भारत के बाएं हाथ के स्पिनर मानव सुथार 28 स्थान ऊपर चढ़कर करियर के सर्वश्रेष्ठ 48वें स्थान पर पहुंच गए हैं। श्रीलंका के असिथा फर्नांडो और प्रभात जयसूर्या भी क्रमशः 15वें और 16वें स्थान पर पहुंच गए हैं। ऑस्ट्रेलिया के नाथन लियोन 10वें, पाकिस्तान के अली उस्मान 67वें, इंग्लैंड के जोफ्रा आर्चर संयुक्त रूप से 38वें, भारत के प्रसिद्ध कृष्णा 53वें और बांग्लादेश के शोरिफुल इस्लाम 57वें स्थान पर पहुंच गए हैं।

ब्रुक की बढ़त मजबूत: टेस्ट बल्लेबाजी रैंकिंग में इंग्लैंड के हैरी ब्रुक ने शीर्ष स्थान पर अपनी बढ़त और मजबूत कर ली है। ब्रुक अब दूसरे स्थान पर मौजूद जो रूट से 24 रेटिंग अंक आगे हैं। ब्रुक ने पाकिस्तान के खिलाफ 90 रन, जबकि रूट ने 66 रन बनाए थे। भारत के विकेटकीपर बल्लेबाज ऋषभ पंत एक साल बाद फिर शीर्ष-10 में लौट आए हैं। श्रीलंका के खिलाफ 39 और 66 रन की पारियों के बाद वह छह स्थान की छलांग लगाकर सातवें नंबर पर पहुंच गए हैं। ऑस्ट्रेलिया के कैमरून ग्रीन 21वें, श्रीलंका के धनंजय डी सिल्वा 22वें और सोनल दिनूषा 49 स्थान की छलांग लगाकर 54वें स्थान पर पहुंच गए हैं। पाकिस्तान के अब्दुल्ला शफीक संयुक्त रूप से 27वें, भारत के केएल राहुल 30वें और देवदत्त पडिक्कल 59वें स्थान पर पहुंच गए हैं।

दलीप ट्रॉफी: आबिद मुश्ताक के नौ विकेट की बदौलत नॉर्थ जोन सेमीफाइनल में

बेंगलुरु, 26 अगस्त। जम्मू-कश्मीर के बाएं हाथ के स्पिन ऑलराउंडर आबिद मुश्ताक के शानदार नौ विकेट की बदौलत नॉर्थ जोन ने दलीप ट्रॉफी क्वार्टर फाइनल में रुतुराज गायकवाड़ की कप्तानी वाले वेस्ट जोन को 52 रन से हराकर सेमीफाइनल में जगह बना ली।

लाल मिट्टी की पिच पर स्पिन गेंदबाजों का दबदबा रहा और पूरे मुकाबले में 25 विकेट स्पिनरों ने हासिल किए। आबिद मुश्ताक ने दोनों पारियों में कुल 9 विकेट लेकर नॉर्थ जोन की जीत में अहम भूमिका निभाई। अंतिम दिन वेस्ट जोन को जीत के लिए 67 रन और नॉर्थ जोन को तीन विकेट की जरूरत थी। मुश्ताक और निशांत सिंधु ने महज 6.3 ओवर में वेस्ट जोन की पारी समेट दी। चौथे दिन मुश्ताक ने मुशीर खान और रुतुराज गायकवाड़ की शतकीय साझेदारी के बाद वेस्ट जोन को झटका दिया था। अंतिम दिन उन्होंने तनुश कोटियन को बोल्ड कर शुरुआत की। इसके बाद तुषार देशपांडे को स्लिप में अब्दुल समद के हाथों कैच कराया।

इसके तीन गेंद बाद निशांत सिंधु ने उर्विल पटेल को 25 रन पर एलबीडब्ल्यू कर वेस्ट जोन की पारी का अंत कर दिया।

नॉर्थ जोन की ओर से अर्शदीप सिंह ने भी शानदार प्रदर्शन करते हुए चार विकेट लिए। वहीं अंशुल कंबोज ने पहली पारी में 60 रन बनाने के बाद गेंद से भी प्रभाव छोड़ा और शम्स मुलानी तथा कोटियन के विकेट हासिल किए। नॉर्थ जोन ने पहली पारी में 251 और दूसरी पारी में 222 रन बनाए थे। इसके जवाब में वेस्ट जोन की टीम 187 और 234 रन ही बना सकी।

नॉर्थ जोन सेमीफाइनल में तिलक वर्मा की कप्तानी वाले साउथ जोन से भिड़ेगा। दूसरा सेमीफाइनल ईस्ट जोन और गत चैंपियन सेंट्रल जोन के बीच होगा। दोनों मुकाबले 30 अगस्त से बेंगलुरु स्थित सेंटर ऑफ एक्सीलेंस में खेले जाएंगे।

महिला हॉकी विश्व कपः 5वें स्थान के लिए जर्मनी से बाजी मारेगी भारतीय टीम

नई दिल्ली, 26 अगस्त। टूर्नामेट में सिर्फ एक मैच हारने वाली भारतीय महिला हॉकी टीम सेमीफाइनल में नहीं पहुंच पाने के गम को भुलाकर बृहस्पतिवार को यहां अपने से ऊंची रैंकिंग वाली जर्मनी को हराते हुए विश्व कप में पांचवें स्थान के साथ विदा लेने के इरादे से उतरेगी और मैच का नतीजा चाहे जो हो, यह पिछले 52 साल में उसका सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन होगा। इस साल शानदार फॉर्म में चल रही भारतीय महिला टीम ने अपने प्रदर्शन से सभी को प्रभावित किया है। आस्ट्रेलिया के खिलाफ दूसरे पूल चरण का आखिरी मैच अगर गोलरहित ड्रॉ नहीं रहता तो भारतीय टीम सेमीफाइनल खेल रही होती।

तीन दिन के ब्रेक ने उस हार की मायूसी को भुलाने में मदद की होगी और अब पांचवीं रैंकिंग वाली दो बार की चैम्पियन जर्मन टीम की कठिन चुनौती का सामना करना है जो विश्व कप से पहले दो अभ्यास मैचों में उसे हरा चुकी है। इससे पहले हुए 15 विश्व कप में से आठ ही खेल सकी भारतीय टीम का सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन 1974 में फ्रांस में ही पहले टूर्नामेंट में रहा था जब अजिंदर कौर की कप्तानी में टीम चौथे स्थान पर रही थी। एम्सटेलवीन और स्पेन के टेरेसा में खेले गए विश्व कप में भारतीय टीम नौवें स्थान पर रही थी।

पहली बार विश्व कप खेल रही 11 युवा खिलाड़ियों को लेकर उतरे कोच शोर्ड मारिन की टीम ने अपेक्षा से बेहतर प्रदर्शन किया है और अगले महीने होने वाले एशियाई खेलों से पहले उसका आत्मविश्वास बढा होगा जहां स्वर्ण पदक जीतकर लॉस एंजिलिस ओलंपिक के लिये सीधे क्वालीफाई करने का मौका है।

टूर्नामेंट की शुरूआत में ही ओलंपिक रजत पदक विजेता चीन को 2 -2 से ड्रॉ पर रोकने वाली भारतीय टीम ने दूसरे मैच में दक्षिण अफ्रीका को 6 -1 से हराया और छह अलग अलग खिलाड़ियों ने गोल किये। आखिरी पूल मैच गोलरहित ड्रॉ रहने पर भारत ने पूल डी में दूसरे स्थान पर रहकर दूसरे दौर में जगह बनाई थी। भारतीय कोच मारिन ने जर्मनी को कठिन प्रतिद्वंद्वी बताते हुए कहा कि उनके खिलाड़ियों का फोकस अपने प्रदर्शन पर रहेगा।

एंथनी एंड्रयूज बने भारतीय अंडर-17 महिला राष्ट्रीय फुटबॉल टीम के सहायक कोच

नई दिल्ली, 26 अगस्त। अखिल भारतीय फुटबॉल महासंघ (एआईएफएफ) ने बुधवार को एंथनी एंड्रयूज को भारतीय अंडर-17 महिला राष्ट्रीय फुटबॉल टीम का सहायक कोच नियुक्त किया है। जोआकिम अलेक्जेंडरसन टीम के मुख्य कोच बने रहेंगे।

ईस्ट बंगाल एफसी के मुख्य कोच एंड्रयूज क्लब और भारतीय टीम की जिम्मेदारी दोहरी भूमिका में संभालेंगे। वह ईस्ट बंगाल को लगातार दो बार भारतीय महिला लीग (आईडब्ल्यूएल) का खिताब दिला चुके हैं। उनके नाम आईडब्ल्यूएल के इतिहास में सर्वाधिक चार खिताब हैं। उन्होंने 2021-22 और 2022-23 में गोकुलम केरल एफसी तथा 2024-25 और 2025-26 में ईस्ट बंगाल के साथ खिताब जीते। एंड्रयूज के मार्गदर्शन में ईस्ट बंगाल ने हाल में एएफसी महिला चैंपियंस लीग 2026-27 के प्रारंभिक चरण में भी जीत दर्ज की। इसके साथ ही ईस्ट बंगाल लगातार दो सत्र एएफसी महिला चैंपियंस लीग के ग्रुप चरण में पहुंचने वाला पहला भारतीय महिला क्लब बना।

एंड्रयूज अब ताशकंद में भारतीय अंडर-17 महिला टीम से जुड़ गए हैं। टीम 27 और 30 अगस्त को उज्बेकिस्तान के खिलाफ दो अंतरराष्ट्रीय मैत्री मैच खेलेगी। ये मुकाबले एएफसी अंडर-17 महिला एशियाई कप चीन 2027 क्वालीफायर की तैयारियों का हिस्सा हैं। क्वालीफायर मुकाबले पांच से 11 अक्टूबर तक मलेशिया में होंगे। भारत को ग्रुप ई में मलेशिया, सीरिया और इराक के साथ रखा गया है।

एंड्रयूज ने कहा कि भारतीय अंडर-17 महिला टीम का हिस्सा बनना उनके लिए बड़े सम्मान की बात है। उन्होंने एआईएफएफ के भरोसे के लिए आभार जताते हुए कहा कि वह युवा भारतीय फुटबॉलरों के विकास में योगदान देने के लिए उत्साहित हैं। उन्होंने महिला फुटबॉल में अपने अनुभव, प्रतिभा पहचान और खिलाड़ियों के विकास से जुड़ी सीख को भारतीय टीम के साथ साझा करने की उम्मीद जताई।

आईसीसी और बीसीसीआई दोनों संस्थाएं नरम रवैया अपना रही हैं: संजय मांजरेकर

नई दिल्ली, 26 अगस्त। भारत के पूर्व बल्लेबाज संजय मांजरेकर ने युवा खिलाड़ियों वैभव सूर्यवंशी और यशस्वी जायसवाल से जुड़े अनुशासनहीनता के मामलों से निपटने के तरीके को लेकर अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) और भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) की आलोचना की है। उन्होंने कहा कि यह दोनों संस्थाएं नरम रवैया अपना रही हैं जिससे खिलाड़ियों को अनुशासनहीनता के लिए प्रोत्साहन मिल रहा है। मांजरेकर ने एक्स पर लिखा, ''आईसीसी और बीसीसीआई, वैभव ने हाल ही में भारत ए के लिए और अब जायसवाल ने (अनुशासनहीनता दिखाई है)।

अगर आप उनका इस तरह के व्यवहार में बचाव करते रहेंगे तो आप उन्हें ऐसा व्यवहार दोहराने के लिए प्रशिक्षित कर रहे हैं। यह खेल के लिए अच्छा नहीं है और सबसे महत्वपूर्ण बात यह है कि यह उनके भविष्य के लिए भी अच्छा नहीं है।'' कोलंबो में दूसरे टेस्ट के पहले दिन मैदान पर हुई कहासुनी के लिए जायसवाल और श्रीलंका के तेज गेंदबाज असिथा फर्नांडो पर उनकी मैच फीस का 25 प्रतिशत जुर्माना लगाया गया। दोनों को एक-एक डिमेरिट अंक भी दिया गया।

भारत की पहली पारी के 17वें ओवर में फर्नांडो ने जायसवाल को आउट किया जिसके बाद दोनों में कहासुनी हो गई थी। जून में 15 वर्षीय बल्लेबाज सूर्यवंशी भारत ए की तरफ से खेलते हुए श्रीलंका ए के एक खिलाड़ी के साथ तीखी बहस में उलझ गए थे और हाथापाई की नौबत तक आ गई थी।

राज्य स्तरीय अंडर 19 डूंगरपुर ट्रॉफी में नागौर - भीलवाड़ा मैच बारिश के कारण रद्द

जयपुर 26 अगस्त , राजस्थान क्रिकेट संघ के तत्वाधान में जयपुर में खेली जा रही राज्य स्तरीय अंडर 19 डूंगरपुर ट्रॉफी के आज खेले गए लीग मैचों के परिणाम : (जयपुर , जैसलमेर, बीकानेर , भरतपुर , राजसमंद , श्रीगंगागनर, हनुमानगढ़ ,बाड़मेर जीती) नागौर – भीलवाड़ा मैच बारिश के कारण रद्द हुआ। वैभव राजपुरोहित, आदित्य भाम्भू, नवीन बिश्नोई के शतक, कृष्ण कुमार गुप्ता का आल राउंडर प्रदर्शन रहा। जयंत माली , रचित खंडेलवाल , सुमित साल्वी , सुमित शर्मा , अजय सियाग , योजित चौधरी , दिव्यांश मितवार , के शानदार गेंदबाजी रही।

जयपुर - झालवाड़ मैच (जयपुर जीती) झालवाड़ पारी 187 आल आउट टीम के लिए यथार्थ भारद्वाज 84 रन जयपुर के गेंदबाज रचित खंडेलवाल 35 /5 , प्रखरशर्मा 35 /2 व प्रतीक चौधरी 37 /2 विकेट जयपुर पारी 190 /4 टीम के लिए शिफॉन खान 84 , गौरव 58 व कुमार वासुदेव नाबाद 21 रन झालावाड़ के गेंदबाज भारत , रोहन 2 -2 विकेट।

अमेरिकी ओपन : अल्कराज-विलियम्स बाहर, मोनफिस-स्वितोलिना सेमीफाइनल में

न्यूयॉर्क, 26 अगस्त। सेरेना विलियम्स और कार्लोस अल्कराज ने जोड़ी के रूप में अमेरिकी ओपन 2026 मिश्रित युगल में अपने अभियान की शुरुआत जीत के साथ की, लेकिन मंगलवार को अगले मुकाबले में बेलिंडा बेनसिच और फ्लावियो कोबोली से हारकर टूर्नामेंट से बाहर हो गए। विलियम्स और अल्कराज ने अपने पहले मुकाबले में एरिन राउटलिफ और लॉयड ग्लासपूल को 5-3, 4-1 से हराया। यह 2022 के बाद अमेरिकी ओपन में सेरेना का पहला मुकाबला था। जीत के बाद सेरेना ने कहा कि कोर्ट पर लौटना उनके लिए बेहद खास पल था। हालांकि, इसके बाद बेनसिच और कोबोली के खिलाफ मुकाबले में उन्हें 5-4 (4), 4-1 से हार का सामना करना पड़ा। पहले सेट का टाईब्रेक गंवाने के बाद अल्कराज और विलियम्स की जोड़ी अपनी लय बरकरार नहीं रख सकी।

बेनसिच और कोबोली अब सेमीफाइनल में पति-पत्नी की जोड़ी एलीना स्वितोलिना और गेल मोनफिस से भिड़ेंगे। स्वितोलिना और मोनफिस ने कतेरीना सिनियाकोवा और हेनरी पैटन को 5-4 (6), 4-5 (3), 10-8 से हराकर अंतिम चार में जगह बनाई। सिनियाकोवा और पैटन ने इससे पहले शीर्ष वरीय आर्यना सबालेंका और नोवाक जोकोविच की जोड़ी को हराकर बड़ा उलटफेर किया था।

पाकिस्तान टीम में बाबर आजम की वापसी

नई दिल्ली, 26 अगस्त। पाकिस्तान के टेस्ट कप्तान बाबर आजम, पिछले महीने लगी उंगली की चोट से ठीक होने के बाद लॉर्ड्स में इंग्लैंड के खिलाफ दूसरे टेस्ट के लिए प्लेइंग में वापसी करेंगे। पाकिस्तान के बॉलिंग कोच उमर गुल ने पुष्टि की कि बाबर ने ट्रेनिंग के दौरान पूरा बैटिंग सेशन किया और तेज गेंदबाजों, स्पिनरों और थ्रोडाउन का सामना करते हुए प्रभावित किया। गुल ने कहा कि बाबर ने नेट्स में बैटिंग की और तेज़ गेंदबाजों, स्पिनरों और थ्रोडाउन का सामना किया। हमें उम्मीद है कि वह मैच के लिए उपलब्ध रहेंगे; आज वह अच्छी लय में दिखे और नेट्स में उन्होंने अच्छी बैटिंग की। उन्होंने पूरा बैटिंग सेशन किया। बाबर को शुरू में वेस्ट इंडीज के ख़िलाफ़ कैरिबियन में हुई सीरीज़ के दौरान उंगली में चोट लगी थी और बेकनहैम में एक प्रैक्टिस मैच के दौरान उसी उंगली पर चोट लगने से उनकी तकलीफ़ और बढ़ गई। उनके लौटने से पाकिस्तान की बैटिंग लाइन-अप मजबूत होने की उम्मीद है, जो हेडिंग्ले में खेले गए पहले टेस्ट मैच में संघर्ष करती दिखी थी।

ब्रूनो फर्नांडिस और खदीजा शॉ बने पीएफए प्लेयर ऑफ द ईयर

लंदन, 26 अगस्त। मैनचेस्टर यूनाइटेड के मिडफील्डर ब्रूनो फर्नांडिस और मैनचेस्टर सिटी की स्ट्राइकर खदीजा शॉ को मंगलवार को पुरुष और महिला वर्ग में प्रोफेशनल फुटबॉलर्स एसोसिएशन (पीएफए) प्लेयर ऑफ द ईयर चुना गया। मैनचेस्टर यूनाइटेड के कप्तान फर्नांडिस ने पिछले सत्र में नौ गोल किए और रिकॉर्ड 21 असिस्ट दिए। उनके प्रदर्शन की बदौलत यूनाइटेड ने शीर्ष लीग में तीसरा स्थान हासिल किया। वह यह पुरस्कार जीतने वाले दूसरे पुर्तगाली खिलाड़ी हैं। उनसे पहले क्रिस्टियानो रोनाल्डो यह सम्मान हासिल कर चुके हैं। जमैका की स्ट्राइकर खदीजा शॉ ने दूसरी बार यह पुरस्कार जीता है। इससे पहले उन्हें 2024 में भी पीएफए प्लेयर ऑफ द ईयर चुना गया था। पिछले सत्र में उन्होंने मैनचेस्टर सिटी के लिए 21 गोल किए। मैनचेस्टर सिटी के डिफेंडर निको ओराइली को यंग प्लेयर ऑफ द ईयर चुना गया। उन्होंने 2026 फीफा विश्व कप में इंग्लैंड के लिए शानदार प्रदर्शन किया था। वहीं, आर्सेनल की 22 वर्षीय स्ट्राइकर ओलिविया स्मिथ ने लगातार दूसरी बार महिला वर्ग में यंग प्लेयर ऑफ द ईयर का पुरस्कार जीता।

एशियाई खेलों से पहले फिटनेस पर मीराबाई का फोकस, हर सप्ताह लेती हैं अमेरिकी विशेषज्ञ से सलाह

नई दिल्ली, 26 अगस्त। टोक्यो ओलंपिक की रजत पदक विजेता मीराबाई चानू एशियाई खेलों में अपने पहले पदक के लक्ष्य को हासिल करने के लिए पूरी तरह जुटी हुई हैं। सितंबर में जापान के आइची-नागोया में होने वाले एशियाई खेलों से पहले चोट से बचना उनकी प्राथमिकता है। इसके लिए वह अमेरिकी स्ट्रेंथ एवं कंडीशनिंग विशेषज्ञ डॉ. आरोन हॉर्शिग से हर सप्ताह वीडियो कॉल के जरिए प्रशिक्षण और फिटनेस पर चर्चा करती हैं। मीराबाई ने साई मीडिया से कहा, ''हर गुरुवार को वीडियो कॉल में प्रशिक्षण, रिकवरी और आगे की रणनीति पर चर्चा करते हैं। हर चीज की बारीकी से समीक्षा होती है। डॉ. हॉर्शिग खुद भारोत्तोलक रहे हैं, इसलिए वह शरीर की हर मांसपेशी को समझते हैं। लगातार समीक्षा से मैं फिट रहने में सफल रही हूं।'' मीराबाई और हॉर्शिग का साथ नवंबर, 2020 से है। मीराबाई अपने लंबे समय के कोच विजय शर्मा के साथ मोदीनगर में अभ्यास कर रही हैं। ग्लासगो राष्ट्रमंडल खेलों में तीसरा स्वर्ण पदक जीतने के बाद भी उन्होंने प्रशिक्षण में कोई ब्रेक नहीं लिया।

नॉर्थ जोन प्रतियोगिता की तैयारियां जोरो पर, महेन्द्र कुमार आयोजन समिति के सदस्य बने

भीलवाड़ा, 26 अगस्त। राजस्थान बैडमिंटन संघ के तत्वाधान में जिला भीलवाड़ा संघ द्वारा आयोजित योनेक्स सनराइज इन्टर स्टेट नॉर्थ जोन बैडमिंटन चैम्पियनषिप 02 से 06 सितम्बर तक फोरआर्म्स बैडमिंटन एकेडमी, सांगानेर रोड़, भीलवाड़ा में आयोजित होगी। आयोजन समिति के सचिव अभिषेक शर्मा ने बताया कि आयोजन समिति के अध्यक्ष मुकेश खंडेलवाल के नेतृत्व में प्रतियोगिता की तैयारियां जोरो-षोरो से चल रही है, 7 राज्यों की प्रविष्ठियां प्राप्त हो चुकी है, और प्रतियोगिता स्थल पर टेन्ट का कार्य प्रारम्भ कर दिया गया है। आयोजन समिति के अध्यक्ष के अनुसार महेन्द्र कुमार खींची को आयोजन समिति का पदाधिकारी बनाया गया है।

राजस्थान टीम 29 अगस्त को सांय पहुंचने की सम्भावना है एवं बाकी 6 राज्यों की टीमें 1 सितम्बर को भीलवाड़ा पहुंचेगी जहां सभी टीमें फोर आर्म्स एकेडमी पर प्रैक्टिस करेगी।

जयपुर फुटबॉल सीज़न 2026: जयपुर की खेल भावना को फुटबॉल से जोड़ने की पहल

जयपुर, 26 अगस्त। जयपुर फुटबॉल सीज़न 2026 राजस्थान फुटबॉल स्कूल के अनुभवी एवं पेशेवर फुटबॉल प्रशिक्षकों द्वारा तैयार की गई एक सुव्यवस्थित, संरचित और प्रतिस्पर्धात्मक युवा फुटबॉल प्रतियोगिता है। इसका मुख्य उद्देश्य जयपुर में युवा खिलाड़ियों के लिए एक बेहतर, मजबूत और उच्च स्तरीय फुटबॉल वातावरण तैयार करना है ।

टेक्निकल डायरेक्टर रानू सिंह राजावत ने बताया कि जयपुर की समृद्ध खेल संस्कृति और जयपुर पोलो सीज़न से प्रेरणा लेते हुए, इस प्रतियोगिता में सीज़न आधारित और राउंड-रॉबिन प्रारूप को युवा फुटबॉल के अनुरूप विकसित किया गया है। इस प्रारूप के माध्यम से खिलाड़ियों को अधिक मैच, अधिक अभ्यास-अवसर और अपनी प्रतिभा को व्यक्त करने के अधिक अवसर मिलते हैं। लगातार प्रतिस्पर्धात्मक मैचों के अनुभव से खिलाड़ी तकनीकी, सामरिक, शारीरिक

और मानसिक रूप से बेहतर विकसित हो सकते हैं।

राजस्थान स्कूल फुटबॉल के डायरेक्टर लक्ष्य चौधरी ने कहा कि इस प्रतियोगिता की एक विशेष पहचान जयपुर की समृद्ध ऐतिहासिक और सांस्कृतिक विरासत से भी जुड़ी है। इसमें भाग लेने वाली तीन टीमों के नाम नाहरगढ़, जयगढ़ और आमेर रखे गए हैं। ये नाम युवा खिलाड़ियों को जयपुर के इतिहास और विरासत से जोड़ते हैं तथा अपनी टीम और शहर का प्रतिनिधित्व करते समय उनमें गौरव, पहचान और अपनत्व की भावना पैदा करते हैं।

आयोजक रोशन मेहता के अनुसार जयपुर फुटबॉल सीज़न का उद्देश्य केवल एक प्रतियोगिता जीतना नहीं है। इसका वास्तविक उद्देश्य बेहतर खिलाड़ी तैयार करना, सार्थक प्रतिस्पर्धा उपलब्ध कराना और जयपुर में एक मजबूत एवं उच्च गुणवत्ता वाला युवा फुटबॉल वातावरण तैयार करना है।

एक जयपुरवासी होने के नाते मेरा मानना है कि जयपुर का खेलों के साथ हमेशा एक विशेष और गहरा संबंध रहा है। जयपुरवासियों ने विभिन्न खेलों को हमेशा अपनाया है और खेल हमारी शहर की संस्कृति का महत्वपूर्ण हिस्सा रहे हैं। यह पहल उसी खेल भावना में फुटबॉल का एक नया अध्याय जोड़ने का प्रयास है। जयपुर फुटबॉल सीज़न 2026 का भव्य फाइनल और प्रदर्शनी मैच रविवार, 30 अगस्त 2026 को आयोजित किया जाएगा, जिसके बाद इस सीज़न का विशेष समापन होगा।

जयपुर रॉयल क्रिकेट एकेडमी 3 विकेट से विजेता

जयपुर, 26 अगस्त। यति क्रिकेट अकादमी द्वारा आयोजित प्रथम अंडर -14 श्याम कप में खेले गये मैच मे जयपुर रॉयल क्रिकेट एकेडमी और नारायण स्पोर्ट्स क्रिकेट एकेडमी जूनियर के मध्य खेले गये मैच में टॉस जीत कर नारायण स्पोर्ट्स क्रिकेट एकेडमी जूनियर ने पहले बल्लेबाजी करने का फैसला लिया । नारायण स्पोर्ट्स क्रिकेट एकेडमी जूनियर ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 141/10 39.2 ओवर मे आल आउट हो गई। नारायण स्पोर्ट्स क्रिकेट एकेडमी जूनियर की ओर से प्रदीप सैनी ने 48 रन और आदित्य यादव ने 26 रन बनाये। जयपुर रॉयल क्रिकेट एकेडमी और से गेदबाजी करते हुए वैभव खटाना ने 8 रन देकर 5 विकेट और कृष्ण मीना ने 29 रन देकर के 2 विकेट लिया। जयपुर रोयल क्रिकेट एकेडमी ने बल्लेबाजी करते हुए 142/7 30.2 ओवर मे रन बनाये। जयपुर रॉयल क्रिकेट एकेडमी कि ओर से अनभव सिंह ने 31 रन और धीर यादव ने 22 रन बनाये।

राष्ट्रीय खेल दिवस के अवसर पर हैंडबॉल एवं कबड्डी प्रतियोगिताओं का आयोजन

जयपुर, 26 अगस्त। राष्ट्रीय खेल दिवस के अवसर पर बुधवार को सवाई मान सिंह स्टेडियम, जयपुर में हैंडबॉल एवं कबड्डी प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया।

हैंडबॉल के पुरुष वर्ग के सेमीफाइनल में एस.एम.एस. क्लब ने यूनाइटेड क्लब को 4-3 से तथा रॉयल क्लब ने आर.पी. क्लब को 8-6 से हराकर फाइनल में प्रवेश किया। फाइनल मुकाबले में एस.एम.एस. क्लब ने रॉयल क्लब को 15-12 से हराकर प्रथम स्थान प्राप्त किया, जबकि रॉयल क्लब द्वितीय तथा यूनाइटेड क्लब तृतीय स्थान पर रहा।

महिला वर्ग के सेमीफाइनल में आर.एस.एस.सी. ने कनोडिया क्लब को 4-1 से तथा महारानी कॉलेज ने आर.पी. क्लब को 6-4 से हराया। फाइनल में महारानी कॉलेज ने आर.एस.एस.सी. को 7-5 से हराकर खिताब जीता। इस वर्ग में महारानी कॉलेज प्रथम, आर.एस.एस.सी. द्वितीय तथा कनोडिया

क्लब तृतीय स्थान पर रहा। कबड्डी प्रतियोगिता में बालक वर्ग का फाइनल एस.एम.एस. स्टेडियम और स्टार अकादमी के बीच खेला गया, जिसमें एस.एम.एस. स्टेडियम विजेता रहा। बालक वर्ग में कुल 4 टीमों ने भाग लिया।

वहीं बालिका वर्ग का फाइनल आर.एस.एस.सी. अकादमी और एस.एम.एस. स्टेडियम के बीच खेला गया, जिसमें आर.एस.एस.सी. अकादमी विजेता रही। बालिका वर्ग में कुल 2 टीमों ने भाग लिया।

कांग्रेस हमारी ''2 साल बनाम 5 साल'' रिपोर्ट का जवाब दे- भजनलाल

मानसरोवर में आयोजित महिला सम्मान समारोह में महिलाओं ने मुख्यमंत्री को रक्षा सूत्र बाँधे

जयपुर, 26 अगस्त। रक्षाबंधन के पर्व पर मानसरोवर में आयोजित महिला सम्मान समारोह बुधवार को राजनीतिक संदेश का भी बड़ा मंच बन गया। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने जहां बड़ी संख्या में महिलाओं से रक्षासूत्र बंधवाकर महिला सम्मान और सशक्तिकरण का संदेश दिया, वहीं

- **मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने कहा कि कांग्रेस सरकार ने राजस्थान को ऐसे जर्जर व जीर्ण-शीर्ण मकान की तरह बना दिया था, जो चारों तरफ से टूटा-फूटा था। ढाई वर्षों में सरकार ने समृद्ध और सशक्त राजस्थान की नींव रखी है।**

मानसरोवर में बुधवार को आयोजित महिला सम्मान समारोह में बड़ी संख्या में महिलाओं ने मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा को रक्षासूत्र बांधे।

पूर्ववर्ती कांग्रेस सरकार पर भ्रष्टाचार, पेपरलीक और कानून व्यवस्था को लेकर जमकर निशाना साधा।

मुख्यमंत्री ने कहा कि पूर्ववर्ती कांग्रेस सरकार ने राजस्थान को एक ऐसे जर्जर और जीर्ण-शीर्ण मकान की तरह बना दिया था, जो चारों तरफ से टूटा-फूटा था। उस बदहाली को बदलने के लिए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में डबल इंजन सरकार ने प्रदेश के विकास का स्पष्ट रोडमैप तैयार किया। उन्होंने कहा कि पिछले ढाई वर्षों में सरकार ने पानी, बिजली, रोजगार, किसान और महिला सशक्तिकरण के क्षेत्र में समृद्ध एवं सशक्त राजस्थान की मजबूत नींव रखी है।

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने कहा कि सरकार ने विधानसभा में ''2 साल बनाम 5 साल'' का रिपोर्ट कार्ड रखा और योजनाओं तथा विकास कार्यों का तुलनात्मक विवरण प्रस्तुत किया। लेकिन कांग्रेस के नेता जवाब देने और बहस करने के बजाय मैदान छोड़कर चले गए।

मुख्यमंत्री ने कहा कि कांग्रेस के नेता राजस्थान में ''वन स्टेट, वन इलेक्शन'' को असंभव बताते थे, लेकिन अब सरकार इस दिशा में आगे बढ़ रही है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि कांग्रेस शासनकाल में युवाओं को सबसे अधिक नुकसान पेपरलीक प्रकरणों से हुआ। कई परीक्षाओं में हुई अनियमितताओं ने युवाओं के भविष्य पर संकट खड़ा किया।

मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रदेश सरकार ने वर्ष 2027 तक पूरे प्रदेश में किसानों को दिन में बिजली उपलब्ध कराने का लक्ष्य रखा है।

उन्होंने कहा कि सरकार किसान सम्मान निधि, फसल बीमा योजना और एमएसपी पर बोनस के माध्यम से किसानों को आर्थिक संबल प्रदान कर रही है।

रक्षाबंधन कार्यक्रम का भावनात्मक क्षण तब आया, जब बड़ी संख्या में महिलाओं ने मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा को रक्षासूत्र बांधे। मुख्यमंत्री ने माताओं और बहनों को रक्षाबंधन पर्व की अग्रिम शुभकामनाएं देते हुए कहा कि यह पर्व भाई-बहन के स्नेह का प्रतीक होने के साथ ही, समाज में बहनों के सम्मान, सुरक्षा और सशक्तिकरण के संकल्प को मजबूत करने का अवसर है।

कार्यक्रम में पूर्व मंत्री प्रभुलाल सैनी, पूर्व विधायक शंकर सिंह राजपुरोहित, पूर्व प्रदेश उपाध्यक्ष प्रसन्न मेहता सहित, अन्य जनप्रतिनिधि और बड़ी संख्या में महिलाएं उपस्थित थीं।

एनटीए यूजीसी-नेट की ''आंसर की'' शीघ्र जारी करेगी

नई दिल्ली, 26 अगस्त। यूजीसी-नेट समेत कई महत्वपूर्ण राष्ट्रीय स्तर की परीक्षाओं में शामिल हुए लाखों उम्मीदवारों का इंतजार जल्द खत्म हो सकता है। नेशनल टेस्टिंग एजेंसी (एनटीए) इन परीक्षाओं के फाइनल आंसर-की और परिणाम जल्द अपनी आधिकारिक वेबसाइट पर जारी करने वाली है।

- **साथ ही सीएसआईआर-नेट, आईसीआर पीजी तथा पीएचडी के नतीजे भी जारी किए जाएंगे।**

नेशनल टेस्टिंग एजेंसी (एनटीए) जल्द ही यूजीसी-नेट जून 2026 के फाइनल आंसर-की और परीक्षा परिणाम जारी करेगी। इसके साथ हीद्ध काउंसिल ऑफ साइंटिफिक एंड इंडस्ट्रियल रिसर्च (सीएसआईआर-नेट), आईसीएआर पीजी और ऑल इंडिया कॉम्पिटिटिव एग्जामिनेशन (पीएचडी) 2026 के नतीजे भी जारी किए जाएंगे।

नतीजे जारी होने के बाद सफल उम्मीदवारों को आगे की प्रक्रिया से जुड़ी जानकारी भी दी जाएगी। परीक्षार्थियों को सलाह दी गई है कि वे ताजा अपडेट के लिए एनटीए की आधिकारिक वेबसाइट पर नजर बनाए रखें।

लोकसभा सचिवालय ने भी टीएमसी के 20 बागी सांसदों को नोटिस भेजा

अभिषेक बनर्जी की 18 जून की याचिका की प्रति भेज उनसे सात दिन में जवाब मांगा

नई दिल्ली, 26 अगस्त। लोकसभा सचिवालय ने टीएमसी के 20 बागी सांसदों को अभिषेक बनर्जी की ओर से दायर अयोग्यता याचिकाओं पर नोटिस भेजकर सात दिनों में जवाब मांगा है। इन सांसदों पर आरोप है कि वे टीएमसी से अलग होकर एनसीपीआई के साथ चले गए हैं।

टीएमसी इसे स्वेच्छा से पार्टी की सदस्यता छोड़ना बताते हुए दलबदल विरोधी कानून के तहत अयोग्यता का आधार मान रही है, जबकि बागी सांसद अपने कदम को वैध विलय बता रहे हैं। मामला अब सुप्रीम कोर्ट तक पहुंच चुका है, जहां अदालत ने कहा है कि अहम सवाल नोटिस जारी करना नहीं, बल्कि कार्यवाही को तय समय सीमा में पूरा करना है।

25 अगस्त को जारी इन नोटिसों के साथ अभिषेक बनर्जी की ओर से 18 जून को दायर की गई याचिका की प्रति भी सांसदों को भेजी गई है। यह याचिका लोकसभा सदस्यों के दलबदल के

- **लोकसभा सचिवालय की कार्यवाही सुप्रीम कोर्ट के द्वारा इस मामले में नोटिस जारी करने के एक दिन बाद हुई।**

आधार पर अयोग्यता नियम, 1985 के नियम 6 के तहत दाखिल की गई थी। लोकसभा सचिवालय ने सभी 20 सांसदों से नोटिस मिलने के सात दिनों के भीतर याचिका पर अपनी टिप्पणी और जवाब दाखिल करने को कहा है।

यह घटनाक्रम सुप्रीम कोर्ट द्वारा अभिषेक बनर्जी की उस याचिका पर सुनवाई के लिए सहमति जताने के एक दिन बाद सामने आया है, जिसमें दलबदल के आधार पर अयोग्यता की याचिकाओं पर जल्द फैसला लेने की मांग की गई थी। मुख्य न्यायाधीश सूर्यकांत और न्यायमूर्ति जॉयमाल्या बागची तथा न्यायमूर्ति वी. मोहना की पीठ ने बनर्जी की याचिका पर सुनवाई करने पर सहमति जताई। बनर्जी ने अयोग्यता की कार्यवाही पर कथित देरी को चुनौती देते हुए अदालत से मामले में तेजी लाने की मांग की थी।

मोहन भागवत ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

आ न करता है।'' अमेरिका के प्रमुख शहर न्यूयॉर्क में प्रवास के दौरान सरसंघचालक यूनिवर्सल वननेस (सार्वभौमिक एकता) कार्यक्रम में हिस्सा लेंगे और शनिवार को मशहूर मैडिसन स्क्वायर गार्डन में लगभग 5000 लोगों की सभा को संबोधित करेंगे। संघ प्रमुख डॉ. भागवत संघ के शताब्दी वर्ष के वैश्विक संपर्क कार्यक्रम के तहत अमेरिका, कनाडा और ब्रिटेन की यात्रा कर रहे हैं। अमेरिका उनके प्रवास का प्रथम पड़ाव है।

'राजस्थान के कार्यवाहक चीफ ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

भी शामिल है, की धमकी देते हैं और इसके लिए सीजेआई के साथ अपनी निकटता का दावा करते हैं।

न्यायमूर्ति मेहता के पत्रों में हाल ही में सुप्रीम कोर्ट की एक अन्य मामले में की गई टिप्पणी का भी हवाला दिया गया है। सीजेआई सूर्यकांत और न्यायमूर्ति जॉयमाल्या बागची की पीठ ने कहा था कि सेवानिवृत्ति के करीब कुछ न्यायाधीशों द्वारा बाहरी कारणों से प्रभावित होकर आदेश पारित करने और रिटायर होने से पहले छक्के मारने की कोशिश करने की प्रवृत्ति बढ़ रही है।

न्यायमूर्ति मेहता ने लिखा कि न्यायमूर्ति शर्मा के कार्यवाहक मुख्य न्यायाधीश बनने के दिन से ही ऐसा लगता है कि उन्हें ''छक्के मारने का लाइसेंस'' मिल गया है।

सबूत के तौर पर, पत्रों में राजस्थान हाई कोर्ट की दो डिविज़न बैंचों के आदेशों का उल्लेख किया गया है। उदयपुर शहर की ''बेशकीमती जमानों'' से संबंधित अपीलों के एक समूह में मामलों को जयपुर पीठ में न्यायमूर्ति शर्मा की अपनी पीठ के समक्ष सूचीबद्ध किया गया, जबकि न्यायमूर्ति शर्मा के ही एक पुराने फैसले में कहा गया था कि जो मामले जोधपुर स्थित प्रधान पीठ से संबंधित हैं, उन्हें जयपुर स्थानांतरित नहीं किया जा सकता।

17 अगस्त के पत्र में यह भी आरोप लगाया गया है कि राजस्थान हाई कोर्ट के एक मौजूदा न्यायाधीश न्यायमूर्ति उमा शंकर व्यास ने साथी न्यायाधीशों से न्यायमूर्ति शर्मा द्वारा उनकी पत्नी, जो जिला न्यायपालिका की वरिष्ठ अधिकारी हैं, के प्रति कथित प्रतिशोधात्मक रवैये की शिकायत की थी। न्यायमूर्ति व्यास के अनुसार, राजस्थान हाई कोर्ट के कार्यवाहक मुख्य न्यायाधीश ने अपनी ''मनमर्जी और सनक'' के कारण जोधपुर में नए अदालत भवन के उद्घाटन को रोक दिया, जिससे न्यायमूर्ति मेहता के शब्दों में संस्था को ''अक्षम्य नुकसान'' हुआ।

इसके अलावा, अधिवक्ता पूजा त्रिपाठी द्वारा सुप्रीम कोर्ट के न्यायमूर्ति विक्रम नाथ को भेजी गई और जिसकी प्रतिलिपि न्यायमूर्ति मेहता समेत 16 अन्य लोगों को भेजी गई, में की गई एक शिकायत में आरोप लगाया गया है कि न्यायमूर्ति शर्मा ने कार्यवाहक मुख्य न्यायाधीश के पद का इस्तेमाल कर जयपुर और अजमेर में स्थायी लोक अदालतों में अपने करीबी लोगों की नियुक्तियां सुनिश्चित कीं। इनमें उनका बचपन का एक मित्र और दो जिला न्यायाधीशों के पति/पत्नी शामिल बताए गए हैं। उसी शिकायत में आरोप लगाया गया है कि न्यायमूर्ति शर्मा ने हाई कोर्ट में पदोन्नित के लिए चार महिला अधिवक्ताओं के नाम भी भेजे।

त्रिपाठी ने आगे कहा है कि इन चारों महिला अधिवक्ताओं में से कोई भी सक्रिय वकालत नहीं कर रही है और उनमें से प्रत्येक का संबंध किसी वरिष्ठ वकील या सेवानिवृत्त न्यायाधीश से बताया गया है, जो न्यायमूर्ति शर्मा के करीबी हैं।

न्यायमूर्ति मेहता के पत्रों में कहा गया है कि गंभीर सबूतों के बावजूद, न्यायमूर्ति शर्मा को राजस्थान हाई कोर्ट का स्थायी मुख्य न्यायाधीश बनाने की प्रक्रिया चल रही है।

इसलिए उन्होंने कोलीजियम से न्यायमूर्ति शर्मा को राजस्थान से बाहर तत्काल स्थानांतरित करने का अनुरोध किया है, ताकि संस्था को और नुकसान से बचाया जा सके।

न्यायमूर्ति मेहता ने लिखा, मैं बार-बार आपसे अनुरोध कर रहा हूं कि राजस्थान हाई कोर्ट के लिए किसी अन्य राज्य से मुख्य न्यायाधीश नियुक्त करने का निर्णय लिया जाए, ताकि इस दुर्भाग्यपूर्ण स्थिति को रोका जा सके। इस अनुरोध की लगातार अनदेखी करना, मेरी राय में, संस्था के हित के पूरी तरह विपरीत है।

नेपाल में ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

बाद भारत पड़ोसी देश के लिए राहत सामग्री भेजने की तैयारी कर रहा है।

नेपाल पर्यटन बोर्ड ने सहायता के लिए टोल-फ्री आपातकालीन नंबर 1234, हॉटलाइन 1144 तथा टूरिस्ट पुलिस नंबर 9851289445 भी जारी किया है।

गुरुग्राम के व्यस्ततम ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

गया, जिससे उसकी लंबे समय से चली आ रही बुनियादी कमजोरियां सामने आ गईं।

स्थानीय नगर निगम ने और ज्यादा अव्यवस्था को रोकने और मरम्मत दलों के आने-जाने की सुविधा के लिए कड़े प्रशासनिक कदम उठाए। एहतियात के तौर पर प्रशासन ने कॉरपोरेट कार्यालयों और अन्य शैक्षिणक संस्थानों के लिए एक एडवाइज़री जारी की।

एडवाइज़री में कहा गया है कि, ''24.08.2026 को गुरुग्राम जिले में हुई भारी बारिश को देखते हुए जलभराव और यातायात जाम की संभावना है। इसलिए जिले के सभी कॉरपोरेट कार्यालयों तथा सरकारी और निजी स्कूलों/संस्थानों को सलाह दी जाती है कि वे अपने कर्मचारियों को 25.08.2026 से घर से काम करने के लिए कहें, ताकि यातायात जाम से बचा जा सके और नागरिक एजेंसियां सड़कों तथा नालियों की मरम्मत का काम सुचारू रूप से कर सकें।''

कोटा में एक और ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

तैयारी कर रही थी। उसकी बहन जब कोचिंग से वापस लौटी तो फ्लैट का लॉक नहीं खुला। बड़ी बहन को फोन किया तो उसका जवाब नहीं मिला। छात्रा ने काफी कोशिश की, लेकिन इसके बावजूद लॉक नहीं खुला। उसने अपनी बड़ी बहन की अन्य सहेलियों को फोन किया, किन्तु उनसे भी कोई जानकारी नहीं मिली। इसके बाद लॉक खोलने वाले को बुलाया गया। जब उसने लॉक खोला तो छात्रा फंदे पर लटकी मिली। इसके बाद पुलिस को इसकी सूचना दी गई।

थानाधिकारी देवेश भारद्वाज ने बताया कि छात्रा के फ्लैट को सीज़ कर दिया गया था। उसके पेरेंट्स के आने पर उनकी उपस्थिति में ही फ्लैट का लॉक खोला गया। मृतक छात्रा का एक सुसाइड नोट मिला है, जिसमें उसने नीट के एग्ज़ाम में अपेक्षित अंक न आने की बात है। गत नीट परीक्षा में छात्रा के 450 अंक आए थे और वह नीट की तैयारी कर रही थी।

हरियाणवी सिंगर अंकित बालियान की गोली मार के हत्या

अंकित शाम को जिम से बाहर निकला तो बाइक सवार चार बदमाशों ने उस पर 20 राउंड गोलियां चलाईं

शामली, 26 अगस्त। हरियाणवी सिंगर अंकित बालियान की गोली मारकर हत्या कर दी गई। इससे क्षेत्र में सनसनी फैल गई है। शामली में बुधवार शाम करीब सात बजे हरियाणा के सिंगर अंकित बालियान की गोली मारकर हत्या कर दी गई। लगभग 20 राउंड फायरिंग की गई। पुलिस मौके पर पहुंच गई है। हत्या का कारण अभी स्पष्ट नहीं है। पुलिस मामले की जांच कर रही है।

बुधवार को बाबरी थाना क्षेत्र के गांव बंतीखेड़ा निवासी हरियाणवी कलाकार 35 वर्षीय अंकित बालियान पुत्र सत्यवीर फौजी शाम साढ़े चार बजे कोतवाली क्षेत्र के आर्यपुरी में नाला पटरी स्थित मसल्स जिम में आए थे। शाम 6:48 बजे जैसे ही वे जिम से बाहर निकलकर अपनी

- **घटना को अंजाम देने के बाद बदमाश 200 मीटर पैदल भागते हुए फरार हो गये। आक्रोशित स्वजनों ने शव सड़क पर रखकर देर रात तक जाम लगाया।**

स्कार्पियो गाड़ी में बैठने लगे, तभी बाइक सवार चार बदमाश आए और चारों ने ताबड़तोड़ फायरिंग शुरू कर दी। करीब दो मिनट तक बदमाशों ने 20 राउंड फायरिंग की, जिससे क्षेत्र में दहशत फैल गई। फायरिंग में पांच गोलियां अंकित की गाड़ी में लगीं और करीब आठ गोली अंकित को लगी। अंकित का शव नाली के पास सड़क पर पड़ा था। घटना को अंजाम देने के बाद बदमाश 200 मीटर तक पैदल भागते हुए फरार हो गए। घटना से आक्रोशित स्वजन ने शहर के वर्मा मार्केट के पास शव को सड़क पर रखकर देर रात तक जाम लगाया।

तृतीय श्रेणी शिक्षक ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

नहीं करने के लिए पाबंद कर दिया था। याचिका में अधिवक्ता रामप्रताप सैनी ने अदालत को बताया कि कर्मचारी चयन बोर्ड ने गत 6 नवंबर को तृतीय श्रेणी शिक्षक भर्ती लेवल वन के करीब पांच हजार पदों पर भर्ती निकाली थी। इसकी लिखित परीक्षा गत 17 जनवरी को हुई। इसके बाद भर्ती की अंतिम उत्तर कुंजी 15 जून को जारी हुई थी। इसके आधार पर 11 जून 2026 को सलेक्शन बोर्ड ने भर्ती का परिणाम घोषित किया। याचिका में कहा गया है कि इस भर्ती के अंतिम परिणाम में 17 प्रश्न-उत्तर विवादित हैं। इनमें से 11 प्रश्नों को डिलीट कर दिया और बाकी अन्य के उत्तरों को बोर्ड ने सही नहीं माना है। अभ्यर्थियों ने विवादित प्रश्न-उत्तरों के संबंध में आपत्ति भी लगाई, लेकिन उनकी आपत्तियों का निस्तारण विषय विशेषज्ञ की राय के आधार पर सही तरीके से नहीं किया गया। अब राज्य सरकार व बोर्ड अभ्यर्थियों को नियुक्ति देने जा रहा है। नियुक्ति मिलने के बाद तीसरे पक्षकार के अधिकार भी सृजित हो जाते हैं, इसलिए भर्ती में नियुक्ति देने पर रोक लगाई जाए।

भागलपुर में मजदूरों की नाव गंगा में पलटी, 6 लापता

भागलपुर, 26 अगस्त। भागलपुर जिले के नवगछिया अनुमंडल अंतर्गत खरीक प्रखंड में बुधवार को बड़ा नाव हादसा हो गया। राघोपुर तटबंध के समीप गंगा नदी की तेज धारा में मजदूरों से भरी नाव अनियंत्रित होकर पलट गई। हादसे के बाद मौके पर चीख-पुकार और अफरा-तफरी मच गई। प्रारंभिक जानकारी के अनुसार, नाव पर सवार 18 मजदूरों में से 12 ने तैरकर अपनी जान बचा ली, जबकि छह मजदूर लापता बताए जा रहे हैं।

घटना की सूचना मिलते ही स्थानीय प्रशासन और एसडीआरएफ

- **नाव पर सवार 18 मजदूरों में से 18 ने तैर कर अपनी जान बचाई**

की टीम मौके पर पहुंची और लापता मजदूरों की तलाश में युद्धस्तर पर खोज और बचाव अभियान शुरू किया। प्रशासनिक अधिकारी भी घटनास्थल पर कैंप कर स्थिति की निगरानी कर रहे हैं। बताया जा रहा है कि राघोपुर गांव के समीप दो दिन पहले गंगा नदी का तटबंध टूट गया था। इसके बाद इलाके में बाढ़ का पानी प्रवेश कर गया था। बिहार सरकार के ऊर्जा मंत्री बुलो मंडल के आवास समेत, आसपास के कई इलाकों में भी बाढ़ का पानी पहुंच गया था।बाढ़ की स्थिति को देखते हुए तटबंध की मरम्मत, बाढ़ से बचाव और कटाव निरोधी कार्य युद्धस्तर पर चलाया जा रहा था। इसी काम में जुटे मजदूर बुधवार को नाव से नदी में रेत की बोरियां ले जा रहे थे। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, रेत की बोरियां लेकर नाव नदी के बीच पहुंची थी। इसी दौरान गंगा की तेज धारा के दबाव के कारण नाव का संतुलन बिगड़ गया और वह पलट गई।

सभी प्रयासों के बाद ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

बढ़ने का खतरा बढ़ गया है, जो अपने कच्चे तेल की 85 प्रतिशत से अधिक जरूरत आयात से पूरी करती है। इसलिए कंपनियां ऐसे समय में बड़ी और लंबी अवधि की परियोजनाओं में पैसा लगाने से हिचक रही हैं, जब ऊर्जा और अन्य कच्चे माल की लागत में अचानक बड़ा बदलाव आ सकता है।

व्यापार को लेकर अनिश्चितता एक और बड़ी मुश्किल है। कंपनियों को बदलती टैरिफ दरों, आपूर्ति श्रृंखलाओं और निर्यात बाजारों का आकलन करना पड़ रहा है। साथ ही, सस्ते आयात से घरेलू उत्पादकों पर दबाव पड़ सकता है और उत्पादन क्षमता बढ़ाने का उनका प्रोत्साहन कम हो सकता है। बैंकिंग क्षेत्र के एक हालिया आकलन में कॉपोरेट केपैक्स (कैपिटल एक्सपैंडिचर) फैसलों पर असर डालने वाले कई फैक्टर्स की पहचान की गई है, जैसे कि असमान डिमांड, कमोडिटी की कीमतों में उतार-चढ़ाव, व्यापार से जुड़ी अनिश्चितता, जिओपोलिटकल तनाव और सस्ते इम्पोर्ट से मुकाबला।

कैपिटल की लागत भी एक और बड़ी बाधा है। सर्वेक्षण में कहा गया है कि भारत में पूंजी की अपेक्षाकृत ऊंची लागत लंबे समय में पूरी होने वाली निजी परियोजनाओं को हतोत्साहित कर सकती है, भले ही कंपनियों की वित्तीय स्थिति पहले से बेहतर हो। दूसरे शब्दों में, कंपनियों के पास निवेश करने की वित्तीय क्षमता हो सकती है, लेकिन फिर भी वे रिस्क एडजस्टेड रिटर्न को इतना आकर्षक नहीं मानतीं कि परियोजनाओं को तुरंत शुरू करें।

रुपये की कमज़ोरी ने भी अनिश्चितता बढ़ा दी है। इस साल डॉलर के मुकाबले रुपया 6 प्रतिशत से अधिक कमज़ोर हो चुका है। इससे इम्पोर्ट की गई मशीनरी और कच्चे माल की लागत बढ़ गई है, जबकि कंपनियों को एक्सपोर्ट और घरेलू डिमांड में अनिश्चितता का सामना करना पड़ रहा है। इसके परिणामस्वरूप कारोबार जगत का भरोसा कमज़ोर हुआ है। कंपनियां खराब आर्थिक परिस्थितियों और कमज़ोर मुद्रा को चिंता का कारण बता रही हैं। इससे पता चलता है कि सरकारी खर्च ग्रोथ का एक अहम आधार क्यों बना हुआ है। सड़कों, रेलवे, इन्फ्रास्टक्चर और दूसरे प्रोजेक्ट्स पर पब्लिक कैपिटल एक्सपैंडिचर से स्टील, सीमेंट, मशीनरी और कंस्ट्रक्शन सर्विस की डिमांड बढ़ रही है। लेकिन सरकार हमेशा के लिए प्राइवेट इन्वेस्टमैंट की जगह नहीं ले सकती। निवेश में टिकाऊ तेजी के लिए जरूरी है कि कंपनियां खुद उत्पादन क्षमता बढ़ाएं, रोजगार पैदा करें और लंबे समय के कारोबारी जोखिम उठाएं।

फिर भी उम्मीद की कुछ वजहें हैं। भारत की पिछली निवेश मंदी के समय की तुलना में कंपनियों की वित्तीय स्थिति काफी बेहतर है। वहीं, अप्रैल-जून तिमाही में वस्तुओं और सेवाओं का निर्यात सालाना आधार पर 11 प्रतितशत से अधिक बढ़ा है। पहले की गई जीएसटी और आयकर में कटौती से भी उपभोक्ता मांग को समर्थन मिला है।

इसलिए तत्काल चुनौती यह है कि कंपनियों को भविष्य की मांग, कच्चे माल की लागत, व्यापार की स्थिति और नीतिगत स्थिरता को लेकर इतना भरोसा दिया जाए कि वे लंबे समय के लिए निवेश करने का फैसला कर सकें।

भारत की 7.1 प्रतिशत विकास दर अब भी प्रभावशाली है। लेकिन विकास की अगली गति लंबे समय तक केवल उपभोक्ताओं और सरकार पर निर्भर नहीं रह सकती। असली परीक्षा यह है कि क्या निजी कंपनियां मौजूदा उत्पादन क्षमता का इस्तेमाल करने के बजाय नई क्षमता बनाने की ओर बढ़ती हैं या नहीं। जब तक ऐसा नहीं होता, भारत की विकास दर ऊपर से मजबूत दिख सकती है, लेकिन असल में वो उतनी व्यापक नहीं होगी, जितना कि मुख्य जीडीपी आंकड़ों से पता चलता है।

दिल्ली के लोनी क्षेत्र में 16 ओद्यौगिक इकाइयाँ सील की गईं

नई दिल्ली, 26 अगस्त। वायु प्रदूषण पर रोक लगाने के लिए वायु गुणवत्ता प्रबंधन आयोग (सीएक्यूएम) ने मंगलवार को लोनी क्षेत्र में 'ऑपरेशन क्लीन एयर' के तहत विशेष औचक निरीक्षण अभियान चलाया। अभियान के

- **सभी को पर्यावरणीय नियमों का उल्लंघन करने का दोषी पाया गया।**

दौरान 28 औद्योगिक परिसरों की जांच की गई और सभी में पर्यावरणीय नियमों का उल्लंघन पाया गया। इसमें से 16 औद्योगिक इकाइयों/परिसरों को सील कर दिया गया। आयोग ने बुधवार को जानकारी दी कि कार्रवाई के लिए 7 फ्लाइंग स्क्वॉड तैनात किए गए थे। इनमें मजिस्ट्रेट, पुलिस और उत्तर प्रदेश प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड के अधिकारी भी मौजूद रहे। जांच में सामने आया कि 21 इकाइयां वैध मंजूरी के बिना संचालित हो रही थीं। वहीं 14 मामलों में लकड़ी और कोयले, जो प्रतिबंधित/अनुमोदित नहीं किए गए, जैसे ईंधन का इस्तेमाल पाया गया।

मंत्रिमंडल में फेरबदल की अटकलें ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

निर्णय लेने वाली शीर्ष संस्थाओं में बदलाव की संभावना है। संसदीय बोर्ड की भूमिका विधानसभा चुनावों में उम्मीदवारों को हरी झंडी देने से लेकर प्रधानमंत्री के चयन तक महत्वपूर्ण है।

संसदीय बोर्ड के पास व्यापक अधिकार हैं, लेकिन उसका आकार छोटा है। नितिन नबीन की मौजूदा टीम ''प्लेइंग इलेवन'' में बदलाव की गुंजाइश ज्यादा नहीं है।

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और गृह मंत्री अमित शाह बोर्ड में बने रहेंगे।

राजनाथ सिंह इसके सबसे वरिष्ठ मौजूदा सदस्य हैं। उत्तर प्रदेश विधानसभा चुनाव मुश्किल से छह महीने दूर हैं। वर्ष 2024 के लोकसभा चुनाव में ऊंची जाति के ठाकुर मतदाताओं के एक हिस्से के भाजपा से दूर होने से पार्टी को नुकसान हुआ था।

किसी और ठाकुर नेता को शामिल करने से ज्यादा राजनीतिक हलचल उन्हें हटाने से पैदा होगी। इसलिए राजनाथ सिंह को हटाए जाने की संभावना कम है। संगठन महामंत्री बीएल संतोष भी बने रहेंगे। इसका मतलब है कि अभी सात पदों पर बदलाव की गुंजाइश है। इन पदों पर फिलहाल जेपी नड्डा, बीएस येदियुरप्पा, सर्बानंद सोनोवाल, के. लक्ष्मण, इकबाल सिंह लालपुरा, सुधा यादव और सत्यनारायण जटिया हैं।

स्वास्थ्य मंत्री जेपी नड्डा पार्टी के पूर्व अध्यक्ष होने के कारण बोर्ड में हैं। उनके बने रहने के पक्ष में एक महत्वपूर्ण, हालांकि निर्णायक नहीं, कारण यह है कि उनके गृह राज्य हिमाचल प्रदेश में नवंबर 2027 में विधानसभा चुनाव होने हैं। दूसरा कारण यह है कि वह के शीर्ष दो नेताओं की कार्यशैली को अच्छी तरह समझते हैं। इससे संभावित बदलाव के लिए मैदान में केवल छह पद बचते हैं। लेकिन असली मुश्किल यह तय करने में होगी कि किसे बाहर किया जाए। भाजपा के पूर्व कर्नाटक विजेता बीएस येदियुरप्पा इस साल फरवरी में 80 वर्ष के हो गए। उनके बाहर निकलने की रणनीति बनाते समय भाजपा और आरएसएस को इस तथ्य का भी ध्यान रखना होगा कि कर्नाटक की प्रभावशाली जाति लिंगायत समुदाय का प्रतिनिधित्व अभी भी भाजपा के शीर्ष निर्णय लेने वाले निकाय में उनके नेता के रूप में मौजूद है। कर्नाटक में विधानसभा चुनाव मई 2028 में होने हैं। असम में इस साल अप्रैल में विधानसभा चुनाव हो चुके हैं। केंद्रीय मंत्री सर्बानंद सोनोवाल उत्तर-पूर्व के एक बड़े चेहरे हैं और यह क्षेत्र भाजपा के लिए प्रमुख फोकस क्षेत्रों में शामिल है। उनकी आदिवासी पृष्ठभूमि उन्हें एक साथ दो फायदे देती है।

इकबाल सिंह लालपुरा फिलहाल भाजपा के अल्पसंख्यक चेहरे हैं, क्योंकि संसदीय बोर्ड में कोई मुस्लिम सदस्य नहीं है। वे पूर्व आईपीएस अधिकारी हैं और उन्होंने 1978 में सिख-निरंकारी संघर्ष के बाद, अलगाववादी नेता जरनैल सिंह भिंडरांवाले को गिरफ्तार किया था। वे राष्ट्रीय अल्पसंख्यक आयोग के अध्यक्ष भी रह चुके हैं। भाजपा फरवरी 2027 में होने वाले पंजाब विधानसभा चुनावों को ध्यान में रखते हुए उनकी जगह किसी युवा और अधिक प्रभावशाली सिख चेहरे को ला सकती है।

सुधा यादव हरियाणा से आती हैं। नरेन्द्र मोदी के गुजरात का मुख्यमंत्री बनने से भी पहले, 1999 में जब वे भाजपा के हरियाणा प्रभारी थे, तब उन्होंने महेंद्रगढ़ लोकसभा सीट से सुधा यादव का समर्थन किया था।

सबसे अधिक संभावना सत्यनारायण जटिया की जगह किसी और को लाने की है। भाजपा संसदीय बोर्ड में किसी अधिक प्रमुख पिछड़े वर्ग, अनुसूचित जाति, युवा या महिला चेहरे को शामिल कर एक राजनीतिक संदेश दे सकती है। लेकिन सबसे बड़ा सवाल संसदीय बोर्ड में मुख्यमंत्रियों को शामिल करने का है।

जनवरी 2006 में भाजपा अध्यक्ष के रूप में राजनाथ सिंह ने तत्कालीन गुजरात मुख्यमंत्री नरेन्द्र मोदी को संसदीय बोर्ड में शामिल किया था, लेकिन 2007 में उन्हें हटा दिया गया।

2013 में परिस्थितियां बदल चुकी थीं। मार्च में मोदी को फिर संसदीय बोर्ड में शामिल किया गया। इसके बाद उसी साल जून में उन्हें भाजपा की चुनाव अभियान समिति का प्रमुख बनाया गया और सितंबर में प्रधानमंत्री पद का उम्मीदवार घोषित किया गया।

अगस्त 2022 में तत्कालीन मध्य प्रदेश मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान को संसदीय बोर्ड से हटा दिया गया और इसके बाद अनौपचारिक रूप से शीर्ष निकाय में कोई मुख्यमंत्री नहीं का नियम चलन में आ गया।

इसका तर्क यह दिया गया था कि मुख्यमंत्री संसदीय बोर्ड के सदस्य रहते हुए मुख्यमंत्रियों से जुड़े फैसलों पर स्वयं कैसे निर्णय ले सकते हैं?

लेकिन हाल ही में हुई एक बैठक के बाद संकेत मिल रहे हैं कि भाजपा का वैचारिक मार्गदर्शक, उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ और महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री देवेन्द्र फडणवीस को संसदीय बोर्ड में शामिल करने पर जोर दे रहा है।

राष्ट्रदूत (एच.यू.एफ.) के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक सोमेश शर्मा द्वारा वतन प्रेस, सुधर्मा, एम.आई.रोड़, जयपुर एवं सुधर्मा-II, लालकोठी शॉपिंग सेंटर, टोंक रोड़, जयपुर से मुद्रित एवं प्रकाशित। संपादक:- राजेश शर्मा। आर.एन.आई. नं. 3641/57, ई-मेल-rastrdut@gmail.com कोटा कार्यालय:-पलायथा हाउस, छत्रपति शिवाजी मार्ग, कोटा। फोन:2386031, 2386032, फैक्स:0744-2386033 बीकानेर कार्यालय:-कुंभ्भाना हाउस, हनुमान हत्था, बीकानेर। फोन:2200660, फैक्स: 0151-2527371 उदयपुर कार्यालय:-आयड, मेन रोड आयड, उदयपुर। फोन: 2413092, 2418945, फैक्स: 0294-2410146 अजमेर कार्यालय:-घूघरा घाटी, जयपुर रोड,अजमेर। फोन: 2627612, फैक्स:0145-2624665 जालोर कार्यालय :- प्लाट नम्बर H1-4, इन्डस्ट्रीयल एरिया फैस प्रथम, जालौर, (राज.) फोन नम्बर 226422, 226423, जालौर। फैक्स: 02973-226424 हिण्डौनसिटी कार्यालय :- जी -1-201, रीको औद्योगिक क्षेत्र, हिण्डौनसिटी। फोन: 230200, 230400, फैक्स: 07469-230600 चूरू कार्यालय: एच-150, रीको औद्योगिक क्षेत्र, चूरू, फोन: 256906, 256907, फैक्स:01562-256908